सूर्योदय - 06:46
सूर्यास्त - 05:27

अधिकतम तापमान 27.1°
न्यूनतम तापमान 12.1°

ओपन सर्च

हिन्दी दैनिक

RNI No. HARHIN/2023/86132

खबरें और विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें

Mob. : 8826637033
opensearchnews@gmail.com

E-mail | satbeerbhardwaj925@gmail.com Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in Website | www.opensearch.co.in

वर्ष : 04 अंक : 116 गुरुग्राम (हरियाणा), 'शनिवार 28 नवंबर 2026 हरियाणा, नई दिल्ली, बिहार से प्रकाशित ₹ मूल्य : 01 रुपए | पृष्ट : 08

हरियाणा के खिलाड़ियों के जोश, फुर्ती और संकल्प का प्रतीक बनेगा खेल महाकुम्भ का शुभंकर'

मुख्यमंत्री ने किया 'खेल महाकुम्भ हरियाणा-2026' के शुभंकर का लोकार्पण

ओपन सर्च/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को 'खेल महाकुम्भ हरियाणा-2026' के शुभंकर का लोकार्पण किया। राज्य पशु काला हिरण की थीम पर तैयार किया गया यह शुभंकर हरियाणा की पहचान, सांस्कृतिक विरासत और प्रदेश के खिलाड़ियों की फुर्ती, सतर्कता, संतुलन तथा लक्ष्य के प्रति समर्पण का प्रतीक है। इस अवसर पर हॉकी के पूर्व कप्तान सरदार सिंह, एशियाई खेलों की पदक विजेता परवीन हुड्डा, नरेंद्र बॉक्सर को सम्मानित भी किया गया। इसके अलावा इजिप्ट में जाने वाले हॉकी जूनियर टीम के खिलाड़ियों को शुभकामनाएं भी दी।



उपस्थित खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा के खिलाड़ियों का जोश और उत्साह ही प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत है। हमें गर्व है कि जब भी पदकों की तालिका बनती है, उसमें हरियाणा का नाम सबसे ऊंचा होता है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल महाकुम्भ उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने और प्रदेश का नाम रोशन करने का एक बड़ा मंच प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि काला हिरण अपने अद्भुत वेग, फुर्ती, सतर्कता, संतुलन और सौम्यता के लिए जाना जाता है। यही गुण हरियाणा के खिलाड़ियों में भी दिखाई देते हैं। खिलाड़ी जब मैदान में उतरते हैं तो उनमें काला हिरण जैसी फुर्ती, एकाग्रता और लक्ष्य को भेदने की क्षमता नजर आती है। उन्होंने कहा कि शुभंकर के माध्यम से प्रदेश के युवाओं और आमजन को पर्यावरण संरक्षण, वन्य जीवों के प्रति संवेदनशीलता और प्राकृतिक धरोहर को सहेजने का संदेश भी दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल महाकुम्भ की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में 30 खेलों में 18 हजार खिलाड़ी अपनी प्रतिभा, कौशल और खेल भावना का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिताओं का आयोजन दो चरणों में प्रदेश के 11 विभिन्न शहरों में किया जाएगा। उन्होंने खेल विभाग, प्रशासनिक अधिकारियों और आयोजन से जुड़े सभी लोगों को सफल आयोजन के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल महाकुम्भ सरकार की दूरदर्शी पहल है, जिसका उद्देश्य प्रदेश के गांवों, कस्बों और छोटे शहरों में छिपी खेल प्रतिभाओं को उचित अवसर, मार्गदर्शन और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाना है। यही प्रतिभाएं आगे चलकर ओलंपिक, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में तिरंगे की शान बढ़ा सकती हैं। वार्षिक खेल कैलेंडर के अनुसार, इस महाकुम्भ की गतिविधियां 16 नवंबर से शुरू हो चुकी हैं और राज्य स्तरीय मुकाबलों से पहले पूरे प्रदेश में जिला स्तर पर चयन ट्रायल आयोजित किए गए हैं। इन ट्रायल में युवाओं की बढ़-चढ़कर भागीदारी हरियाणा में विकसित हो रही नई खेल संस्कृति का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक एकाग्रता का माध्यम नहीं हैं, बल्कि युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखने के साथ-साथ अनुशासन, टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता और हार-जीत को समान भाव से स्वीकार करने की सीख भी देते हैं।

12 वर्षों में खेल सुविधाओं पर किए अभूतपूर्व कार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में हरियाणा में खेलों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियां देने से लेकर खेल अकादमियों, खेल नर्सरियों, प्रशिक्षण सुविधाओं और आधुनिक खेल ढांचे के विस्तार तक लगातार काम किया गया है। हरियाणा उत्कृष्ट खिलाड़ी भर्ती नियमों के तहत अब तक 260 उत्कृष्ट खिलाड़ियों को ग्रुप-ए, बी और सी की सरकारी नौकरियां दी गई हैं। उन्होंने कहा कि ओलंपिक, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों सहित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 6 करोड़ रुपये तक के नकद पुरस्कार दिए जाते हैं। पिछले 12 वर्षों में प्रदेश के 17 हजार 676 खिलाड़ियों को 931 करोड़ रुपये की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की गई है। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को तैयारी के लिए अग्रिम राशि भी दी जाती है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला, हरियाणा पवेलियन में दिखी विकास और समृद्ध संस्कृति की झलक : मोहन लाल बड़ौली

हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन मोहन लाल बड़ौली ने किया हरियाणा पवेलियन का दौरा

ओपन सर्च/ब्यूरो



चंडीगढ़। हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन श्री मोहन लाल बड़ौली ने शुक्रवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में बनाए गए हरियाणा पवेलियन का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पवेलियन के अलग-अलग स्टॉलों पर जाकर वहां प्रदर्शित उत्पादों, कलाकृतियों व उद्यमियों से जानकारी ली। उन्होंने हरियाणा पवेलियन के डिजाइन की भी प्रशंसा की।

चेयरमैन श्री मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में हरियाणा को जिस प्रकार दर्शाया गया है, वह बहुत सराहनीय है। पवेलियन के माध्यम से न केवल हरियाणा के विकास की यात्रा को प्रस्तुत किया गया है, बल्कि प्रदेश की समृद्ध संस्कृति की झलक भी देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा आज एक्सपोर्ट हब के रूप में उभरा है और यहां से निर्यात होने वाली अनेक प्रकार की वस्तुओं की विविधता को भी पवेलियन में प्रदर्शित किया गया है, जो प्रदेश की औद्योगिक व व्यापारिक क्षमता को दर्शाती है। जिसके पास हुनर है, वही आत्मनिर्भर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विजन है कि जिसके पास हाथ का हुनर है, वही आत्मनिर्भर है। आत्मनिर्भर भारत के इस संकल्प के अनुरूप हरियाणा भी आत्मनिर्भर भारत में आत्मनिर्भर हरियाणा के रूप में निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कारीगरों और हुनरमंद लोगों का कार्य इस संकल्प को साकार करने में अहम भूमिका निभा रहा है। इसी श्रृंखला में यहां अलग-अलग स्टॉल प्रदर्शित किए गए हैं।

नई सोच के साथ नए हरियाणा का विकास

चेयरमैन श्री मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि पवेलियन में हरियाणा के खान-पान से जुड़े उत्पादों जैसे मूंग, बाजरा और मक्की के साथ-साथ विभिन्न पारंपरिक व्यंजनों को भी प्रदर्शित किया गया है। इसके अलावा कपड़े और मिट्टी से जुड़े कार्य करने वाले अनेक कारीगरों के उत्पाद भी यहां दर्शाए गए हैं, जो हरियाणा की पारंपरिक कला और हस्तशिल्प की पहचान हैं। उन्होंने कहा कि नई सोच के साथ नए हरियाणा के विकास को इस अंतरराष्ट्रीय मेले में बखूबी प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह सब देखकर बहुत अच्छा लगा।

हरियाणा की चौपाल का अपना महत्व: पवेलियन में बनाई गई हरियाणवी चौपाल के बारे में चेयरमैन श्री मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का नारा है, "हरियाणा एक, हरियाणवी एक", और हरियाणा की चौपाल का अपना विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि चाहे राजनीतिक चर्चा हो, सामाजिक मुद्दे हों या समाज सुधार की बात, बहुत से कार्य चौपाल के माध्यम से ही पूरे किए जाते हैं।

पंचकूला के प्रमुख धार्मिक स्थलों को जोड़ेंगी दो इलेक्ट्रिक बसें, मुख्यमंत्री ने दिखाई हरी झंडी

श्रद्धालुओं, विशेषकर बुजुर्गों और महिलाओं को मिलेगी बड़ी सुविधा

ओपन सर्च/ब्यूरो



चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को जिले के प्रमुख धार्मिक स्थलों के एक साथ दर्शन कराने के लिए बेहतर, सुविधाजनक और पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाने की दिशा में आज श्री माता मनसा देवी मंदिर परिसर, पंचकूला स्थित संस्कृत गुरुकुल से दो इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह बस सेवा श्री माता मनसा देवी मंदिर से शुरू होकर चंडी माता मंदिर और पिंजौर गार्डन होते हुए कालका स्थित श्री काली माता मंदिर तक संचालित होगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हरियाणा राज्य परिवहन के सेक्टर-5, पंचकूला स्थित नवीनीकृत बस टर्मिनल का भी उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचकूला मां शक्ति की उपासना का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां की वादियों में मां के विभिन्न स्वरूपों का वास है , जहां प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं लेकर शीश नवाने आते हैं। श्रद्धालुओं, विशेषकर बुजुर्गों और महिलाओं को इन प्रमुख धार्मिक स्थलों के एक साथ दर्शन करने में परिवहन संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अलग-अलग स्थानों तक पहुंचने के लिए निजी वाहनों पर निर्भरता और बार-बार परिवहन के साधन बदलने की परेशानी के कारण कई श्रद्धालु सभी मंदिरों के दर्शन नहीं कर पाते थे।

उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की इसी सुविधा को ध्यान में रखते हुए आज दो प्रदूषण-मुक्त इलेक्ट्रिक बसों की सेवा शुरू की गई है। यह पहल प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2070 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य और 'लाइफ (LiFE)-पर्यावरण के लिए जीवनशैली' के मंत्र को धरातल पर उतारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बस सेवा की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सुविधाजनक समय-सारणी और डिजिटल व्यवस्था है। दोनों बसें प्रतिदिन छह चक्कर लगाएंगी। यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष क्यूआर कोड भी जारी किया गया है।

वेदों के ज्ञान के साथ आधुनिक विज्ञान और तकनीक में भी दक्ष बनें विद्यार्थी : मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी

श्री मुक्ति नाथ वेद विद्याश्रम के रजत जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए मुख्यमंत्री

ओपन सर्च/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने गुरुकुल में अध्ययनरत विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे वेदों की ऋचाओं के ज्ञान के साथ-साथ आधुनिक विज्ञान एवं तकनीक में भी दक्ष बनें और विकसित हरियाणा तथा विकसित भारत के निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान दें।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी आज पंचकूला माता मनसा देवी मंदिर परिसर स्थित श्री मुक्ति नाथ वेद विद्याश्रम (संस्कृत गुरुकुल) के रजत जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने संस्कृत गुरुकुल के विकास एवं शैक्षणिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने के लिए अपने स्वैच्छिक कोष से 21 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की।

इससे पूर्व उन्होंने गुरुकुल परिसर में मंत्रोच्चारण के बीच आयोजित हवन में भाग लिया और आहुति अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुकुल के 25 वर्ष पूरे होने का उत्सव मनाने के साथ-साथ हमें आगामी 25 वर्षों के लिए भी नए संकल्प लेने होंगे। जब यह गुरुकुल अपनी स्वर्ण जयंती मनाएगा, तब तक भारत एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित हो चुका होगा। विकसित भारत और विकसित हरियाणा के निर्माण में विद्यार्थियों, आचार्यों और नागरिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी।



उन्होंने कहा कि किसी भी संस्था के लिए 25 वर्षों का सफर तय करना उसकी तपस्या, त्याग, समर्पण और उच्च आदर्शों एवं मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह उपलब्धि संस्था से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति के सामूहिक प्रयासों और निरंतर साधना का परिणाम होती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री मुक्ति नाथ वेद विद्याश्रम एक ऐसी टकसाल है, जहाँ चरित्रवान और संस्कारवान नागरिक गढ़े जाते हैं। इसने पिछले 25 वर्षों में विद्यार्थियों को वैदिक मंत्रों और शास्त्रों का कंठस्थ ज्ञान देने के साथ-साथ उनके भीतर राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, सेवा भाव और उच्च नैतिक चरित्र का निर्माण भी किया है। यहाँ से शिक्षा प्राप्त कर निकले विद्यार्थी आज देश और दुनिया के कोने-कोने में भारतीय संस्कृति के ध्वजवाहक बनकर समाज का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

उन्होंने कहा की आज के इस डिजिटल और एआई के युग में गुरुकुलों और संस्कृत की विशेष प्रासंगिकता बनी हुई है। जब भी मानव मानसिक अशांति, नैतिक पतन या पर्यावरण संकट के अंधकार में भटका है तो उसे राह दिखाने का काम इन्हीं गुरुकुलों और वेदों के ज्ञान ने किया है। संस्कृत केवल पूजा-पाठ या कर्मकांड की भाषा नहीं है, यह विज्ञान, गणित, खगोलशास्त्र, आयुर्वेद, योग और जीवन प्रबंधन के ज्ञान का अक्षय भंडार है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने गुरुकुल में सेवा भावना से की गई व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि गुरुकुल में विद्यार्थियों को संस्कृत की शिक्षा के साथ आवास और भोजन की सुविधा भी नि:शुल्क दी जाती है। अलग-अलग प्रदेशों से, यहाँ तक कि नेपाल से भी विद्यार्थी यहाँ पढ़ने आते हैं। उन्होंने कहा कि अलग-अलग पृष्ठभूमि से आए बच्चे साथ रहते हैं, साथ पढ़ते हैं और एक-दूसरे के सुख-दु:ख में साथ खड़े होना सीखते हैं जोकि सामाजिक समरसता की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि इस गुरुकुल में बच्चे वेद, संस्कृत व्याकरण, दर्शन और साहित्य पढ़ते हैं। साथ ही वे हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान और कंप्यूटर की शिक्षा भी प्राप्त करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार देववाणी संस्कृत के संरक्षण, संवर्धन और व्यावहारिक प्रसार के लिए बहुआयामी प्रयास कर रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप स्कूलों में त्रि-भाषी फॉर्मूला लागू कर विद्यार्थियों को संस्कृत अध्ययन का विकल्प प्रदान किया गया है।

गुरुग्राम को आज मिलेगी 100 नई इलेक्ट्रिक बसों की सौगात, सार्वजनिक परिवहन को मिलेगा नया विस्तार

ओपन सर्च/ब्यूरो

चंडीगढ़। गुरुग्राम में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को अधिक सुलभ, आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में आज महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। जिला की सड़कों पर अब 100 नई इलेक्ट्रिक बसें दौड़ेंगी, जिससे न केवल यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलेगी, बल्कि पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता कम करने और वायु प्रदूषण नियंत्रित करने के प्रयासों को भी गति मिलेगी। गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन सिटी बस लिमिटेड (जीएमसीबीएल) के बेड़े में शामिल की गई इन 100 इलेक्ट्रिक बसों को हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी शनिवार, 28 नवंबर को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। मुख्यमंत्री इस अवसर पर गुरुग्राम के सेक्टर 48 ई-बस डिपो का उद्घाटन भी करेंगे। गुरुग्राम के सेक्टर-48 स्थित जीएमसीबीएल बस डिपो में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल करेंगे। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री राव इंद्रजीत सिंह और हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री राव नरबीर सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

दिव्यांगजन क्षेत्र में संस्थागत सुदृढ़ीकरण और क्षमता निर्माण के लिए इंडिया ऑटिज्म सेंटर तथा हरियाणा सरकार के SEWA विभाग ने मिलाया हाथ

संस्थानों के मूल्यांकन, ज्ञान के आदान-प्रदान और पेशेवर प्रशिक्षण पर केंद्रित रहेगा यह सहयोग

ओपन सर्च/ब्यूरो



चंडीगढ़। हरियाणा सरकार के सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जातियां एवं पिछड़े वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय (SEWA) विभाग ने दिव्यांगजन क्षेत्र में संस्थागत सुदृढ़ीकरण और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने के लिए इंडिया ऑटिज्म सेंटर (IAC) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस साझेदारी के तहत हरियाणा दिव्यांगजन कल्याण सोसायटी (HDWS) के स्कूलों तथा राज्य पुनर्वास, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (SIRTAR) के साथ मिलकर कार्य किया जाएगा। ये संस्थान ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, बौद्धिक दिव्यांगता, दृष्टिबाधिता और श्रवणबाधिता के क्षेत्र में कार्यरत हैं। इस सहयोग के तहत इंडिया ऑटिज्म सेंटर इन संस्थानों की मौजूदा व्यवस्थाओं, उपलब्ध सुविधाओं और कार्यप्रणाली का मूल्यांकन करेगा। इसके आधार पर संस्थानों की खूबियों और सुधार की आवश्यकता वाले क्षेत्रों की पहचान की जाएगी। साथ ही, वैश्विक स्तर पर अपनाई जा रही बेहतर कार्यप्रणालियों के अनुरूप सुझाव दिए जाएंगे, ताकि सेवाओं की गुणवत्ता और संस्थागत क्षमताओं को और मजबूत किया जा सके।

बैठक के दौरान इंडिया ऑटिज्म सेंटर की तीन प्रमुख पहलों के बारे में भी जानकारी दी गई। इनमें पश्चिम बंगाल के शिराकोल में स्थापित किया जा रहा आवासीय परिसर 'समावेश' (Samaavesh) शामिल है, जो ऑटिज्म से प्रभावित व्यक्तियों और उनके परिवारों को सहयोग प्रदान करने के लिए समर्पित होगा। इसके अलावा, 'मनन' (Manan) पेशेवर प्रशिक्षण पहल है, जिसके तहत देखभालकर्ताओं और चिकित्सकों, ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट तथा स्पीच एवं लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट सहित अन्य विशेषज्ञों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। वहीं, 'खोज' (Khoj) इंडिया ऑटिज्म सेंटर की अनुसंधान इकाई है, जो ऑटिज्म के क्षेत्र में ज्ञान और समझ को आगे बढ़ाने के लिए कार्य करेगी।

इस साझेदारी के तहत संबंधित संस्थानों के प्रधानाचार्यों और शिक्षकों को इंडिया ऑटिज्म सेंटर के आगामी 'समावेश' परिसर का दौरा करवाने के अवसर भी उपलब्ध कराए जाएंगे। इस दौरान वे वहां की कार्यप्रणाली, आधारभूत ढांचे और अपनाई जा रही व्यवस्थाओं को समझ सकेंगे। संस्थानों के प्रारंभिक मूल्यांकन और आपसी सहयोग के आधार पर विशेष शिक्षकों तथा अन्य पेशेवरों के लिए उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रम भी तैयार किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में ऑनलाइन और प्रत्यक्ष, दोनों माध्यमों से प्रशिक्षण की संभावनाएं तलाशी जाएंगी। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. जी. अनुपमा तथा सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जातियां एवं पिछड़े वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय विभाग के निदेशक श्री मुकुल कुमार ने प्रतिनिधित्व किया। वहीं, इंडिया ऑटिज्म सेंटर की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी जयशंकर नटराजन और गवर्निंग बॉडी की सदस्य सखी सिंघी उपस्थित रहीं।

मुख्यमंत्री ने यूथ ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुक्केबाज गुंजन को 1 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि से किया सम्मानित

गुंजन की यह उपलब्धि प्रदेश के अन्य युवाओं और खिलाड़ियों के लिए है बड़ी प्रेरणा : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

ओपन सर्च/ब्यूरो



चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को चंडीगढ़ स्थित संत कबीर कुटीर निवास पर हांसी के ढाणा कलां गांव की होनहार मुक्केबाज गुंजन को एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया। गुंजन ने सेनेगल के डकार में आयोजित यूथ ओलंपिक 2026 की बॉक्सिंग स्पर्धा के 48 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाया है। इससे पूर्व भी गुंजन ने 2026 अंडर-19 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप (जकार्ता, इंडोनेशिया) और 2026 वर्ल्ड बॉक्सिंग फ्यूचर कप (बैंकॉक, थाईलैंड) में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किए हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने गुंजन की असाधारण प्रतिभा, अनुशासन और संघर्ष की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण अंचल की बेटी ने अंतर्राष्ट्रीय मंच पर स्वर्णिम सफलता हासिल कर यह सिद्ध कर दिया है कि हरियाणा की बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि गुंजन की यह उपलब्धि प्रदेश के अन्य युवाओं और खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी प्रेरणा है। हरियाणा की खेल नीति का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की पारदर्शी एवं खिलाड़ी-हितैषी खेल नीति के कारण आज हरियाणा देश में खेलों का पावरहाउस बन चुका है। खिलाड़ियों को जमीनी स्तर से ही आधुनिक सुविधाएं, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, नर्सरियां और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की पदक विजेता राशि समय पर उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि खिलाड़ी बिना किसी चिंता के केवल अपने खेल और उत्कृष्ट प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित कर सकें। मुख्यमंत्री ने गुंजन और उनके परिवार को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

हिन्दी दैनिक **ओपन सर्च**

गुरुग्राम सर्च

गुरुग्राम (हरियाणा), शनिवार, 28 नवंबर 2026

www.opensearch.co.in

बिना अनुमति सील तोड़कर दोबारा शुरू की गई व्यावसायिक गतिविधियां, बी-711 इमारत फिर सील

सुशांत लोक-1 में टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग की कार्रवाई, मालिक, केयरटेकर और किरायेदारों के खिलाफ एफआईआर की सिफारिश

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता सतबीर भारद्वाज



गुरुग्राम। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग की प्रवर्तन टीम ने सुशांत लोक-1 स्थित मकान नंबर बी-711 में बिना अनुमति सील खोलकर व्यावसायिक गतिविधियां संचालित किए जाने पर कार्रवाई की। विभाग की टीम ने शुक्रवार को मौके पर पहुंचकर पूरी इमारत को खाली कराया और दोबारा सील कर दिया। इसके साथ ही इमारत में बिजली आपूर्ति भी बंद करवा दी गई है। मामले में मकान मालिक, केयरटेकर और व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करने वाले किरायेदारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की सिफारिश की गई है।

जिला नगर योजनाकार (प्रवर्तन) अमित मधोलिया के नेतृत्व में टीम ने यह कार्रवाई की। हुड्डा सिटी सेंटर (मिलेनियम सिटी सेंटर) मेट्रो स्टेशन के सामने स्थित इस इमारत में बेसमेंट सहित चार मंजिलें हैं। विभाग के अनुसार, इस इमारत को 9 सितंबर 2026 को सीलिंग अभियान के दौरान सील किया गया था। इसके बावजूद विभाग की अनुमति के बिना सील हटाकर यहां दोबारा कारोबार शुरू कर दिया गया। निरीक्षण के दौरान इमारत में कई बड़े ब्रांड के शोरूम और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान संचालित पाए गए। इनमें वाइब्स, 11 स्पेस, सरफेसस और फिट क्लब जैसी व्यावसायिक गतिविधियां शामिल थीं। मामले की जानकारी मिलने पर अमित मधोलिया स्वयं टीम के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद सभी प्रतिष्ठानों को खाली कराया गया और इमारत के सभी हिस्सों को फिर से सील कर दिया गया।

मालिक और केयरटेकर की भूमिका की जांच

विभाग की शुरुआती जांच में सामने आया है कि मकान मालिक और केयरटेकर गुनजन की ओर से बिना विभागीय अनुमति के सील खोली गई थी। वहीं, सील हटने के बाद इमारत में दोबारा कारोबार शुरू करने वाले किरायेदारों की भूमिका को भी कार्रवाई के दायरे में लिया गया है। विभाग ने संबंधित सभी पक्षों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की सिफारिश की है।

डीएलएफ फेज-2 की दो इमारतें भी रडार पर

अमित मधोलिया ने बताया कि निरीक्षण के दौरान डीएलएफ फेज-2 की दो अन्य इमारतों में भी सील के साथ छेड़छाड़ किए जाने की जानकारी मिली है। इन दोनों इमारतों के खिलाफ शनिवार को कार्रवाई की जाएगी।

विभाग की ओर से इन्हें दोबारा सील करने के साथ संबंधित मकान मालिकों और किरायेदारों के खिलाफ भी एफआईआर की सिफारिश की जाएगी। अमित मधोलिया ने स्पष्ट किया कि सीलिंग की कार्रवाई के बाद बिना अनुमति सील खोलकर दोबारा व्यावसायिक गतिविधियां शुरू करना नियमों का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में विभाग की ओर से सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अमित मधोलिया, जिला नगर योजनाकार (प्रवर्तन), टाउन एंड कंट्री प्लानिंग गुरुग्राम

बेगराज यादव ने 52वीं बार रक्तदान कर युवाओं को दी प्रेरणा

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता सतबीर भारद्वाज

गुरुग्राम। समाज सेवा और मानवता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को दोहराते हुए बेगराज यादव ने शुक्रवार को सेक्टर-10 स्थित रोटरी ब्लड सेंटर परिसर में 52वीं बार रक्तदान किया। इससे पहले भी वे समय-समय पर विभिन्न सामाजिक संगठनों और संस्थानों द्वारा आयोजित रक्तदान शिविरों में 51 बार रक्तदान कर चुके हैं। उनके इस सराहनीय कदम की स्थानीय नागरिकों और स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा जमकर प्रशंसा की जा रही है। रक्तदान करने के बाद भाजपा नेता बेगराज यादव ने कहा कि रक्तदान को समाज में महादान की संज्ञा दी गई है। दान किया गया एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है। उन्होंने कहा कि रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प नहीं है, इसलिए हम सभी का यह नैतिक और सामाजिक दायित्व बनता है कि स्वस्थ रहते हुए नियमित रक्तदान जरुर करें। आज के युवाओं में अपार ऊर्जा और समाज के प्रति कुछ कर गुजरने का जज्बा है। युवाओं को रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियों को दरकिनार कर इस पुनीत कार्य में बढ़-चढक़र हिस्सा लेना चाहिए। बेगराज यादव ने कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति हर तीन महीने में रक्तदान कर सकता है और इससे शरीर में किसी प्रकार की कमजोरी नहीं आती, बल्कि नया रक्त बनने से शरीर और अधिक स्वस्थ रहता है। रोटरी ब्लड सेंटर के प्रतिनिधियों ने बेगराज यादव के इस समर्पण के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

कार चोरी करने पर अधेड़ गिरफ्तार

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता सतबीर भारद्वाज

गुरुग्राम। गुरुग्राम में कार चोरी के चार साल पुराने मामले में अपराध शाखा सेक्टर-40 की टीम ने 50 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की कार और दो नंबर प्लेट बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार, 17-18 अप्रैल 2022 की रात धर्म कॉलोनी से एक कार चोरी हुई थी। इस संबंध में 19 अप्रैल को थाना पालम विहार में शिकायत दर्ज कराई गई थी। मामले की जांच करते हुए पुलिस टीम ने 25 नवंबर 2026 को सेक्टर-113 मार्केट, नजफगढ़-बजघेड़ा रोड से नवीन प्रताप (50) को गिरफ्तार किया। आरोपी मूल रूप से शामली, उत्तर प्रदेश का निवासी है और फिलहाल गुरुग्राम के सेक्टर-99 में रह रहा था। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी गुरुग्राम की एक कंपनी में काम करता है। उसने डुप्लीकेट चाबी बनवाकर अपने ही एक साथी की कार चोरी कर ली और पहचान छिपाने के लिए उस पर दूसरी कार की नंबर प्लेट लगा दी। इसके बाद वह कार का निजी इस्तेमाल करता रहा। पुलिस ने आरोपी को एक दिन के रिमांड पर लेकर पूछताछ की है। मामले की जांच जारी है।

केस की जांच के लिए गुरुग्राम आए यूपी पुलिस के सिपाही की मौत

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता सतबीर भारद्वाज

गुरुग्राम। उत्तर प्रदेश पुलिस की टीम के साथ एक मामले की जांच के सिलसिले में गुरुग्राम आए 30 वर्षीय सिपाही की हृदयाघात से मौत हो गई। खेडक़ी दौला टोल प्लाजा के पास अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन कुछ समय बाद वह फिर बेहोश हो गए। सेक्टर-10 स्थित सरकारी अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार, 26 नवंबर को उत्तर प्रदेश पुलिस की टीम एक आपराधिक मामले की जांच के सिलसिले में गुरुग्राम से गुजर रही थी। इसी दौरान त्तर प्रदेश के इटावा जिले के खेड़ा धौलपुर निवासी सिपाही राहुल की तबीयत खराब हो गई। टीम ने उन्हें खेडक़ी दौला क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। हालत में सुधार होने पर टीम आगे की कार्रवाई के लिए रवाना हुई, लेकिन इसी दौरान राहुल अचानक बेहोश हो गए। उन्हें तत्काल सेक्टर-10 स्थित सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मौत का कारण हृदयाघात बताया गया है। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

शेयर मार्केट में मोटे मुनाफे का झांसा देकर 1.09 करोड़ की ठगी, बैंक खाता देने वाला कानपुर से गिरफ्तार

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता सतबीर भारद्वाज

गुरुग्राम। शेयर मार्केट में निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का सपना दिखाकर एक व्यक्ति से 1 करोड़ 9 लाख 70 हजार रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में गुरुग्राम पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर साइबर ठगों को अपना बैंक खाता उपलब्ध कराने का आरोप है। पुलिस ने उसे उत्तर प्रदेश के कानपुर से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित ने 21 मार्च 2026 को साइबर क्राइम ईस्ट थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि साइबर ठगों ने शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर अधिक मुनाफे का लालच देकर उससे करीब 1.09 करोड़ रुपये ठग लिए। मामले की जांच करते हुए पुलिस टीम ने 25 नवंबर को कानपुर से 29 वर्षीय विकल्प शुक्ला को गिरफ्तार किया। आरोपी विकास कॉलोनी, कानपुर का निवासी है। जांच में सामने आया कि ठगी की रकम में से 5 लाख रुपये आरोपी के बैंक खाते में आए थे। आरोप है कि उसने अपना बैंक खाता 1.5 प्रतिशत कमीशन और 8 हजार रुपये के बदले दूसरे व्यक्ति को उपलब्ध कराया था। इस मामले में पुलिस अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। फिलहाल पुलिस पूरे नेटवर्क और ठगी से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

पैसे के लेनदेन में बेसबॉल के डंडे से किया हमला, आरोपी गिरफ्तार

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता सतबीर भारद्वाज

गुरुग्राम। पैसों के लेन-देन को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में गुरुग्राम पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई स्विफ्ट कार और बेसबॉल का डंडा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता 15 नवंबर की रात करीब 9:30 बजे अरविंद सचदेवा के साथ किराये पर दुकान लेने के सिलसिले में सेक्टर-9 हुडा मार्केट गया था। आरोप है कि अरविंद उसे अपनी कार में घुमाता रहा। बाद में कार से बाहर निकलने पर गाली-गलौच करते हुए कार से लकड़ी का बेसबॉल बैट निकालकर उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इस संबंध में 16 नवंबर को थाना सेक्टर-9ए में शिकायत दर्ज कराई गई थी। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए 26 नवंबर को न्यू कॉलोनी में लेडी फातिमा स्कूल के पास से आरोपी अरविंद सचदेवा, निवासी गुरुग्राम को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पैसों के लेन-देन को विवाद का कारण बताया गया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ दो अन्य मामले भी दर्ज हैं, जिनमें एक जुआ अधिनियम और दूसरा घरेलू हिंसा से संबंधित है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर 1.65 करोड़ की ठगी, एक आरोपी गिरफ्तार

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता सतबीर भारद्वाज

गुरुग्राम। खुद को सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर एक व्यक्ति को डिजिटल अरेस्ट करने और मनी लॉन्ड्रिंग व नारकोटिक्स के मामले में फंसाने की धमकी देकर 1 करोड़ 65 लाख रुपये ठगने के मामले में गुरुग्राम पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर साइबर ठगों को कमीशन लेकर बैंक खाता उपलब्ध कराने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित ने 29 मई 2026 को साइबर क्राइम ईस्ट थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया कि 17 फरवरी से 25 मई 2026 के बीच साइबर अपराधियों ने सरकारी एजेंसी का अधिकारी बनकर उसे डराया और अलग-अलग खातों में करीब 1.65 करोड़ रुपये ट्रांसफर करवा लिए। मामले की जांच करते हुए साइबर क्राइम ईस्ट थाना पुलिस ने 25 नवंबर को राजस्थान के चित्तौड़गढ़ निवासी चिराग खोखर को गिरफ्तार किया।

अधिवक्ता परिषद, गुरुग्राम ने मनाया संविधान दिवस

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता सतबीर भारद्वाज

- अधिवक्ताओं केलिए स्वाध्याय मंडल भी किया आयोजित

गुरुग्राम। आज अधिवक्ता परिषद गुरुग्राम इकाई द्वारा नवीन न्यायिक भवन परिसर गुरुग्राम सर छोटू लाल हॉल में संविधान दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ राष्ट्रगीत वंदे मातरम से हुआ इसके बाद युवा दिवंगत अधिवक्ता अरुण मलिक जी के लिए 2 मिनट का मौन रखकर फिर ओम के उच्चारण के साथ उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा उनके परिवार के लिए यथोचित सहयोग का प्रस्ताव अनुमोदित हुआ।

इसके साथ ही स्टडी सर्किल का भी आयोजन किया गया। आज के कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से विभाग कार्यवाह एवं अधिवक्ता परिषद् गुरुग्राम के संगठन पालक श्रीमान ब्रिजेश जी का प्रवास रहा।

स्टडी सर्किल के लिए महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, लॉ कॉलेज सेक्टर 40 से मुख्य वक्ता के तौर पर प्रोफ़ेसर डॉ अनुपम आचार्य रहे जिन्होंने महिला कार्यस्थल उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम पर विस्तार से समझाया।

संविधान दिवस के अवसर पर "संविधान के क्रियान्वयन में



अधिवक्ताओं की भूमिका" विषय पर श्रीमान ब्रिजेश जी ने उपस्थित अधिवक्ताओं को प्रासंगिक उद्बोधन दिया। कार्यकारिणी विस्तार करते हुए वंदना ओबेरॉय, गुंजन भारद्वाज, दीपा धरनी, अक्षय दायमा, इंद्रजीत और प्रदीप को जिला कार्यकारिणी सदस्य के तौर पर घोषणा की गई।

प्रवासी अधिकारी के तौर पर प्रांत अध्यक्ष श्रीमान जगरूप सिंह जी उपस्थित रहे जिन्होंने सबको संविधान दिवस की शुभकामनाएं दी तथा आगामी प्रांत अधिवेशन के बारे में सबसे चर्चा कर उन्हें आमंत्रित किया। कार्यक्रम में काफी संख्या में अधिवक्तागण उपस्थित रहे। कार्यक्रम संचालक मनीष शांडिल्य ने सभी का धन्यवाद किया और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम संपन्न किया गया।

चालानों की राशि से गुड़ग़ांव की सड़कें बनवाकर जनता पर उपकार कर दे पुलिस : पंकज डावर

सरकार, जीएमडीए, नगर निगम, प्रशासन से उठ चुका है जनता का विश्वास

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता सतबीर भारद्वाज



गुरुग्राम। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष (शहरी) पंकज डावर ने गुडग़ांव पुलिस द्वारा पिछले 45 दिनों में ट्रैफिक नियम तोडऩे वाले वाहन चालकों के 6 लाख 83 हजार 495 चालान काटकर 140 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाने पर कहा कि चालान की इस विशाल राशि को पुलिस जनहित में ही खर्च करे। शहर में अनेक स्थानों पर सडक़ें टूटी पड़ी हैं, उन सडक़ों का निर्माण पुलिस कराए। यह गुडग़ांव की जनता पर पुलिस का उपकार और पुण्य का काम होगा।

पंकज डावर ने कहा कि आज गुडग़ांव की जनता का विश्वास सरकार, जीएमडीए, नगर निगम और जिला प्रशासन से पूरी तरह उठ चुका है। जिस शहर को मिलेनियम सिटी, साइबर सिटी, स्मार्ट सिटी जैसे बड़े-बड़े नाम दिए गए, उसकी सडक़ों की हालत देखकर लगता है कि यह शहर नहीं, बल्कि गड्ढों का शहर बन गया है। हर चौक-चौराहे पर, हर सेक्टर की सडक़ पर, हर गांव के रास्ते पर गड्ढे ही गड्ढे हैं। बरसात में ये गड्ढे तालाब बन जाते हैं और सूखे में धूल और मिट्टी से लोगों का जीना दूभर हो जाता है।

उन्होंने कहा कि सरकार हर साल सडक़ों के नाम पर करोड़ों-अरबों रुपये के बजट की घोषणा करती है, टेंडर होते हैं, ठेके दिए जाते हैं, लेकिन सडक़ें बनने के बजाय कागजों में ही बन जाती हैं। जीएमडीए और नगर निगम के अधिकारी सिर्फ फाइलों में सडक़ें बनाते हैं, जमीन पर कुछ नहीं दिखता। जिला प्रशासन भी सिर्फ बैठकों और निरीक्षणों तक सीमित रह गया है। जनता शिकायत कर-कर के थक चुकी है, लेकिन सुनने वाला कोई नहीं है।

डावर ने गुडग़ांव पुलिस से मांग की कि पुलिस जनसहयोगी बनकर आगे आएं और इस चालान की राशि से शहर की टूटी सडक़ों का निर्माण कराए। उन्होंने कहा कि आमतौर पर भी देखा जाता है कि कई जगह पुलिस ही सडक़ों के गड्ढे भरती है, बैरिकेड लगाती है, ट्रैफिक संभालती है। जब पुलिस गड्ढे भर सकती है तो सडक़ें भी बनवा सकती है। पुलिस को इस पुण्य के काम में आगे आना चाहिए। पंकज डावर ने कटाक्ष करते हुए कहा कि जीएमडीए के पास मास्टर प्लान हैं, बड़े-बड़े प्रोजेक्ट हैं, लेकिन जनता को चलने के लिए एक साफ-सुथरी सडक़ नहीं बनाई जा रही। अधिकारी एसी कमरों में बैठकर रिपोर्ट बनाते हैं कि सब ठीक है, जबकि जमीन पर जनता रोज दुर्घटनाओं का शिकार हो रही है। गड्ढों की वजह से रोज लोग गिरते हैं, चोटिल होते हैं, लेकिन किसी को कोई परवाह नहीं।

उन्होंने कहा कि अगर पुलिस 140 करोड़ रुपये से शहर की मुख्य सडक़ों को ही ठीक करवा दे, तो यह गुडग़ांव के इतिहास में सबसे बड़ा जनहित का काम होगा। जनता पुलिस को दुआएं देगी। लोग कहेंगे कि जिस काम को सरकार, निगम और जीएमडीए नहीं कर पाए, वह काम पुलिस ने कर दिखाया। डावर ने कहा कि चालान काटना गलत नहीं है, नियम तोडऩे वालों पर कार्रवाई होनी ही चाहिए। अगर चालान का पैसा जनता की सडक़ों पर ही लगे तो जनता को चालान कटने का दुख नहीं होगा।

नेशनल मीडिया डायलॉग 2026" का पांचवां संस्करण में देशभर के मीडिया विशेषज्ञों ने लिया हिस्सा

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता सतबीर भारद्वाज



गुरुग्राम। गुरुग्राम विश्वविद्यालय के मीडिया स्टडीज विभाग द्वारा आयोजित 'नेशनल मीडिया डायलॉग 2026' का पांचवां संस्करण आज विश्वविद्यालय के सेक्टर-51 परिसर के ऑडिटोरियम में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। 'स्ट्रीट्स टू स्क्रीन्स: लॉस्ट सैंक्टिटी एंड सेंसिटिविटी' विषय पर केंद्रित इस राष्ट्रीय संवाद में देश के प्रमुख मीडिया विशेषज्ञों, वरिष्ठ पत्रकारों और शिक्षाविदों ने एक मंच पर आकर मीडिया की बदलती प्रकृति, संवेदनशीलता के ह्रास और जिम्मेदार पत्रकारिता की आवश्यकता पर गहन चर्चा की। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक और विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. संजय कौशिक ने अपने उद्बोधन में कहा कि मीडिया समाज का दर्पण होने के साथ-साथ उसकी दिशा निर्धारित करने वाला शक्तिशाली माध्यम भी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज जब सूचनाएं सड़कों से निकलकर स्क्रीन तक पहुंच रही हैं, तब मीडिया की पवित्रता और संवेदनशीलता को बचाना और भी आवश्यक हो गया है। उन्होंने विश्वविद्यालय को इस तरह के राष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने पर गर्व व्यक्त किया और कहा कि अकादमिक संस्थानों का दायित्व है कि वे मीडिया उद्योग के साथ मिलकर नैतिक और जिम्मेदार पत्रकारिता को बढ़ावा दें।

मुख्य अतिथि एवं प्रमुख वक्ता सुश्री शीला भट्ट ने अपने अनुभवपूर्ण वक्तव्य में कहा कि आज की डिजिटल पत्रकारिता में गति और पहुंच तो बढ़ गई है, लेकिन संवेदनशीलता और तथ्यात्मकता का स्तर गिरता जा रहा है। उन्होंने पत्रकारिता में अपने लंबे अनुभव का उल्लेख करते हुए बताया कि कैसे एक समय की गंभीर रिपोर्टिंग अब अक्सर सनसनी और क्लिकबैट का शिकार हो रही है। उन्होंने युवा पत्रकारों से अपील की कि वे अपनी कलम की गरिमा बनाए रखें और समाज की वास्तविक आवाज बनें।

टेप लगाकर बदला बाइक का नंबर, चार महीने तक दूसरे के घर पहुंचते रहे चालान, केस दर्ज

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता सतबीर भारद्वाज

गुरुग्राम। हेलमेट न पहनने पर चालान से बचने के लिए एक युवक ने ऐसा तरीका अपनाया कि उसकी गलती की सजा किसी दूसरे को भुगतनी पड़ी। अपनी स्प्लेंडर बाइक की नंबर प्लेट पर काले टेप से 6 को 8 बना दिया। कैमरे में बदला हुआ नंबर दूसरी बाइक के नंबर से मेल खा गया और फिर चार महीने तक बिना हेलमेट के चालान प्लैटिना बाइक के मालिक के घर पहुंचते रहे। जब 16 चालान और 16 हजार रुपए का जुर्माना हुआ तो मामले की परतें खुलीं। दरअसल, सेक्टर-33 निवासी दीपक साहू के पास प्लैटिना बाइक है। जुलाई में उनके पास पहला ऑनलाइन चालान आया। दीपक ने ट्रैफिक पुलिस से शिकायत भी की, लेकिन इसके बावजूद चालान कटते रहे।

अपना शहर

पांच दिवसीय पर्व गया,धुआं धूल सब शहर है
शुद्ध आबोहवा का काम नहीं,हर जगह जहर है

AQI चार सौ पार,दम घुटता आती सांस नहीं
पॉल्यूशन रोज बढ़ रहा,सत्ता से कोई आस नहीं
शादियों का सीजन है यहां,शोर आता रास नहीं
आम आदमी कि सुन वाला,नेता कोई ख़ास नहीं
संसाधन सबके पास नहीं,न्यू मचा हुआ कहर है

मेहनत की बाती से,दीपक ज्ञान का जलता है
छोटी,बड़ी दिवाली को,पर्व का रंग झलकता है
भाई दूज आ रिश्तों में,नया भाव सा उमड़ता है
देव दिवाली हरि मिलन,भोले से भार उतरता है
प्रकाशपर्व गुरुजन्म,सुपर मून रहता चार पहर है

गांव से शहर आए,सभी अपना फर्ज निभाने को
खुशहाली कैसे हो,न मिलता शुद्ध पानी पीने को
साफ सिटी कि हवा नहीं,मुश्किल हुआ जीने को
पैसों वाले मौज मारते,तकलीफ हो बोदे हीने को
सबसे महंगे दारू के ठेके,नशे की बहती नहर है

गुरुग्राम सिटी कसूता है,इसका कोई तोड़ नहीं
धारुहेड़ा से दिल्ली तक,दिखता कोई ओड़ नहीं
गढ़ी से घाटा ले तक,सफर में एकसार रोड़ नहीं
नया पुराना शहर न्यारा,मिलता कोई जोड़ नहीं
रहनी अमर खोड़ नहीं,महादेव नाम की लहर है

स्वरचित
सुरेश कुमार सुलोदिया
गांव सोहाँसड़ा लोहारू
जिला भिवानी (हरियाणा)
९९११८७५६८८



बुजुर्ग महिला की बड़ी जीत: हरियाणा सरकार ने यूकॉन प्लैटिनम हाइट्स के लाइसेंस पर लगाई रोक, हरेरा पर पक्षपात का आरोप

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता सतबीर भारद्वाज

पटौदी / चंडीगढ़। पटौदी की 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला सुशीला देवी की लंबी लड़ाई आखिरकार रंग लाई है। हरियाणा सरकार के नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग के अपर मुख्य सचिव ने *17 नवंबर 2026* को बड़ा आदेश जारी करते हुए विवादित भूमि पर दिए गए लाइसेंस को *अबेयांस (रोक)* में रख दिया है। अब जब तक सिविल कोर्ट का फैसला नहीं आता, तब तक इस जमीन पर कोई नया निर्माण अनुमोदन नहीं होगा और न ही कोई तीसरा पक्ष अधिकार बनाया जा सकेगा।

क्या है पूरा मामला? पटौदी, सेक्टर-3 की लगभग *13.275 एकड़ भूमि* पर *यूकॉन इन्फ्रा* और उसके सहयोगियों द्वारा *"यूकॉन प्लैटिनम हाइट्स"* नाम की आवासीय परियोजना विकसित की जा रही है। सुशीला देवी का कहना है कि इस भूमि पर उनका वैध दावा और हित निहित है। इसी को लेकर उन्होंने पटौदी के सिविल कोर्ट में दीवानी वाद भी दायर कर रखा है।

हरेरा पर लगा पक्षपात का आरोप: सुशीला देवी ने आरोप लगाया था कि उन्होंने हरेरा के समक्ष विधिवत आपत्ति दर्ज कराई थी, लेकिन उनकी आपत्ति के बाद भी उनका पक्ष नहीं सुना गया।

उनके अनुसार वह तीन बार सुनवाई में खुद मौजूद रहीं:

25 मई 2026 - सुनवाई स्थगित कर 08/06/2026 कर दी गई

08 जून 2026 - फिर स्थगित कर 09/06/2026 कर दी गई

09 जून 2026 - फिर मौजूद रहीं, पर अपनी आपत्तियों का पक्ष रखने का कोई अवसर नहीं दिया गया

उनके बेटे अमित कुमार का कहना है कि 75 साल की उम्र में हर तिथि पर हाजिर रहने के बाद भी सुनवाई का अवसर न देना अत्यंत खेदजनक है। हरेरा अध्यक्ष से मिलने का प्रयास किया तो उनके पीए ने मिलने की अनुमति तक नहीं दी।

इसी को लेकर अखबारों में *"अंधेरगर्दी: आपत्ति के बाद भी बिल्डर को दे दिया लाइसेंस"* शीर्षक से खबर भी प्रकाशित हुई थी।

सरकार के दरबार में मिली जीत: हरेरा में सुनवाई न मिलने के बाद सुशीला देवी ने हरियाणा विकास एवं शहरी क्षेत्र विनियमन अधिनियम, 1975 की धारा-19 के तहत *अपील नंबर 42 ऑफ 2026* दायर की। यह अपील *सुशीला बनाम डीजीटीसीपी* के नाम से चली। इस अपील पर *17 नवंबर 2026* को अपर मुख्य सचिव, नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग, *अनुराग अग्रवाल, आईएएस* की अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई में सुशीला देवी की ओर से सीनियर एडवोकेट आशीष चोपड़ा और एडवोकेट मुकुल गुप्ता, विभाग की ओर से डीडीए (मुख्यालय) प्रवीण कुमार और डीटीपी (मुख्यालय) सतीश कुमार तथा रेस्पोंडेंट नंबर 6 यूकॉन इन्फ्रा की ओर से अमित कुमार यादव मौजूद रहे।

हरियाणा में 2026 के समापन के साथ नशा का भी होगा खात्मा, नशा तस्करों के नेटवर्क पर होगी कड़ी कार्रवाई : ओमप्रकाश नरवाल आईजी

एक व्यक्ति के नशा करने से होता है पूरा घर और परिवार बर्बाद : एसपी डॉ अर्पित जैन

ओपन सर्च/आस मोहम्मद

नूंह। नूंह जिले के रोजका मेव थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव रेवासन गांव में शुक्रवार को नूंह पुलिस की ओर से नशा मुक्ति मेवात जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दक्षिण मंडल रेवाड़ी के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) ओमप्रकाश नरवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने नशे के खिलाफ जन जागरूकता फैलाने के साथ-साथ अपराध पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस और आमजन के आपसी सहयोग को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि मेवात क्षेत्र में गौ तस्करी, नशा तस्करी और साइबर अपराध तीन प्रमुख चुनौतियां हैं, जिन पर पुलिस जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नूंह पुलिस अधीक्षक डॉ. अर्पित जैन के नेतृत्व में पुलिस की टीमें इन अपराधों पर रोक लगाने के







लिए लगातार कार्रवाई कर रही हैं।

मीडिया से बातचीत करते हुए आईजी ओमप्रकाश नरवाल ने कहा कि हरियाणा सहित पूरे देश और केंद्रीय गृह मंत्रालय का संकल्प है कि वर्ष 2027 तक देश को नशामुक्त बनाया जाए। इसी लक्ष्य को लेकर पुलिस विभाग ने अभियान शुरू कर दिया है । उन्होंने बताया कि दक्षिण मंडल रेवाड़ी में नवंबर 2026 के अंत से इस दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। वर्ष 2026 में एक और जागरूकता सेमिनार आयोजित कर जिला पुलिस की टीमों के साथ-साथ आमजन को भी इस अभियान से जोड़ा जाएगा, ताकि वर्ष 2027 में जनसहयोग और जनसमर्थन के माध्यम से नशे के खिलाफ मुहिम को प्रभावी बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या से निपटने के लिए पुलिस तीन स्तरों पर काम करेगी। पहला, नशे की सप्लाई करने वाले तस्करों और उनके नेटवर्क पर कार्रवाई कर सप्लाई चेन को तोड़ा जाएगा। दूसरा नशे की लत का शिकार हो चुके युवाओं की पहचान कर उनका उपचार और पुनर्वास कराया जाएगा, ताकि वे दोबारा समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें। तीसरा, नशे के कारोबार से जुड़े मुख्य आरोपियों और उनके आर्थिक नेटवर्क पर शिकंजा कसा जाएगा। आईजी ने कहा कि पुलिस का पहला लक्ष्य नशा तस्करों की कमर तोड़कर नशे की सप्लाई रोकना है।

आईजी ने बताया कि हाल ही में नूंह पुलिस द्वारा बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों की खेप पकड़ी गई है । इसकी रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है। इसमें नशे की सप्लाई से जुड़े लोगों की पहचान करने के साथ उनकी संपत्तियों का भी पता लगाया जा रहा है, ताकि नियमानुसार उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि नशे के कारोबार में शामिल लोगों के प्रति किसी प्रकार की नरमी नहीं बरती जाएगी।

नशा करने से बर्बाद होता है पूरा घर और परिवार। एसपी डॉ अर्पित जैन

नूंह जिले के एसपी डॉ अर्पित जैन ने कहा कि नशा करने से व्यक्ति का पूरा घर और परिवार बर्बाद हो जाता है। नशा करने से व्यक्ति को कुछ पल के लिए बेशक सुकून मिल सकता है, लेकिन उस व्यक्ति और उसके परिवार की जिंदगी हमेशा के लिए नर्क बन जाती है। इसलिए अगर कोई नशा तस्करी या फिर नशा करता है तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। एसपी डॉ अर्पित जैन ने कहा कि पुलिस अपने तरीके से कानून के दायरे में रहकर कार्रवाई करती है। समाज के लोगों को भी चाहिए कि वे समय रहते पुलिस को सूचना दें और कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। उन्होंने दोहराया कि नूंह पुलिस ने क्षेत्र में नशा तस्करी, गौ तस्करी और साइबर अपराध के खिलाफ विशेष अभियान चलाए हुए हैं। इन अपराधों में शामिल लोगों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अपराध से जुड़े लोगों के लिए समाज में कोई स्थान नहीं होना चाहिए और पुलिस किसी भी अपराधी को लेकर नरमी नहीं बरतेगी। कार्यक्रम में जिला प्रमुख जान मोहम्मद,उप-पुलिस अधीक्षक हरिंदर कौर, अक्षय नरवाल उप-पुलिस अधीक्षक फिरोजपुर झिरका, अभिषेक प्रशिक्षु उप-पुलिस अधीक्षक, इंस्पेक्टर सुभाष, इंस्पेक्टर नरेश, इंस्पेक्टर चंद्रभान, इंस्पेक्टर भगतसिंह, इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह, पिनगवां थाना प्रभारी निखिल शर्मा, साजिद सरपंच रेवासन, जिला पार्षद तारिफ खुर्शीद, जिला पार्षद मुमताज अली तथा क्षेत्र के अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। कार्यक्रम के माध्यम से आमजन को नशे से दूर रहने, युवाओं को जागरूक करने और अपराध मुक्त समाज के निर्माण में पुलिस का सहयोग करने का संदेश दिया गया।

महिला आयोग का उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित वातावरण, सम्मान व न्याय दिलाना : वैशाली तोमर

महिलाओं की शिकायतों पर तत्परता से की जा रही कार्रवाई, गंभीर मामलों में नियमानुसार हो रहा समाधान

ओपन सर्च/आस मोहम्मद

नूंह। हरियाणा महिला आयोग की सदस्य वैशाली तोमर ने कहा कि महिला आयोग का मुख्य उद्देश्य प्रदेश की महिलाओं और बेटियों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करवाना, उनके सम्मान की रक्षा करना तथा उन्हें न्याय दिलाना है। आयोग द्वारा महिलाओं की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर उनका निपटारा किया जा रहा है। पारिवारिक विवाद, घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न और अन्य समस्याओं से संबंधित शिकायतों पर तत्परता से कार्रवाई की जाती है। सामान्य विवादों को आपसी बातचीत और काउंसलिंग के माध्यम से सुलझाने का प्रयास किया जाता है, जबकि गंभीर मामलों में नियमानुसार आवश्यक कानूनी



कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है। वैशाली तोमर ने शुक्रवार को जिला नूंह के एक राजकीय विद्यालय, शहीद हसन खान मेवाती राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नल्हड़ तथा महिला पुलिस थाना नूंह का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा से संबंधित मामलों की जानकारी ली तथा संबंधित संस्थानों में उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इसके बाद उन्होंने लघु सचिवालय में पत्रकार वार्ता कर अपने दौरे की जानकारी साझा की।

पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने बताया कि हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी के नेतृत्व में महिलाओं की लंबित शिकायतों के निपटारे पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। महिलाएं अपनी शिकायत महिला हेल्पलाइन नंबर 181 पर दर्ज करवा सकती हैं। इसके अलावा ई-मेल के माध्यम से भी आयोग को शिकायत भेजी जा सकती है। आयोग यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत है कि किसी भी महिला को न्याय प्राप्त करने में परेशानी न हो तथा प्रत्येक महिला को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के समान अवसर मिलें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और जागरूकता पर निरंतर फोकस किया जा रहा है। इसके लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सोच और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाना होगा। यदि किसी महिला को कानूनी सहायता की आवश्यकता है या वह किसी कारणवश अपनी शिकायत दर्ज करवाने में असमर्थ है, तो महिला आयोग उसकी सहायता के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने बताया कि राजकीय विद्यालय के निरीक्षण के दौरान छात्राओं से उनकी सुरक्षा और शिक्षा के संबंध में बातचीत की गई। साथ ही शिक्षकों द्वारा छात्राओं के प्रति अपनाए जाने वाले व्यवहार के बारे में भी गोपनीय तरीके से जानकारी ली गई। विद्यालय में छात्राओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं, स्वच्छता, सुरक्षा व्यवस्था, शिक्षकों के व्यवहार और शैक्षणिक वातावरण का जायजा लिया गया। यह भी देखा गया कि छात्राओं को पढ़ाई के साथ उचित मार्गदर्शन और सहयोग मिल रहा है या नहीं। जहां व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलीं, वहां संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की गई, जबकि जहां कमियां पाई गईं, उन्हें दूर करने के निर्देश दिए गए।

उजीना में ग्रामीणों को मिलेगी निःशुल्क कानूनी सहायता, डीएलएसए ने स्थापित किया लीगल केयर एंड सपोर्ट सेंटर

सीजेएम नेहा गुप्ता ने किया केंद्र का उद्घाटन, प्रत्येक बुधवार और रविवार को उपलब्ध होगा कानूनी मार्गदर्शन

ओपन सर्च/आस मोहम्मद

नूंह। ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने तथा जरूरतमंद लोगों को सुलभ न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), नूंह की ओर से गांव उजीना में लीगल केयर एंड सपोर्ट सेंटर स्थापित किया गया है। शुक्रवार को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नेहा गुप्ता ने इस केंद्र का उद्घाटन किया। इस केंद्र के शुरू होने से उजीना सहित आसपास के गांवों के लोगों को अपने क्षेत्र में ही कानूनी जानकारी, परामर्श और विधिक सहायता के संबंध में मार्गदर्शन मिल सकेगा।

इस अवसर पर सीजेएम नेहा गुप्ता ने कहा कि जिला विधिक सेवा



प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना है। विशेष रूप से गरीब, वंचित और जरूरतमंद लोगों को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी देना तथा उन्हें आवश्यक विधिक सहायता उपलब्ध करवाना प्राधिकरण की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि कई बार जानकारी के अभाव में ग्रामीण अपने अधिकारों और सरकार की ओर से उपलब्ध कराई जा रही कानूनी सहायता का लाभ नहीं उठा पाते। ऐसे में गांव स्तर पर स्थापित यह केंद्र ग्रामीणों के लिए काफी उपयोगी साबित होगा।

उन्होंने बताया कि इस केंद्र पर प्रत्येक बुधवार और रविवार को ग्रामीणों को कानूनी जानकारी एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। लोग यहां पहुंचकर अपनी कानूनी समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

हत्या के प्रयास मामलें में चार दोषियों को 10-10 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा, प्रत्येक पर 25-25 हजार रुपये जुर्माना

ओपन सर्च/आस मोहम्मद

नूंह। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश संदीप चौहान की अदालत ने हत्या के प्रयास के करीब 11 साल पुराने मामले में चार दोषियों को 10-10 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषियों नसीम, समीम, इरफान और हनीफ को भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत दोषी ठहराते हुए प्रत्येक को 10 वर्ष के सश्रम कारावास और 25-25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है, जुर्माना न भरने पर प्रत्येक को 10 माह का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार दोषियों ने पुरानी रंजिश के चलते फकरुद्दीन और देनू पर पूर्व नियोजित तरीके से हमला किया था । इरफान के भाई की हत्या को लेकर पुरानी रंजिश थी और दोषियों



ने अवैध रूप से हासिल किए गए हथियारों से शिकायतकर्ता और उसके बेटे पर हमला किया, फकरुद्दीन पर फायरिंग के बाद वे अपना काम पूरा समझ चुके थे, लेकिन किसी तरह फकरुद्दीन बच गया। जिस पर नूंह पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर साक्ष्य जुटाकर आरोपियों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। नूंह पुलिस की दमदार व उत्कृष्ट पैरवी के कारण ट्रायल के दौरान अदालत ने कहा कि यह हमला पूर्व नियोजित प्रतीत होता है और यदि दोषी अपने कृत्य में सफल हो जाते तो फकरुद्दीन की जान जा सकती थी। इसी आधार पर अदालत ने उपरोक्त सजा सुनाई है। इस मामलें में एक आरोपी आसाम को 17 सितंबर के आदेश से भगोड़ा घोषित किया जा चुका है।

मॉक ड्रिल के माध्यम से सरकारी कार्यालयों में आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखा गया : एसडीएम कुंवर आदित्य विक्रम सिंह

रेडक्रॉस सोसायटी की टीम ने 10 लोगों को रेस्क्यू कर राहत एवं बचाव कार्यों का किया प्रदर्शन

ओपन सर्च/आस मोहम्मद

नूंह। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से सरकारी कार्यालयों में प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं से निपटने की तैयारियों को परखने तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आपातकालीन परिस्थितियों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से शुक्रवार को लघु सचिवालय नूंह में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आपदा के समय अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों, बचाव कार्यों तथा सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने की प्रक्रिया के बारे में व्यावहारिक जानकारी दी गई। एसडीएम नूंह कुंवर आदित्य विक्रम



सिंह ने बताया कि इस मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य सभी सरकारी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए तैयार करना है। इसके माध्यम से सरकारी कार्यालयों में उपलब्ध संसाधनों, सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा राहत एवं बचाव कार्यों की क्षमता का आकलन किया जाता है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल प्रभाव से कार्रवाई की जा सके।

उन्होंने बताया कि मॉक ड्रिल के दौरान होमगार्ड, पुलिस विभाग, जिला रेडक्रॉस सोसायटी, स्वास्थ्य विभाग एवं सीएमओ कार्यालय की टीम सहित विभिन्न विभागों ने आपसी समन्वय के साथ भाग लिया। रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, मिनी सचिवालय भवन से कुल 10 लोगों को रेस्क्यू किया गया। इनमें चार लोगों को बेहोशी की स्थिति में तथा दो लोगों को फ्रैक्चर की चोटों के साथ दर्शाया गया। घायलों को सीपीआर एवं प्राथमिक उपचार देने के बाद नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा नल्हड़ स्थित शहीद हसन खान मेवाती राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय में भर्ती कराने की प्रक्रिया का अभ्यास किया गया। इस दौरान किसी भी प्रकार की जीवन के लिए गंभीर चोट की सूचना नहीं रही। एसडीएम ने बताया कि मॉक ड्रिल के दौरान मिनी सचिवालय में उपलब्ध अग्निशमन एवं सुरक्षा संसाधनों की कार्यक्षमता का भी प्रदर्शन किया गया। फायर स्टेशन की दो दमकल गाड़ियों के माध्यम से पानी की उपलब्धता और पंप की पहुंच का प्रदर्शन किया गया।

कचरा जलाने और आग की घटनाओं पर रहेगी निगम की नजर, वार्ड कमेटियों को दिए निगरानी के निर्देश

ओपन सर्च/नरेश शर्मा

मानेसर। शहर में वायु प्रदूषण की रोकथाम और पर्यावरण संरक्षण को लेकर नगर निगम मानेसर ने खुले में कचरा जलाने और आगजनी की घटनाओं पर निगरानी बढ़ाने के निर्देश जारी किए हैं। सभी वार्ड कमेटियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने और ऐसी किसी भी घटना की सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने को कहा गया है।

संयुक्त आयुक्त पुनीत कुमार की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार, खाली प्लॉट, सार्वजनिक स्थानों, सड़कों, ग्रीन बेल्ट और अन्य खुले क्षेत्रों में कचरा जलाने या आग लगाने की घटनाओं पर विशेष नजर रखी जाएगी। यदि किसी वार्ड में ऐसी कोई घटना सामने आती है तो वार्ड कमेटी को बिना देरी किए संबंधित असिस्टेंट सेनेटरी इंस्पेक्टर और सेनेटरी

- **वायु प्रदूषण और आगजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए वार्ड कमेटियों की जिम्मेदारी तय की गई**

इंस्पेक्टर को इसकी जानकारी देनी होगी। इसके अलावा, वार्ड कमेटियों को तीन तरह की जानकारी जुटाकर साझा करनी होगी। इसमें उन स्थानों की जानकारी शामिल होगी, जहां वर्तमान में आग लगी हुई है, ऐसे संवेदनशील स्थान जहां भविष्य में आग लगने की आशंका है और वे जगहें जहां पहले भी आग लगने की घटनाएं हो चुकी हैं। संबंधित एएसआई और एसआई को शिकायत मिलने के तुरंत बाद मौके का निरीक्षण करना होगा और नियमानुसार आवश्यक बचाव एवं सुधारात्मक कार्रवाई करनी होगी।

मानेसर में निगम की कार्रवाई, सेक्टर-82 में 120 अवैध झुग्गियां ध्वस्त

शिकायत मिलने पर निजी जमीन पर बनी झुग्गियों को हटाया, पुलिस बल की मौजूदगी में चला अभियान

ओपन सर्च/नरेश शर्मा

मानेसर। नगर निगम मानेसर ने अवैध गतिविधियों और अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। इसी कड़ी में निगम की टीम ने शुक्रवार को सेक्टर-82 में बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 120 अवैध झुग्गियों को ध्वस्त कर दिया। ये सभी झुग्गियां निजी जमीन पर अवैध रूप से बनाई गई थीं। इस संबंध में शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई की योजना तैयार की गई और शुक्रवार को पुलिस बल की मौजूदगी में अभियान चलाकर झुग्गियों को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध रूप से बनाई गई झुग्गियों को हटाया। अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए स्थानीय पुलिस का सहयोग लिया गया। नगर निगम के संयुक्त आयुक्त पुनीत कुमार ने कहा कि निगम क्षेत्र

में किसी भी प्रकार के अवैध निर्माण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जहां भी अवैध निर्माण या अतिक्रमण की शिकायत मिलेगी, वहां नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उसे ध्वस्त किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मानेसर निगम क्षेत्र में अवैध निर्माण करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। इसके लिए आने वाले दिनों में भी अभियान चलाकर अवैध निर्माण हटाए जाएंगे।

शुक्रवार को चलाए गए अभियान में निगम के एसडीओ शशिकांत और विकास शर्मा, जेई देवेंद्र और मनदीप तथा टेक्निकल सुपरवाइजर धीरज की टीम शामिल रही। निगम अधिकारियों ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया। निगम की ओर से स्पष्ट किया गया है कि अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

29 नवंबर को लखनऊ में होगा ऑल इंडिया मेव महासभा का सम्मेलन

ओपन सर्च/आस मोहम्मद

नूंह। आगामी 29 नवंबर को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में ऑल इंडिया मेव महासभा का राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन होगा, जिसमें मुख्य अतिथि शहीद राजा हसन खाँ मेवाती स्मारक समिति के अध्यक्ष व ऑल इंडिया मेवाती पंचायत के अध्यक्ष चौधरी ज़ाकिर हुसैन पूर्व विधायक होंगे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में हथीन से विधायक मोहम्मद इसराइल शिरकत करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ऑल इंडिया मेव महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अब्दुल रशीद मेव व उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष मोहम्मद सलीम खां मेव करेंगे।

कार्यक्रम 29 नवंबर को सुबह 11 बजे, लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी कन्वेंशन सेंटर में होगा।

कार्यक्रम की तैयारियाँ जोरों से चल रही हैं। ऑल इंडिया मेव



महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अब्दुल रशीद मेव ने बताया कि इस राष्ट्रीय सम्मेलन में जानी मानी हस्तियां, सामाजिक, राजनैतिक व बुद्धिजीवी लोगों के अलावा हजारों की संख्या में लोग शामिल होंगे। यह सम्मेलन बहुत शानदार होगा क्यूंकि इसमें पूरे देश से मेव समाज के मौजिज लोग शामिल होंगे ।

सम्पादकीय



संसद का विस्तार, राज्यों के अधिकारों का सम्मान

भारत का लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इसकी विशालता, विविधता और संघीय संरचना इसे अन्य लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं से अलग पहचान देती है। देश की बढ़ती जनसंख्या, सामाजिक विविधता और शासन की बदलती आवश्यकताओं के बीच संसद की कार्यक्षमता को अधिक प्रभावी बनाना समय की मांग है। इसी संदर्भ में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा परिसीमन के सूत्र में संशोधन, लोकसभा की सदस्य संख्या में लगभग 50 प्रतिशत विस्तार का प्रस्ताव तथा वर्ष 2051 तक राज्यों की संसद में हिस्सेदारी सुरक्षित रखने की पहल एक महत्वपूर्ण राजनीतिक और संवैधानिक विषय बनकर सामने आई है।

लोकसभा देश की जनता की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करने वाली सर्वोच्च निर्वाचित संस्था है। वर्तमान में लोकसभा में 543 निर्वाचित सदस्य हैं। यदि इसकी सदस्य संख्या में 50 प्रतिशत वृद्धि का प्रस्ताव लागू होता है, तो संसद में लगभग 800 से अधिक निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए स्थान तैयार हो सकता है। इससे प्रत्येक सांसद के ऊपर बढ़ते जनसंख्या दबाव को कम करने और नागरिकों की समस्याओं को संसद तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का अवसर मिल सकता है। लेकिन इस प्रस्ताव का महत्व केवल सीटों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं है। इसका वास्तविक उद्देश्य देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रतिनिधित्व, समानता और संघीय संतुलन को बनाए रखना होना चाहिए।

परिसीमन का मूल सिद्धांत जनसंख्या के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण है। समय के साथ जनसंख्या में वृद्धि और उसके भौगोलिक वितरण में बदलाव के कारण निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं में परिवर्तन आवश्यक हो जाता है। इससे मतदाताओं की संख्या और सांसदों के प्रतिनिधित्व के बीच संतुलन स्थापित किया जा सकता है। हालांकि, भारत जैसे संघीय देश में परिसीमन केवल जनसंख्या का गणित नहीं है, बल्कि यह राज्यों के राजनीतिक अधिकारों, विकास की दिशा और राष्ट्रीय एकता से भी जुड़ा हुआ प्रश्न है।

विशेष रूप से दक्षिण भारत के राज्यों में परिसीमन को लेकर चिंता रही है। तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्यों ने परिवार नियोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनसंख्या नियंत्रण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। इन राज्यों ने जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए लंबे समय तक प्रयास किए हैं। यदि परिसीमन में केवल जनसंख्या को आधार बनाकर सीटों का पुनर्वितरण किया जाता है, तो अपेक्षाकृत कम जनसंख्या वृद्धि वाले राज्यों की संसद में हिस्सेदारी घटने की आशंका उत्पन्न हो सकती है। दूसरी ओर, उत्तर भारत के अधिक जनसंख्या वाले राज्यों में सीटों की संख्या बढ़ सकती है।

सोशल मीडिया कंपनियों की जवाबदेही तय करने का समय

कांतिलाल मांडोत

सोशल मीडिया आज सूचना, संवाद और जनजागरण का एक प्रभावशाली माध्यम बन चुका है। दुनिया के किसी भी कोने में घटने वाली घटना कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाती है। डिजिटल माध्यमों ने समाचारों के प्रसार को गति दी है, लेकिन इसी तेजी के साथ फेक न्यूज, भ्रामक सूचनाओं, नफरत फैलाने वाले संदेशों और बिना तथ्य जांचे प्रसारित सामग्री की चुनौती भी गंभीर होती जा रही है। ऐसे में सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारी केवल तकनीकी सुविधा उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रह सकती। समाज और नागरिकों की सुरक्षा के प्रति उनकी जवाबदेही तय करना समय की आवश्यकता है। ऑस्ट्रेलिया सरकार ने इसी दिशा में डिजिटल ड्यूटी ऑफ केयर नामक कानून के माध्यम से सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म की जिम्मेदारी बढ़ाने की पहल की है। इस कानून के तहत कंपनियों को हानिकारक सामग्री की पहचान कर उसे रोकने और हटाने के लिए सक्रिय भूमिका निभानी होगी। अब केवल किसी उपयोगकर्ता की शिकायत आने के बाद कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि प्लेटफॉर्म को अपने स्तर पर भी संभावित जोखिमों की निगरानी करनी होगी। महिलाओं के खिलाफ नफरत फैलाने वाली सामग्री, हिंसा को बढ़ावा देने वाले संदेश, बच्चों के लिए नुकसानदेह सामग्री और मानसिक तथा सामाजिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कंटेंट पर नियंत्रण रखने की जिम्मेदारी कंपनियों पर होगी।

इस व्यवस्था में डिजिटल प्लेटफॉर्म के डिजाइन और एल्गोरिदम से पैदा होने वाले जोखिमों को कम करने पर भी जोर दिया गया है। सोशल मीडिया कंपनियां अपने एल्गोरिदम के माध्यम से उपयोगकर्ताओं को उनकी रुचि के अनुसार सामग्री दिखाती हैं। कई बार यही व्यवस्था किसी व्यक्ति को लगातार उत्तेजक, भ्रामक या नकारात्मक सामग्री देखने के लिए प्रेरित करती है। उपयोगकर्ताओं को यह अधिकार देने की पहल भी महत्वपूर्ण है कि वे एल्गोरिदम आधारित सुझावों को स्वीकार करना चाहते हैं या नहीं। इससे डिजिटल मंचों पर नागरिकों की स्वतंत्रता और सुरक्षा के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास होगा।

ऑस्ट्रेलिया में प्रस्तावित व्यवस्था के तहत नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों पर भारी जुर्माना लगाया जा सकता है। कानून के दायरे में सोशल मीडिया, गेमिंग प्लेटफॉर्म, एप और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित संवाद सेवाएं भी आ सकती हैं। छोटे और कम जोखिम वाले कारोबारों को कुछ छूट देने की संभावना के साथ बड़ी कंपनियों की जवाबदेही तय करने का प्रयास किया जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया पहले ही बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर कठोर कदम उठा चुका है। इससे स्पष्ट है कि डिजिटल दुनिया में बच्चों और नागरिकों की सुरक्षा को सरकारें गंभीरता से लेने लगी हैं।

ब्रिटेन और यूरोपीय संघ में भी डिजिटल प्लेटफॉर्म की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए नियम बनाए गए हैं। उल्लंघन करने वाली कंपनियों पर उनके वैश्विक कारोबार के आधार पर भारी जुर्माना लगाने का प्रावधान है। भारत में भी सूचना प्रौद्योगिकी नियमों के तहत सोशल मीडिया कंपनियों को शिकायतों का निपटारा करने, आपत्तिजनक सामग्री पर कार्रवाई करने और निर्धारित दायित्वों का पालन करने की जिम्मेदारी दी गई है।

जिम्मेदारी पूरी करना

व्यक्ति अगर अपनी जिम्मेदारियां को समझता है तब वह उसे पूरा करने की भी सोचता है अगर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारियां को पूरा नहीं करता इसका मतलब यह कतई नहीं है कि वह व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी को समझता नहीं है। अक्सर होता यह है कि व्यक्ति अपनी जिम्मेदारियां को पूरा तो करना चाहता है, पर उसके पास पर्याप्त साधन नहीं होते हैं, इससे वह व्यक्ति और लोगों के मन में खटकने लगता है।



करिश्मा गुज्जर (खारी)

संविधान दिवस पर संविधान, बाकी दिन राजनीति

सचिन कुमार गौतम

26 नवंबर को भारत संविधान दिवस मनाता है, जबकि 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस। दोनों दिन अलग-अलग ऐतिहासिक उपलब्धियों की स्मृति में मनाए जाते हैं: 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने संविधान अंगीकार किया था, और 26 जनवरी 1950 को वह लागू हुआ था। संविधान दिवस की शुरुआत 2015 में हुई, जब बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 125वीं जयंती थी।

देश में एक नहीं, बल्कि हर दिन संविधान दिवस जैसा होना चाहिए। यह इसलिए कि भारत का लोकतंत्र, नागरिक अधिकार, न्यायिक व्यवस्था और संघीय ढांचा संविधान की रक्षा में ही टिका हुआ है। संविधान केवल कानूनी दस्तावेज नहीं है; यह उस राजनीतिक समझौते का प्रतीक है जिसने विविधता भरे देश को एक साझा नागरिक अस्मिता दी।

बाबासाहेब आंबेडकर समेत संविधान सभा के सदस्यों ने देश की धार्मिक, भाषायी, जातीय, सांस्कृतिक और क्षेत्रीय विविधता को ध्यान में रखकर संविधान का मसौदा तैयार किया। उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि नए स्वतंत्र भारत के हर नागरिक को बराबरी, स्वतंत्रता और सम्मान की गारंटी दी जाए। संविधान ने इसी विचार को मूल अधिकारों, समानता के अधिकार और संवैधानिक संरक्षण के रूप में स्थापित किया।

आर्थिक असमानता उस समय भी थी और आज कई मायनों में और गहरी हो चुकी है। लेकिन संविधान की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि नागरिक अधिकार आर्थिक स्थिति से तय नहीं होते। गरीब हो या धनी, किसी भी नागरिक को कानून के समक्ष समान अधिकार और संरक्षण प्राप्त है। यही संविधान निर्माताओं की सबसे बड़ी देन है। इसलिए उन्हें याद करने, सम्मान देने और संवैधानिक मूल्यों को जीने के लिए हर दिन संविधान दिवस मनाने में कोई हर्ज नहीं। संविधान दिवस की घोषणा 2015 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने की थी। तब बाबासाहेब आंबेडकर की 125वीं जयंती थी, इसलिए यह निर्णय प्रतीकात्मक रूप से भी महत्वपूर्ण माना गया। सरकार का तर्क था कि इस दिवस से नागरिकों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और डॉ. आंबेडकर तथा संविधान सभा के सदस्यों के योगदान को सम्मान मिलेगा।

26 नवंबर पहले राष्ट्रीय कानून दिवस के रूप में मनाया जाता था। कानून का पालन भी संविधान के प्रति सम्मान का ही एक रूप है, क्योंकि कानून की वैधता अंततः संविधान से लेती है। इसलिए नाम बदलने से मूल भावना बदलनी नहीं चाहिए थी—कि संविधान केवल उत्सव का विषय नहीं, बल्कि शासन और नागरिक व्यवहार का मापदंड है।

भाजपा के लिए यह मुद्दा नागरिक अधिकारों और संविधान की रक्षा से अधिक राजनीतिक भी रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके समर्थक वर्गों ने कई अवसरों पर संविधान की धारणाओं, विशेषकर धर्मनिरपेक्षता और कुछ संवैधानिक प्रावधानों पर सवाल उठाए हैं। ऐसे माहौल में सत्ता में आने के बाद भाजपा के लिए यह जरूरी था कि वह कम से कम प्रतीकात्मक स्तर पर संविधान के प्रति सम्मान दिखाए। 2015 में आंबेडकर जयंती का अवसर इसके लिए उपयुक्त लगा होगा। बहरहाल, यदि आंबेडकर का नाम लेना 'फैशन' बन गया है, तो यह बुरा नहीं है। कम से कम इससे संविधान, उसके निर्माताओं और सामाजिक न्याय के विचार को याद रखने की प्रक्रिया जारी रहती है। अमित शाह के उस बयान का जिक्र भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है, जिसमें उन्होंने कहा था कि आंबेडकर-आंबेडकर कहना फैशन बन गया है। यदि यह फैशन संविधान के प्रति जागरूकता लाए, तो उसका स्वागत होना चाहिए। लेकिन संविधान के प्रति सम्मान केवल भाषण, लेख या समारोह से नहीं आंका जाता। उसे संसदीय प्रक्रिया, न्यायपालिका के स्वतंत्र कार्यसंचालन, प्रेस की स्वतंत्रता, विपक्ष के अधिकारों, नागरिक स्वतंत्रता और संवैधानिक संस्थाओं की मजबूती से परखा जाता है। संविधान दिवस का असली सम्मान तभी होता है जब सत्ता में बैठे लोग अपनी आलोचना सहने और विरोध को लोकतांत्रिक अधिकार मानने को तैयार रहें। 2024 के लोकसभा चुनावों में विपक्ष ने संविधान को केंद्रीय मुद्दा बनाया। इंडिया गठबंधन ने आरोप लगाया कि भाजपा की बड़ी बहुमत वाली सरकार बनते ही संविधान में बदलाव की कोशिश हो सकती है। यह केवल राजनीतिक आरोप नहीं था; कुछ भाजपा नेताओं और सांसदों ने भी इस आशय के बयान दिए कि 400 सीटें चाहिए ताकि संविधान बदला जा सके। इससे जनता में संवैधानिक सुरक्षा को लेकर चिंता पैदा हुई। चुनाव परिणाम ने यह संदेश स्पष्ट किया कि जनता ने संविधान के प्रति खतरे को गंभीरता से लिया। भाजपा 240 सीटों पर सिमट गई और उसे सरकार बनाने के लिए गठबंधन साझेदारों के सहारे की जरूरत पड़ी। नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू जैसे सहयोगी नेताओं का समर्थन न होता, तो नरेन्द्र मोदी का तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना संभव नहीं होता। इस परिणाम ने यह भी दिखाया कि संविधान केवल चुनावी नारा नहीं, बल्कि मतदाताओं के लिए विश्वास का विषय बन चुका है।

इस वर्ष संविधान दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों को पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने 1949 में संविधान के अंगीकरण और राष्ट्र की प्रगति में उसकी भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि संविधान के कारण ही एक साधारण परिवार के व्यक्ति को प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला।

यह बात आंशिक रूप से सही है। संविधान ने सामाजिक पृष्ठभूमि को राजनीतिक अवसर की बाधा नहीं बनने दिया। लाल बहादुर शास्त्री, चौधरी चरण सिंह और डॉ. मनमोहन सिंह जैसे नेता भी साधारण परिवारों से आए थे। इसलिए 'साधारण' होने का दावा केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रखा जा सकता। साथ ही, मोदी प्रधानमंत्री बनने से पहले तीन बार गुजरात के मुख्यमंत्री रह चुके थे। उनके राजनीतिक उत्थान में संगठन, चुनावी तंत्र और समर्थन आधार की भूमिका भी थी। इसलिए केवल साधारण परिवार से आने को प्रधानमंत्री बनने का एकमात्र कारण नहीं कहा जा सकता। लेख में मोदी ने अपनी सरकार की उपलब्धियों का जिक्र किया और कहा कि 50 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। लेकिन यह भी सवाल उठता है कि जिन 80 करोड़ लोगों को अब भी मुफ्त राशन की जरूरत है, उनकी स्थिति कब सुधरेगी। गरीबी से बाहर आने और राशन सुरक्षा पर निर्भर रहने के बीच का अंतर स्पष्ट करना जरूरी है। संविधान केवल अधिकार देता है; सरकार का कर्तव्य है कि वह उन अधिकारों को आर्थिक और सामाजिक वास्तविकता में बदले।



कैसे पढें आत्मकथा?

डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल

सार्वजनिक जीवन में सोनिया गांधी की सुदीर्घ और प्रभावशाली उपस्थिति ने उनकी आत्मकथा में हमारी दिलचस्पी बहुत बढ़ा दी है और उसके बाजार में आते ही चर्चाओं का बाजार भी गर्म हो गया है। लगता है जैसे पूरा भारतीय समाज दो खेमों में बंट गया है, लेकिन इस पूरे प्रसंग को केवल सोनिया गांधी के राजनीतिक समर्थन या विरोध के चश्मे से देखना शायद उचित नहीं होगा।

दूसरों के जीवन में झांकना मनुष्य की स्वाभाविक वृत्ति है और आत्मकथा हमें यह मौका देती है। यदि आत्मकथा किसी ऐसे व्यक्ति की हो जिसका सार्वजनिक जीवन, राजनीति और सत्ता के गलियारों से जुड़ा रहा हो तो यह उत्सुकता कई गुना बढ़ जाती है। पाठक केवल उसके जीवन की कहानी नहीं जानना चाहते, वे उन घटनाओं के भीतर झांकना चाहते हैं जिनके वे स्वयं भी किसी-न-किसी रूप में साक्षी रहे हैं। सोनिया गांधी की सद्य-प्रकाशित आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग : ए जर्नी ऑफ लॉव' को लेकर भी कुछ ऐसा ही माहौल है।

सार्वजनिक जीवन में सोनिया गांधी की सुदीर्घ और प्रभावशाली उपस्थिति ने उनकी आत्मकथा में हमारी दिलचस्पी बहुत बढ़ा दी है और उसके बाजार में आते ही चर्चाओं का बाजार भी गर्म हो गया है। लगता है जैसे पूरा भारतीय समाज दो खेमों में बंट गया है, लेकिन इस पूरे प्रसंग को केवल सोनिया गांधी के राजनीतिक समर्थन या विरोध के चश्मे से देखना शायद उचित नहीं होगा। यह अवसर आत्मकथा नाम की एक महत्वपूर्ण साहित्यिक विधा और उसे पढ़ने के हमारे तौर-तरीकों पर विचार करने का भी है। आत्मकथा आखिर है क्या? क्या वह अपने जीवन का सिलसिलेवार ब्यौरा है? क्या वह घटनाओं, व्यक्तियों और तारीखों का ऐसा विवरण है जिसे इतिहास की किताब की तरह परखा जा सके? या वह अपने जीवन को पीछे मुड़कर देखने, समझने और उसका अर्थ तलाशने की एक कोशिश है? वस्तुतः आत्मकथा इन सबका मिला-जुला रूप हो सकती है, लेकिन सबसे पहले वह लेखक का अपने जीवन के साथ संवाद है। इसमें घटनाएं जितनी महत्वपूर्ण हैं, उतना ही महत्वपूर्ण है उन घटनाओं को देखने वाला व्यक्ति, उसकी स्मृतियां, उसकी संवेदनाएं और उसका दृष्टिकोण।

इस विधा की खूबी यह है कि इसमें व्यक्ति अपने समय, परिवेश, संबंधों, सफलताओं और असफलताओं को अपने ढंग से देखता/देखती है। वह चाहे तो अपनी कमजोरियों को स्वीकार करे, अपनी भूलों पर पछताए, अपनी उपलब्धियों का बखान करे या कुछ अनुभवों को निजी रखे। आत्मकथा का कोई एक अनिवार्य ढांचा नहीं है। न ही यह आवश्यक है कि हर आत्मकथाकार अपने जीवन के प्रत्येक प्रसंग पर समान विस्तार से बात करे।

दुनिया की अनेक प्रसिद्ध आत्मकथाएं इस विविधता की साक्षी हैं। महात्मा गांधी की 'सत्य के प्रयोग' में उनकी नैतिक और आध्यात्मिक यात्रा के साथ कमजोरियों, भूलों और प्रयोगों का भी उल्लेख है। इसका महत्व इस बात में है कि गांधी स्वयं को किस निर्ममता से परखने का प्रयास करते थे। जवाहरलाल नेहरू की आत्मकथा 'मेरी कहानी' में एक व्यक्ति के बौद्धिक विकास के साथ अपने समय की राजनीति और राष्ट्रीय आंदोलन का व्यापक परिदृश्य उपस्थित होता है।

हरिवंश राय बच्चन की आत्मकथा-श्रृंखला- 'क्या भूलूं क्या याद करूं,' 'नीड़ का निर्माण फिर,' 'बसेरे से दूर' और 'दशद्वार से सोपान तक' निजी जीवन, परिवार, प्रेम और साहित्य के अनेक रंग सामने लाती है। अमृता प्रीतम की 'रसीदी टिकट' एक स्त्री के निजी अनुभवों और संवेदनाओं की बेबाक अभिव्यक्ति है। इसी क्रम में प्रभा खेतान की 'अन्या से अनन्या' और मन्नू भंडारी की 'एक कहानी यह भी' को याद किया जा सकता है। इन्हीं के साथ याद की जा सकती हैं दलित आत्मकथाएं भी, जिनमें ओमप्रकाश वाल्मीकि की 'जूठन' प्रमुख है।

विदेशी आत्मकथाओं में रूसो की 'कन्फैशन्स' का उल्लेख जरूरी है, जिसमें उन्होंने अपने व्यक्तित्व के उन पक्षों को भी सामने रखा जिन्हें छिपाना अधिक सुविधाजनक हो सकता था। बेंजामिन फ्रैंकलिन की 'आत्मकथा' आत्म-निर्माण, श्रम और सार्वजनिक जीवन की कहानी है। नेल्सन मंडेला की 'लांग वाक टू फ्रीडम' में एक व्यक्ति का संघर्ष, दक्षिण अफ्रीका की मुक्ति और नस्लभेद के विरुद्ध आंदोलन की कथा से जुड़ जाता है। माया एंजेलो की 'आई नो व्हाई द केज्ड बर्ड सिंग्स' निजी अनुभवों के माध्यम से नस्लीय भेदभाव, स्त्री होने की चुनौतियों और आत्मसम्मान की लड़ाई का चित्र उभारती है।

इस संदर्भ में अपने समाज की ओर देखें तो एक विचित्र स्थिति दिखाई देती है। हम दूसरों के जीवन में गहरी दिलचस्पी लेते हैं, लेकिन अपने बारे में कुछ कहने की बात आती है तो सहज नहीं रह जाते। अपनी कमजोरियों, असफलताओं, ईर्ष्याओं, महत्वाकांक्षाओं, गलत निर्णयों और निजी संबंधों के अंतर्विरोधों को सार्वजनिक करना हमें कठिन लगता है। इसके पीछे हमारे सामाजिक संस्कार भी हैं। हमारे यहां व्यक्ति की प्रतिष्ठा अक्सर परिवार और समुदाय की प्रतिष्ठा से जुड़ी होती है। अपने बारे में कुछ ऐसा कह देना जो परिवार की स्थापित छवि के अनुकूल न हो, पूरे परिवार को असहज कर सकता है। अपनी गलती स्वीकार करना भी सहज मानवीय व्यवहार के बजाय कमजोरी समझ लिया जाता है।

ऐसे में संभव है, लेखक कुछ प्रसंगों को जानबूझ कर छोड़ दे या उन्हें इस तरह प्रस्तुत करे कि उसकी अपनी छवि पर आंच न आए, लेकिन क्या इससे उसकी आत्मकथा को पढ़ने और समझने की हमारी जिज्ञासा और जिम्मेदारी समाप्त हो जाती है? क्या किसी आत्मकथा में आत्मरक्षा या आत्म-औचित्य की प्रवृत्ति दिखाई देने पर उसे एक झटके में खारिज कर देना चाहिए? संभव है, यह भी लेखक के व्यक्तित्व और उसकी आत्मदृष्टि को समझने का एक सूत्र हो। यहां आत्मकथा और इतिहास के बीच का अंतर समझना जरूरी है। आत्मकथा इतिहास की पुस्तक नहीं है, हालांकि इतिहास के अध्ययन के लिए यह महत्वपूर्ण सामग्री उपलब्ध करा सकती है। इतिहासकार अनेक स्रोतों, दस्तावेजों और परस्पर विरोधी विवरणों की जांच करता है। आत्मकथाकार अपने अनुभवों और स्मृतियों के सहारे अतीत को देखता है। स्मृति कोई कैमरा नहीं है जो हर घटना को उसी रूप में सुरक्षित रखे।

कैमरे का भी कोई-न-कोई एंगल होता है। समय के साथ कुछ घटनाएं धुंधली पड़ती हैं, कुछ अधिक स्पष्ट हो जाती हैं और कुछ का अर्थ बदल जाता है। यहीं से आत्मकथा को पढ़ने का सलीका सामने आता है। हमें यह देखने की कोशिश करनी चाहिए कि लेखक ने क्या लिखा है, न कि इस बात पर नाराज होना चाहिए कि उसने क्या नहीं लिखा। उसने किसी घटना को किस तरह देखा, किन प्रसंगों को महत्व दिया, किन्हें छोड़ दिया और अपने जीवन के बारे में क्या निष्कर्ष निकाला, इन सब पर विचार किया जा सकता है। उसकी स्थापनाओं से असहमति भी हो सकती है, लेकिन यह सोचना कि वह अपनी आत्मकथा में वही सब लिखेगा जिसकी हम उम्मीद करते हैं, उसके साथ अन्याय होगा। हर व्यक्ति को अपने जीवन की निजता और अपने अनुभवों के चयन का अधिकार है। कोई व्यक्ति अपने जीवन के सभी प्रसंग सार्वजनिक करने के लिए बाध्य नहीं है। किसी आत्मकथा में किसी प्रसंग का उल्लेख न होना उस प्रसंग के बारे में किसी निष्कर्ष का आधार नहीं बन सकता।

उप्र की सियासत के साये में सिसकता सवर्ण स्वाभिमान

डॉ. शैलेश शुक्ला

सत्ता की सीढ़ियों पर चढ़कर समाज को देखने वाली राजनीति ने उत्तर प्रदेश को हमेशा जातीय समीकरणों के चश्मे से देखा है और इस चश्मे में सवर्ण समाज की तस्वीर सबसे अधिक धुंधली, सबसे अधिक उपेक्षित और सबसे अधिक गलत ढंग से अंकित की गई है। यह वह समाज है जिसने इस प्रदेश को संस्कृति को भाषा दी, साहित्य को सृजन दिया, शिक्षा को परम्परा दी, न्याय को नैतिकता दी और स्वतंत्रता संग्राम को नेतृत्व दिया, किन्तु आज वही समाज अपने ही प्रदेश में अपने ही स्वाभिमान के लिए सिसकता हुआ दिखाई देता है। सियासत ने उसे कभी वोट बैंक नहीं माना, क्योंकि वह बँटकर वोट नहीं करता, वह विचार करके मतदान करता है और इसी विचारशीलता की उसे सबसे बड़ी सजा मिली है। जिस समाज ने कभी किसी से कुछ माँगा नहीं, उसी समाज को आज सबसे अधिक अनसुना किया जा रहा है। यह लेख किसी जाति या किसी समुदाय के विरोध में नहीं है, यह तो उस मौन अन्याय के विरुद्ध है जो संविधान की आड़ में, समानता के नाम पर और सामाजिक न्याय के नारे के नीचे निरंतर सवर्णों के साथ किया जा रहा है।

संविधान ने हमें समानता का वचन दिया था, किन्तु व्यवहार में समानता का अर्थ ही बदल दिया गया। संविधान की मूल आत्मा यह थी कि राज्य किसी भी नागरिक के साथ धर्म, जाति, लिंग अथवा जन्म के आधार पर भेदभाव नहीं करेगा, किन्तु आज जन्म के आधार पर ही यह तय हो जाता है कि किसे अवसर मिलेगा और किसे अवसर से वंचित किया जाएगा। एक ही परीक्षा, एक ही मेरिट, एक ही योग्यता, किन्तु दो अलग-अलग कट-ऑफ, दो अलग-अलग अवसर और दो अलग-अलग भविष्य, यह कैसी समानता है? एक सवर्ण युवक जो रात-रात भर पढ़कर, माँ-बाप की गाढ़ी कमाई लगाकर, ट्यूशन और किताबों के बोझ तले दबकर परीक्षा देता है, वह जब कुछ अंकों से चयन से वंचित हो जाता है और उससे कम अंक पाने वाला उसका सहपाठी व्यवस्था की कृपा से चयनित हो जाता है, तो उसके मन में व्यवस्था के प्रति जो अविश्वास पैदा होता है, उसे कोई भी राष्ट्रवादी विचारक अनदेखा नहीं कर सकता। यह अविश्वास केवल एक युवक का नहीं है, यह एक पूरी पीढ़ी का मौन आक्रोश है।

यह आक्रोश हिंसा नहीं चाहता, यह आरक्षण का विरोध नहीं करता, यह तो केवल इतना पूछता है कि योग्यता को कब तक दंडित किया जाएगा और जन्म को कब तक पुरस्कृत किया जाएगा। जब योग्यता हारती है, तो राष्ट्र हारता है और जब राष्ट्र की प्रतिभा पलायन करती है, तो इसका दोष उस प्रतिभा को नहीं, उस व्यवस्था को दिया जाना चाहिए जिसने उसे अपने ही देश में पराया कर दिया। सवर्णों के साथ हो रहे संवैधानिक अन्याय का दूसरा सबसे बड़ा रूप आर्थिक आधार पर भेदभाव का अभाव है। गरीबी की कोई जाति नहीं होती, भूख का कोई वर्ग नहीं होता, बेरोजगारी का कोई गोत्र नहीं होता, किन्तु हमारे नीति-निर्माताओं ने गरीबी को भी जाति के खानों में बाँट दिया है। एक दलित गरीब, एक पिछड़ा गरीब और एक सवर्ण गरीब, तीनों की पीड़ा एक जैसी है, तीनों के आँसू एक जैसे हैं, तीनों के बच्चों की भूख एक जैसी है, फिर सहायता का पैमाना अलग-अलग क्यों है? सवर्ण गरीब के लिए न छात्रवृत्ति है, न शुल्क में छूट है, न छात्रावास में स्थान है, न नौकरी में संरक्षण है, न व्यवसाय के लिए विशेष योजना है। वह गरीब होकर भी गरीब नहीं माना जाता, क्योंकि उसके नाम के आगे एक विशेषण लगा दिया गया है, सवर्ण। क्या यही सामाजिक न्याय है कि गरीब को उसकी गरीबी के कारण नहीं, उसकी जाति के कारण सहायता से वंचित कर दिया जाए? आर्थिक रूप से कमजोर सवर्णों के लिए दस प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान एक स्वागत योग्य कदम अवश्य था, किन्तु व्यवहार में वह भी अनेक स्थानों पर कागजी रह गया है। प्रमाण-पत्रों की जटिलता, आय की अव्यावहारिक सीमा, नौकरियों में उसका अपूर्ण क्रियान्वयन और उच्च शिक्षा में उसका टकराव, इन सबने उस राहत को भी अधूरी कर दिया है। एक सवर्ण कल्याण की चिंता करने वाला विचारक यह मानता है कि सहायता का आधार गरीबी होना चाहिए, जाति नहीं और जब तक यह सिद्धान्त स्वीकार नहीं किया जाएगा, तब तक सामाजिक न्याय अधूरा ही रहेगा।

आज सवर्ण समाज को जिस सबसे गहरी पीड़ा से गुजरना पड़ रहा है, वह है उसे दोयम दर्जे का नागरिक मानने की मानसिकता। ऐसा प्रतीत होता है जैसे सवर्ण नागरिक का कर्तव्य तो पूर्ण है, किन्तु अधिकार आधे हैं। उसे कर देना है, कानून मानना है, राष्ट्र की सेवा करनी है, सीमा पर बलिदान देना है, आपदा में सबसे आगे खड़ा होना है, किन्तु जब अधिकार की बात आती है, तो उसे पीछे धकेल दिया जाता है। उसके मंदिरों का चढ़ावा सरकार के नियंत्रण में है, किन्तु अन्य धर्मस्थलों की व्यवस्था को स्वायत्तता प्राप्त है। उसके पर्वों पर ध्वनि, जुलूस और आयोजन के लिए अनुमति की लंबी प्रक्रिया है, किन्तु अन्य आयोजनों के लिए वही कठोरता नहीं दिखाई देती। उसके महापुरुषों को पाठ्यपुस्तकों से धीरे-धीरे हटाया जा रहा है, उसके इतिहास को विकृत किया जा रहा है, उसकी परम्पराओं को पिछड़ापन कहकर उपहास उड़ाया जा रहा है। जब कोई सवर्ण अपनी पीड़ा कहता है, तो उसे जातिवादी कह दिया जाता है, जब वह अपने अधिकार की बात करता है, तो उसे सामंतवादी कह दिया जाता है और जब वह अपने स्वाभिमान की रक्षा करना चाहता है, तो उसे संविधान विरोधी कह दिया जाता है। यह कैसी विडम्बना है कि जिस समाज ने संविधान बनाने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई, उसी समाज को आज संविधान के नाम पर ही चुप करा दिया जाता है।

इस पीड़ा की सबसे कड़वी सच्चाई यह है कि सवर्णों को आज राज्य की दृष्टि में केवल करदाता के रूप में देखा जा रहा है। सवर्ण समाज का एक बड़ा वर्ग व्यापारी है, किसान है, शिक्षक है, अधिवक्ता है, चिकित्सक है, उद्यमी है, नौकरीपेशा है, जो ईमानदारी से आयकर देता है, जीएसटी देता है, संपत्ति कर देता है, सड़क कर देता है और उसी कर से चलने वाली योजनाओं का लाभ उसे सबसे कम मिलता है। वह कर देता है तो सड़क बनती है, विद्यालय बनता है, छात्रवृत्ति बँटती है, आवास मिलता है, किन्तु जब वह स्वयं अपने बच्चे की फीस के लिए सहायता माँगता है, तो उसे बताया जाता है कि वह सामान्य वर्ग से है, इसलिए वह पात्र नहीं है। क्या राष्ट्र का निर्माण केवल कर देने वालों के कर्तव्य से होगा और लाभ लेने वालों के अधिकार से होगा? क्या यह न्यायसंगत है कि जो सबसे अधिक देता है, उसे सबसे कम मिले और जो सबसे कम देता है, उसे सबसे अधिक मिले? एक कल्याणकारी राज्य का यह दायित्व है कि वह करदाता के साथ कृतज्ञता का व्यवहार करे, न कि उसे शोषण का साधन समझे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार व सम्पादक सतबीर भारद्वाज द्वारा ए.जी.एस. पब्लिकेशन्स एफ-23,सेक्टर-6, नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित, गांव- बाबुपुर गुरुग्राम, हरियाणा- 122006 से प्रकाशित। सम्पादक : सतबीर भारद्वाज
RNI No. HARHIN/2023/86132 अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542, 9312643452
E-mail : opensearchnews@gmail.com

जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक,तेरह शिकायतों पर सुनवाई, दस का निपटारा

ओपन सर्च / प्रदीप मैहता

करनाल। आज यहां पंचायत भवन में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण, पशुपालन एवं डेयरी और मत्स्य पालन मंत्री श्याम सिंह राणा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के एजेंडे में तीन पुरानी और दस नई शिकायतें शामिल थीं जिनमें से दस का निपटारा कर दिया गया। दो पुरानी और एक नई शिकायत लंबित रखी गई है। बैठक में सेक्टर सात वासी विजय कुमार की प्लाट में बनाई गई सडक़ को हटवाने और गांव बसताड़ा के अंकित की निर्माण सामग्री व लेबर की भुगतान संबंधी पुरानी शिकायत को अभी लंबित रखा गया है जबकि झिंवरहेड़ी के सुशील कुमार की शिकायत को ड्राप कर दिया गया। दस नई शिकायतों में पहली बड़ौता के बजिंद्र व गांव के अन्य निवासियों की थी जिसमें बड़ौता-खेड़ी नरू रोड पर 11 हजार वोट की तारों को रिहायसी मकानों से हटवाने संबंधी थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि समस्या का समाधान हो गया है। दूसरी शिकायत में गांव जुंडला के बालाजी कॉलोनी वासियों ने नया ट्रांसफार्मर लगवाने की गुहार लगाई थी ताकि कम बिजली आपूर्ति की समस्या दूर हो सके। इस पर अधीक्षक अभियंता ने बताया कि नया ट्रांसफार्मर लगा दिया गया है। मंत्री ने कालोनी की ढीली अथवा नीची तारों की भी जांच कर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में तीसरी शिकायत ईंटों का बकाया भुगतान संबंधी थी। शिकायतकर्ता जसप्रीत ने बताया कि बकाया राशि प्राप्त हो गई है। कृषि मंत्री ने गांव गगसीना वासी रणपाल सिंह की शिकायत पर पीडब्ल्यूडी के कार्यकारी अभियंता को मुनक-गगसीना रोड पर जंगली घास व झाडिय़ों को साफ कराने के निर्देश दिए। गांव शेखुपरा निवासी सुमेरचंद की खेत में भरे दूषित पानी को निकलवाने और नाले की पटरी को मजबूत कराने संबंधी शिकायत पर सिंचाई विभाग के अधिकारी



ने बताया कि पानी की निकासी कर दी गई है। मंत्री ने पटरी को मजबूत करने के निर्देश अधिकारी को दिए। इसके अलावा बीडीपीओ को भी निर्देश दिए कि नगला फार्म गांव की नालियों से आने वाले दूषित पानी को रोकने के लिए उचित कदम उठाएं। छठी शिकायत जयसिंहपुरा के दीपक की थी जिसमें उन्होंने अंतरजातीय विवाह करने पर कल्याण विभाग द्वारा योजना का लाभ न देने बात कही है। जिला कल्याण अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता ने पोर्टल पर ऑनलाईन आवदेन नहीं किया। इस पर मंत्री ने दीपक से कहा कि वे मांगें गए सभी दस्तावेज अधिकारी को उपलब्ध करा दें। सातवीं शिकायत घोघड़ीपुर के जवाहर सिंह की थी जिसमें कहा गया है कि वर्ष 2019-20 में कृषि विभाग द्वारा किसानों के लिए पंचायत को उपलब्ध कराए गए चार कृषि यंत्र उपलब्ध कराए गए थे। इन पर गांव का एक व्यक्ति कुंडली जमाए बैठा है जिसके कारण इन यंत्रों का दूसरे किसान उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। इस पर विभाग के उप निदेशक ने बताया कि इनकी मियाद 5 साल की थी जो पूरी हो चुकी है। इस पर मंत्री ने कहा कि कंडम हो चुके हैं यंत्रों की नीलामी कराएं। ठीक हैं तो पंचायत को सौंपे जाएं। उपायुक्त ने बताया कि दो यंत्र कंडम हो चुके हैं। बाकी दो ठीक यंत्रों को अन्य किसानों को उपलब्ध कराने के लिए एसडीएम की ड्यूटी लगा दी जाएगी। संगोहा के तोताराम व अन्य की शिकायत पर बीडीपीओ ने बताया कि चौपाल से कब्जा हटवा दिया गया है। मंत्री ने चौपाल की चारदीवारी व मरम्मत के लिए भी उचित कदम उठाने के निर्देश दिए। नौवीं शिकायत गांव तखाना की श्रीमती गिन्नी की थी जिसमें पोती की मृत्यु के बाद 2 लाख 40 हजार की एफडी की राशि दिलाने की गुहार लगाई गई। इस पर जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक ने बताया कि मृतका के पति कानूनी उत्तराधिकारी होने के कारण उन्हें भुगतान कर दिया गया है।

आचार्य मृदुल कृष्ण गोस्वामी ने सुनाया गोवर्धन पूजा का प्रसंग, श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु

गोवर्धन पर्वत उठाकर भगवान श्रीकृष्ण ने दिया भक्तों की रक्षा का संदेश

ओपन सर्च/ प्रदीप मैहता



करनाल। सेक्टर-12 स्थित हुड्डा ग्राउंड में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा में भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बना हुआ है। विश्वविख्यात कथावाचक आचार्य श्री मृदुल कृष्ण गोस्वामी जी महाराज ने श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण की मनमोहक बाल लीलाओं और गोवर्धन पर्वत धारण करने का प्रसंग सुनाकर भावविभोर कर दिया। कथा के दौरान पंडाल में मौजूद श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे लगाते रहे। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के सानिध्य में आयोजित इस कथा का आयोजन हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के वाइस चेयरमैन एवं जय श्री राम एग्रो प्राइवेट लिमिटेड के एमडी सतीश गुप्ता द्वारा अपने पूज्य माता-पिता लाला मनीराम एवं प्रेमवती की स्मृति में करवाया जा रहा है।कथा में आचार्य ने गोवर्धन लीला का वर्णन करते हुए बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी छोटी अंगुली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों को इंद्र के प्रकोप से बचाया था। भगवान की इस लीला ने संसार को संदेश दिया कि जो भक्त सच्चे मन से ईश्वर की शरण में आता है, भगवान सदैव उसकी रक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, प्रेम और संरक्षण का भी प्रतीक है।

आचार्य ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं केवल धार्मिक प्रसंग नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाली शिक्षाएं हैं। मनुष्य को अपने जीवन से अहंकार दूर कर प्रेम, विनम्रता, सेवा और समर्पण को अपनाना चाहिए। श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने से मन को शांति मिलती है और व्यक्ति को जीवन में सद्कर्म करने की प्रेरणा मिलती है इस अवसर पर राजकुमार सिंगला, पवन कुमार सिंगला, सोहन लाल सिंगला, रतन लाल सिंगला, विनोद कुमार सिंगला सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

वार्ड 6 के पार्षद मुकेश कुमार सिरसवाल ने रसोई के कचरे से जैविक खाद बनाने कि शुरुआत की गई

ओपन सर्च / प्रदीप मैहता



नीलोखेड़ी। नगरपालिका नीलोखेड़ी की प्रधान श्रीमती सनमीत कौर आहूजा व सचिव डॉ. राहुल सैनी के निर्देशानुसार शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने तथा कचरे की मात्रा कम करने के उद्देश्य से नगरपालिका की टीम द्वारा 4 बिन स्रोत पृथक्करण एवं होम कम्पोस्ट को लेकर लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में शहरवासियों का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है। इसी कड़ी में आज वार्ड नंबर 6 में मोटिवेटर नरेश कुमार की टीम ने घर-घर जाकर वार्डवासियों को चार अलग-अलग डस्टबिन में गीला, सूखा, सैनिटरी एवं घरेलू हानिकारक कचरा अलग-अलग डालने तथा घरों में होम कम्पोस्ट बनाने के लिए जागरूक किया। इस दौरान वार्ड 6 के पार्षद श्री मुकेश कुमार सिरसवाल ने स्वयं अपने घर पर रसोई के गीले कचरे से ड्रम में जैविक खाद बनाने की शुरुआत की। उन्होंने वार्डवासियों से भी अपील की कि वे अपने घरों में होम कम्पोस्ट बनाएं और 4 बिन स्रोत पृथक्करण को अपनी दैनिक आदत का हिस्सा बनाएं, ताकि कचरे को कम करके पर्यावरण को स्वच्छ रखा जा सके। इस अभियान को सफल बनाने में नगरपालिका के सफाई इंचार्ज राजबीर, मोटिवेटर नरेश कुमार, सफाई दरोगा विनोद कुमार व सुनील कुमार, सुगम स्वच्छता टीम की मोटिवेटर प्रियंका एवं सुपरवाइजर दीपक कुमार का विशेष योगदान रहा। इसके साथ ही डोर-टू-डोर सफाई योद्धा बंटी एवं प्रदीप कुमार का भी घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करने में सराहनीय सहयोग रहा। नगरपालिका की शहरवासियों से अपील है कि वे 4 बिन स्रोत पृथक्करण अपनाएं और रसोई के गीले कचरे से घर पर ही जैविक खाद बनाएं। हमारा छोटा-सा प्रयास नीलोखेड़ी शहर को स्वच्छ, सुंदर और कचरा मुक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

एनएच-44 पर दो ट्रकों की भिड़ंत, केबिन में फंसे चालक की मौत; ट्रैफिक पुलिस ने क्रेन से खुलवाया जाम

ओपन सर्च / मनदीप कुमार



समालखा। नेशनल हाईवे-44 पर गांव पट्टीकल्याणा के पास दो ट्रकों की भीषण टक्कर के बाद हाईवे पर यातायात बाधित हो गया। हादसे में एक ट्रक का केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और दोनों ट्रक आपस में फंस गए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पानीपत ट्रैफिक पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। क्रेन और जेसीबी मशीनों की मदद से दोनों ट्रकों को अलग कर सड़क से हटाया गया, जिसके बाद हाईवे पर यातायात सुचारू कराया गया। पुलिस अधीक्षक मेधा भूषण (आईपीएस) के मार्गदर्शन में ट्रैफिक पुलिस हाईवे पर यातायात व्यवस्था बनाए रखने और दुर्घटनाओं के दौरान त्वरित राहत पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। ट्रैफिक प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया और राहत एवं बचाव कार्य की जिम्मेदारी एएसआई राकेश को सौंपी गई। निर्देश मिलते ही एएसआई राकेश पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस जवानों ने एक ओर हाईवे पर गुजर रहे वाहनों को सावधानीपूर्वक निकलवाया, वहीं दूसरी ओर हाइड्रोलिक क्रेन और जेसीबी मशीनों की मदद से आपस में फंसे ट्रकों को अलग करने का प्रयास शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद दोनों भारी वाहनों को अलग कर सड़क से किनारे करवाया गया।

क्षतिग्रस्त केबिन में मिला चालक का शव

बचाव अभियान के दौरान क्षतिग्रस्त ट्रक के केबिन में एक व्यक्ति मृत अवस्था में फंसा मिला। पुलिस टीम ने सावधानीपूर्वक शव को बाहर निकाला। मृतक की पहचान अशोक प्रसाद पुत्र रामबिलाश, निवासी जिला नवादा, बिहार के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए समालखा स्थित मोर्चरी में रखवा दिया है और मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। परिजनों के पहुंचने के बाद नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी। ट्रैफिक पुलिस की त्वरित कार्रवाई से दुर्घटनाग्रस्त ट्रकों को हटाकर एनएच-44 पर यातायात व्यवस्था बहाल कर दी गई और वाहन चालकों को राहत मिली।

ड्यूटी के समय शराब के नशे में पाए जाने पर पटवारी तुरंत प्रभाव से निलंबित : विश्राम कुमार मीणा

ओपन सर्च / प्रदीप मैहता



कुरुक्षेत्र। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने शाहाबाद तहसील के हल्का कलसाना के पटवारी देवेन्द्र राय को अपने कार्य व कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने पर तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है। आदेश के अनुसार निलंबन अवधि के दौरान कर्मचारी का हेड क्वार्टर कार्यालय जिला राजस्व अधिकारी कुरुक्षेत्र निश्चित किया गया है। अब पटवारी जिला राजस्व अधिकारी कुरुक्षेत्र की पूर्व अनुमति के बिना अपना हेड क्वार्टर नहीं छोड़ेगा। उन्होंने कहा कि निलंबन अवधि के दौरान कर्मचारी हरियाणा सिविल सेवाएं (जनरल) नियमावली 2016 के नियम 83 के अंतर्गत जीवन-निर्वाह भत्ते का हकदार होगा। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि उपमंडल अधिकारी (नागरिक) शाहबाद द्वारा पत्र के माध्यम से मामला संज्ञान में लाया गया था। रिपोर्ट के अनुसार पटवारी देवेन्द्र राय ड्यूटी के समय शराब के नशे में पाए गए। उनके व्यवहार के खिलाफ नायब तहसीलदार के कार्यालय में मौखिक शिकायतें भी मिली थीं। इस बारे में पटवारी को कई बार मौखिक चेतावनी दी गई, परंतु उनके व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया और वे कार्यालय समय में शराब पीने के आदी हैं। इसके साथ ही बताया गया कि वे उच्च अधिकारियों के निर्देशों का भी पालन नहीं करते और अपने कार्य को भी समय पर पूरा नहीं करते हैं। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि सरकारी कार्यालयों में अनुशासन, पारदर्शिता और जनता के प्रति जिम्मेदार व्यवहार सर्वोपरि है। ड्यूटी के दौरान नशे में रहना और कार्य में लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को अपने कर्तव्यों का ईमानदारी और समयबद्धता से निर्वहन करना होगा।

प्रशासन की ओर से जिला सचिवालय में आगजनी के मौका पर नागरिक सुरक्षा अभ्यास

ओपन सर्च/ प्रदीप मैहता

करनाल। नागरिक सुरक्षा अभ्यास के तहत वीरवार शाम 5:30 बजे जिला सचिवालय में ऑपरेशन ब्लैक आउट को लेकर मॉक ड्रिल का आयोजन हुआ। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के चेयरमैन एवं डीसी डा. आनंद कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में जिला में योजनाबद्ध तरीके से नागरिक सुरक्षा अभ्यास किया गया, जिसमें आपदा की स्थिति में हुई जान माल की रक्षा के लिए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की गई। इस मौके पर सीटीएम सुरेश कुमार ने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार नागरिक सुरक्षा अभ्यास के तहत जिला में नागरिक सुरक्षा तंत्र और आपातकालीन प्रतिक्रिया का परीक्षण और सुदृढ़ीकरण करने के उद्देश्य से मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल में सायं 5:30 बजे साइरन के साथ सचिवालय में ऑपरेशन ब्लैक आउट का अभ्यास शुरू हुआ और जिन भवनों में प्रथम, द्वितीय व तृतीय तल पर लोग मौजूद थे। वे तुरंत प्रभाव से भू तल पर आ गए और सुरक्षित स्थानों पर पहुंच गए। जहां कहीं भी आपदा की स्थिति के दौरान लोग ऊपरी तलों पर फंस गए थे, उन्हें सुरक्षित तरीके से फायर ब्रिगेड कर्मियों, एसडीआरएफ, एनसीसी, वाईआरसी, पुलिस व आपदा मित्रों द्वारा नीचे उतारा गया और इलाज के लिए निकटवर्ती अस्पताल में पहुंचाया गया।

आमजन को जागरूक करने के लिए की गई मॉक ड्रिल, अफवाहों पर न दे ध्यान: सीटीएम

सीटीएम सुरेश कुमार ने बताया कि शाम 5:30 बजे सायरन बजाकर सरकारी विभागों और स्वयंसेवकों सहित सभी हितधारकों को शामिल करते हुए महत्वपूर्ण लघु सचिवालय में मॉक ड्रिल



ऑपरेशन शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि इस मॉक ड्रिल के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया कि ऐसी स्थिति आने पर आश्रय के रूप में एक सुरक्षित आंतरिक कमरे या तहखाने की पहचान करें। फॅमिली ड्रिल्स का अभ्यास करें, लाइट बंद करें, 1-2 मिनट के भीतर सुरक्षित क्षेत्र में इक_ा हों। उन्होंने आमजन से अपील की है कि किसी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें। सरकार व जिला प्रशासन द्वारा जारी सूचनाओं की अनुपालना करें।

क्षेत्र की गतिविधियों की रिपोर्ट तत्काल पुलिस को दें

सीटीएम सुरेश कुमार ने बताया कि यह मॉक ड्रिल आपातकालीन स्थिति में क्या करें और क्या न करें और क्या-क्या सावधानियां बरतने के उद्देश्य से करवाई गई है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया वे अपने क्षेत्र में होने वाली किसी भी संदिग्ध गतिविधि की रिपोर्ट तुरंत पुलिस और स्थानीय अधिकारियों को दें। उन्होंने बताया कि इस अभ्यास का उद्देश्य राज्य में इमरजेंसी तैयारियों को देखना और युद्ध या हवाई जहाज व ड्रोन हमले की सूरत में जवाब देने की क्षमता को बढ़ाना है। इसके अलावा संकट के समय जल्द और सही मदद हो सके, आम लोगों, सुरक्षाबलों और प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करना है। साथ ही नागरिकों को किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार करना तथा विकट स्थिति के दौरान बड़े पैमाने पर दहशत की संभावना को कम करना है।

प्राचीन श्री महावीर श्यामसुंदर मंदिर से निकाली गई भव्य कलश यात्रा, नगर परिक्रमा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब



ओपन सर्च / प्रदीप मैहता

तरावड़ी। प्राचीन श्री महावीर श्यामसुंदर मंदिर, डेरी मोहल्ला तरावड़ी में 24 से 28 नवंबर तक आयोजित मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत शुक्रवार, 27 नवंबर को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। पंडित योगेश शर्मा एवं पंडित गौरव शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस धार्मिक यात्रा में महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर श्रद्धा और उत्साह के साथ भाग लिया। कलश यात्रा के दौरान मंदिर में स्थापित होने वाली देवी-देवताओं की मूर्तियों को नगर परिक्रमा करवाई गई। यात्रा में शामिल माताओं-बहनों ने पूरे श्रद्धाभाव के साथ कलश धारण किए और धार्मिक जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना दिया। नगर के विभिन्न मार्गों से होकर निकली इस भव्य यात्रा का श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया। इस अवसर पर शहर के श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और धार्मिक आयोजन के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। मंदिर परिसर में आयोजित मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। पूरा वातावरण भक्ति और उल्लास से सराबोर रहा।

हरियाणा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनी समालखा की दिव्या, युवा संवाद में दिखाया दमदार नेतृत्व

ओपन सर्च / मनदीप कुमार



समालखा। समालखा की बेटी दिव्या ने हरियाणा विधानसभा में आयोजित हरियाणा युवा संवाद-2026 में नेता प्रतिपक्ष (Leader of Opposition) की महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर क्षेत्र का मान बढ़ाया। नगर परिषद समालखा के वार्ड नंबर 11 स्थित मॉडल टाउन निवासी दिव्या ने प्रदेश स्तर के इस प्रतिष्ठित युवा संसदीय आयोजन में अपने प्रभावशाली वक्तव्य, तार्किक विचारों और नेतृत्व क्षमता से प्रतिभागियों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई। संसदीय कार्यवाही के दौरान दिव्या ने पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के मुद्दे पर विपक्ष का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने पर्यावरणीय चुनौतियों, संवैधानिक दायित्वों और जनहित से जुड़े विषयों को तथ्यों एवं तर्कों के साथ सदन में उठाया। साथ ही इन समस्याओं के समाधान के लिए व्यावहारिक सुझाव भी प्रस्तुत किए। उनकी प्रस्तुति ने संसदीय बहस में विषय की गंभीरता और युवाओं की जिम्मेदारी को प्रभावी ढंग से सामने रखा। इस आयोजन में 12 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 64 शिक्षण संस्थानों से 85 युवा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें 50 छात्राएं शामिल थीं। प्रतिभागियों ने सत्तापक्ष, विपक्ष और निर्दलीय विधायकों की भूमिका निभाकर संसदीय लोकतंत्र की कार्यप्रणाली को समझा और सदन में बहस, विचार-विमर्श तथा जनहित के मुद्दों को उठाने का अनुभव प्राप्त किया। कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने युवाओं को अनुशासन, निरंतर परिश्रम और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जिम्मेदार रहने का संदेश दिया। इस दौरान प्रतिभागियों को हरियाणा विधानसभा के सदन एवं परिसर का भ्रमण करने तथा संसदीय कार्यप्रणाली को करीब से जानने का अवसर भी मिला। दिव्या मॉडल टाउन निवासी मनोज अरोड़ा एवं नीरू की पुत्री हैं। उनकी माता ब्यूटीशियन हैं। दिव्या की इस उपलब्धि से परिवार और क्षेत्रवासियों में खुशी एवं गर्व का माहौल है। स्थानीय छात्रा द्वारा हरियाणा विधानसभा जैसे प्रतिष्ठित मंच पर नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभाना समालखा के युवाओं के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि है। वहीं, नगर परिषद वार्ड नंबर 11 के पार्षद प्रतिनिधि विपिन छाबड़ा ने दिव्या को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि दिव्या ने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता से समालखा का नाम गौरवान्वित किया है। उनकी उपलब्धि अन्य युवाओं को भी सामाजिक, शैक्षणिक और लोकतांत्रिक गतिविधियों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

तरावड़ी के सरकारी अस्पताल में चोरों का आतंक, 8 एसी के आउटडोर यूनिट तोड़कर कॉपर वायर और पाइपिंग चोरी



ओपन सर्च / प्रदीप मैहता

तरावड़ी। तरावड़ी के सरकारी अस्पताल में चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए अस्पताल में लगे करीब 8 एयर कंडीशनर (AC) के आउटडोर यूनिट को निशाना बनाया। चोर सभी एसी की कॉपर वायर और पाइपिंग चोरी कर ले गए। वारदात के दौरान चोरों ने एसी के आउटडोर यूनिट भी तोड़ दिए, जिसके चलते सभी एसी की गैस लीक हो गई और वे पूरी तरह खराब हो गए। अस्पताल के एसएमओ डॉ. गर्ग ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि अस्पताल में लगे करीब 8 एसी के आउटडोर यूनिट को नुकसान पहुंचाया गया है। चोर उनकी कॉपर वायर और पाइपिंग निकालकर ले गए हैं। इस घटना के कारण सभी एसी की गैस लीक हो चुकी है और वे काम करने की स्थिति में नहीं हैं। एसएमओ ने बताया कि घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है और पुलिस को मौके पर बुलाया गया है। ऐसा लगता है कि यह वारदात नशेड़ी टाइप के लोगों ने की है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि सरकारी अस्पताल जैसी महत्वपूर्ण जगह पर चोरों ने इतनी बड़ी वारदात को कैसे अंजाम दे दिया? इस घटना से अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। एसी खराब होने से अस्पताल में आने वाले मरीजों, उनके परिजनों और स्वास्थ्य कर्मचारियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अब देखना होगा कि पुलिस इस चोरी की वारदात को कितनी जल्दी सुलझाकर आरोपियों को गिरफ्तार करती है।

हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण आज करेंगे गांव बसताड़ा में बन रहे राज्य के पहले राज्य स्तरीय प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण



ओपन सर्च / प्रदीप मैहता

करनाल। एसडीएम अनुभव मेहता ने बताया कि हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष एवं घरौंडा के विधायक हरविंद्र कल्याण शनिवार को बाद दोपहर 3:30 पर घरौंडा में जीटी रोड बस्ताडा पर हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं के कौशल विकास क्षमता निर्माण एवं संस्थागत सशक्तिकरण के उद्देश्य से बन रहे राज्य के पहले राज्य स्तरीय प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण करेंगे। एसडीएम अनुभव मेहता ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रशिक्षण केंद्र एचएसआरएलएम से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की क्षमता निर्माण, कौशल विकास, प्रशिक्षण एवं समग्र सशक्तिकरण के लिए एक समर्पित राज्य स्तरीय संस्थान के रूप में कार्य करेगा।

बाल विवाह रोकने के लिए चलाया जागरूकता अभियान : भाजपा नेत्री भारती हरसाना





ओपन सर्च/ वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता

सोहना। भाजपा नेत्री व नगरनिगम पार्षद भारती मनीष हरसाना ने बताया कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने और बच्चों के अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से शुक्रवार को नेहरू स्टेडियम, गुरुग्राम में 100 दिवसीय 'बाल विवाह मुक्त भारत जागरूकता अभियान' के तहत जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होने बताया कि शुक्रवार को महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में दो ब्लॉकों की बड़ी संख्या में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं सहित विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों के सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए इस कुरीति की रोकथाम में सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया गया। भाजपा नेत्री व नगरनिगम पार्षद भारती मनीष हरसाना ने बताया कि कार्यक्रम में बाल विवाह निषेध अधिकारी हेमा देवी ने विशेष रूप से भाग लेते हुए बाल विवाह की रोकथाम और बच्चों के अधिकारों के संरक्षण के संबंध में जागरूक किया। इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण इकाई से सुप्रिया, बाल विकास परियोजना अधिकारी मुनेश एवं अन्नू, गुरुग्राम ब्लॉक के सरपंच अधिकारी हरिओम सहित शिक्षा विभाग और बीडीओ कार्यालय के प्रतिनिधि मौजूद रहे। वही एमडीडी इंडिया से निशिकांत एवं काउंसलर रुक्मणी शर्मा तथा शक्ति वाहिनी की टीम ने भी जागरूकता गतिविधियों में योगदान दिया। कार्यक्रम में मौजूद प्रतिभागियों को बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने और अपने-अपने क्षेत्रों में इसकी रोकथाम के लिए सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। भाजपा नेत्री व नगरनिगम पार्षद भारती मनीष हरसाना ने बताया कि बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत छब्बीस नवंबर को एमडीडी इंडिया की टीम ने रात्रि के समय विभिन्न गांवों का दौरा कर जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान टीम के सदस्यों ने दीप प्रज्वलित कर बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने का संदेश दिया और भारत को बाल विवाह मुक्त बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

विट कॉलेज में ग्रामीण एक साथ बैठकर सुनेंगे प्रधानमंत्री के मन की बात : शिक्षाविद नरेन्द्र बोकन



सोहना,(वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता): सोहना विट इंजीनियरिंग कॉलेज प्रबंधन समिति चेयरमैन नरेन्द्र बोकन का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात कार्यक्रम को लेकर रविवार, 29 नवम्बर को सुबह 11 बजे होने वाले प्रसारण को लेकर 90 के 90 विधानसभा क्षेत्रों में हर मतदान केन्द्र पर लोग मन की बात सुनने के लिए तत्पर नजर आ रहे है। उन्होने बताया कि प्रधानमंत्री के मन की बात के 30 नवम्बर वाले एपिसोड को सुनने के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 100 प्रमुख स्थानों पर मन की बात सुनने के लिए 100-100 कार्यकर्ताओं और लोगों को प्रत्येक स्थान पर इकटठा करने का लक्ष्य रखा गया है। विट इंजीनियरिंग कॉलेज प्रबंधन समिति चेयरमैन नरेन्द्र बोकन ने बताया कि मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ऐसे मनुष्य, संस्थान, प्रतिष्ठान आदि जो जीवन व समाज सुधार के लिए उल्लेखनीय कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करते है, उनसे देश को अवगत कराते है। इस बार प्रदेश में मन की बात सुनने के लिए पार्टी ने सर्वसमाज के लोगों को उनके नजदीक लगने वाले बूथों पर विशेष रूप से आमंत्रित किया है। उन्होने बताया कि 29 नवम्बर को प्रदेश में खुद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पार्टी की प्रदेशाध्यक्ष डाक्टर अर्चना गुप्ता ऐसे कार्यक्रमों में मौजूद रहकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात सुनेंगी।

लहसून के तेजी से आसमान छू रहे दामों ने आम जनता को रूलाया

सोहना,(वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता): शिवनगरी सोहना में जैसे-जैसे सर्दी अपना असर दिखाने लगी है, वैसे-वैसे यहां लहसून के दामों में जबरदस्त उछाल आ गया है। थोक बाजार में लहसून का भाव 240 रूपए से 270 रूपए प्रति किलो तक पहुंचने पर खुदरा सब्जीमंडी में खुदरा व्यापारी लहसून 400 रुपए किलो और 100 से 125 रुपए पाव बेचकर जमकर चांदी कूट रहे है। तेजी से आसमान छू रहे लहसून के दामों के आए दिन भाव खाने से लहसून आम आदमी की पहुंच से बाहर होने पर रसोई से गायब होने लगा है तो यहां पर अदरक के भाव भी आसमान पर चढ़े हुए है। अदरक यहां पर 40 रुपए पाव और 150 रुपए किलो बिक रही है। वही अन्य सब्जियों के भावों में भी खासा उछाल देखने को मिल रहा है। सब्जीमंडी में हरी मटर 250 रूपए प्रति किलो, बंदगोभी, लौकी, सीताफल तो भिंडी, टमाटर, करेला, तोरई, गाजर, बैंगन 60 रुपए किलो, फूलगोभी 40 रुपए किलो तो शिमला मिर्च 90 रुपए किलो, पालक 60 रुपए किलो, हरी मिर्च 100 रुपए किलो तो हरा धनिया 200 प्रति किलो और प्याज 90 से 100 रुपए प्रति किलो तक होने पर सब्जियां आम लोगों की पहुंच से बाहर होने लगी है। महंगाई की मार से ग्रस्त गृहणियों का कहना है कि भाजपा सरकार के राज में मंहगाई ने उनकी कमर ही तोड़ डाली है। महंगाई के चलते दो वक्त का भोजन करना भी अब दुश्वार होने लगा है।

मस्तिष्क और हृदय की कमजोरी दूर करने में मददगार रहता है खजूर : डाक्टर रामवीर गोस्वामी



सोहना,(वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता): यहां पर शहर में दमदमा मोड के समीप स्थित संजीवनी अस्पताल निर्देशक डाक्टर रामवीर गोस्वामी ने खजूर को औषधीय गुणों से भरपूर बताते हुए कहा है कि सर्दियों में खजूर मधुर, शीतल, पौष्टिक और तुरंत शक्ति, स्फूर्ति देने वाला फल है, जो मानव को स्वस्थ रखने में बहुत ही लाभदायक है। उन्होने बताया कि खजूर खाने से हृदय व मस्तिष्क को शक्ति मिलती है। वात, पित्त और कफ इन तीनों दोषों का शामक है और हृदय रोग में भी बहुत ही लाभकारी माना जाता है। संजीवनी अस्पताल निर्देशक डाक्टर रामवीर गोस्वामी ने बताया कि 50 ग्राम छुहारे को गुठली समेत 250 मिलीलीटर पानी में रात को भिगो दे और अगली सुबह इन छुहारों को पीसकर पेस्ट बनाकर उसी बचे हुए पानी में घोल ले। इसे प्रात: खाली पेट पीने से कुछ ही दिनों में हृदय रोग को पर्याप्त सफलता मिलती है और रात को खजूर भिगोकर सुबह दूध के साथ खाने से मस्तिष्क व हृदय को ताकत मिलती है। रक्त की कमी के कारण होने वाली हृदय की धडक़न व एकाग्रता की कमी में यह प्रयोग लाभदायी है। संजीवनी अस्पताल निर्देशक डाक्टर रामवीर गोस्वामी ने बताया कि बच्चों को रोज दूध में खजूर उबालकर देने से उन्हे शारीरिक-मानसिक पोषण मिलता है। शरीर मजबूत बनता है और खजूर में कार्बोहाईड्रेटस, प्रोटीन, कैल्शियम, पोटेशियम, मैग्नीशियम, लोहे आदि तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते है।

बाजार को जाम मुक्त बनाने के लिए बेरिकेट लगाकर पुलिस जवान किए गए तैनात

सोहना,(वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता): यहां पर जाम की समस्या से जूझ रहे बाजार को पूरी तरह जाम मुक्त बनाने और चार पहिया वाहन को भीड़ भरे बाजार में आवाजाही से रोकने के लिए पुलिस प्रशासन मुस्तैद नजर आ रहा है। सोहना जोन के सहायक पुलिस आयुक्त मुकेश कुमार ने बताया कि बाजार को जाम मुक्त बनाने के लिए शहर में पुराने तहसील कार्यालय के सामने और लेबर चौक पर बेरिकेट लगाकर पुलिस जवान तैनात किए गए है, जो ना केवल चार पहिया वाहनों को बाजार में घुसने से रोक कर रहे है बल्कि ना मानने वालों के मौके पर ही ऑनलाइन चालान काटकर ऐसी गाडिय़ों को कब्जा पुलिस में ले रहे है। उन्होने बताया कि इसके साथ-साथ बिना नम्बरी और बिना कागजातों तथा बिना हैल्मेट के दोपहिया वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ भी अभियान चलाया जा रहा है। पकड़ में आने वाले वाहन चालकों के ऑनलाइन चालान काटने के साथ-साथ दोपहिया वाहनों को कब्जा पुलिस में लिया जा रहा है।

गांव बैरमपुर में किसान एक साथ बैठकर सुनेंगे प्रधानमंत्री के मन की बात : भाजपा नेता जगदीश अंबावता



सोहना,(वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता): भाजपा गुरूग्राम महानगर में जिलाउपाध्यक्ष चौधरी जगदीश अंबावता बैरमपुर का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात कार्यक्रम को लेकर रविवार, 29 नवम्बर को सुबह 11 बजे होने वाले प्रसारण को लेकर 90 के 90 विधानसभा क्षेत्रों में हर मतदान केन्द्र पर लोग मन की बात सुनने के लिए तत्पर नजर आ रहे है। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 100 प्रमुख स्थानों पर मन की बात सुनने के लिए 100-100 कार्यकर्ताओं और लोगों को प्रत्येक स्थान पर इकटठा करने का लक्ष्य रखा गया है। भाजपा गुरूग्राम महानगर में जिलाउपाध्यक्ष चौधरी जगदीश अंबावता बैरमपुर ने बताया कि मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ऐसे मनुष्य, संस्थान, प्रतिष्ठान आदि जो जीवन व समाज सुधार के लिए उल्लेखनीय कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करते है, उनसे देश को अवगत कराते है। इस बार प्रदेश में मन की बात सुनने के लिए पार्टी ने सर्वसमाज के लोगों को उनके नजदीक लगने वाले बूथों पर विशेष रूप से आमंत्रित किया है।

चोरी की मोटरसाइकिल समेत आरोपी गिरफ्तार- छह मामले सुलझे

सोहना,(वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता): सीआईए पुलिस ने शुक्रवार को मोटरसाइकिल चोर गिरोह के एक आरोपी को एक स्थान पर लगाए गए नाके पर घेराबंदी डाल पकडऩे में कामयाबी पाई है। पकड़े गए आरोपी की पहचान 32 वर्षीय काला उर्फ मैनेजर निवासी गांव गढ़ी, जिला नूह मेवात मूल निवासी जनपद डीग, राजस्थान के रूप में हुई है। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उसने यह मोटरसाइकिल एक स्थान से ताला तोडक़र चोरी की थी। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी करके छुपाई गई 6 मोटरसाइकिलें भी बरामद करने तथा मोटरसाइकिल चोरी के 6 मामले सुलझाने में कामयाबी पाई है। पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ चल रही है।

नगरपरिषद की लापरवाही पड़ रही भारी-राजीव गांधी पार्क के सामने लगे कूड़े के ढेर

ओपन सर्च/ वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता

सोहना। यहां पर नगरपरिषद प्रशासन की लापरवाही आम जनमानस पर भारी पड़ रही है। नगरपरिषद प्रशासन सही से सफाई को तवज्जो देने की बजाय नजरअंदाज कर रहा है। योगाचार्य, महेश आर्य, प्रहलाद गुप्ता, मुकेश गर्ग एडवोकेट, नवीन गोयल मालबिया, डाक्टर सतीश जुनेजा और योगा के लिए नियमित रूप से राजीव गांधी पार्क में आने वाले लोगों ने बताया कि यहां पर राजीव गांधी पार्क के सामने प्लास्टिक की पन्नियों व कूड़े के ढेर लगे हुए है, जो स्वच्छता अभियान को भी पलीता लगा रहे हैं। शाम होते ही यहां पर प्लास्टिक के गिलास दोना पत्तल, कूड़ा-कर्कट व गंदगी का सडक़ पर ही ढेर लग जाते है तथा रेहड़ी वाले केले के छिलके नाले में भरकर रफुचक्कर हो जाते है। राजीव गांधी पार्क के सामने जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे है, जिन पर मक्खियां भिनभिना रही है और मौसमी बीमारियां फैलने का अंदेशा बन गया है। नाम व पहचान का खुलासा ना किए जाने पर सूत्रों ने बताया कि राजीव गांधी पार्क के सामने और आसपास आईसक्रीम, गोलपप्पे, सब्जी व मूंगफली, फल, अंडे आदि की रेहड़ी लगाने वाले लोग अंधेरा होते ही ग्राहकों के झूठे दौना-पत्तल, प्रयोग में लाई गई प्लास्टिक की पॉलीथीन तथा घरों व दुकानों से निकलने वाला कूड़ा-कर्कट आदि का ढेर सडक़ पर ही लगाकर भाग जाते है जबकि पड़ोस में रहने वाले एक दुकानदार ने नाम व पहचान का खुलासा ना किए जाने की शर्त पर बताया कि कूड़े के ढेर को उठाने के लिए नगरपरिषद के कर्मचारियों को कई बार फोन किया लेकिन वह भी कूड़ा उठाने में आनाकानी कर जाते है। इससे जाहिर हो रहा है कि सफाईकर्मी भी इस तरफ ध्यान नही दे रहे है।

नए बनने वाले खेलस्टेडियमों में होगी आधुनिक सुविधाएं : विधायक तेजपाल तंवर

ओपन सर्च/ वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता



सोहना। सोहना हलका से भाजपा विधायक चौधरी तेजपाल सिंह तंवर ने बताया कि सोहना ब्लॉक के आदर्श गांव सरमथला और टीकली में सात-सात एकड़ भूमि में जल्द बनने वाले खेलस्टेडियमों में कम से कम 7-7 खेल स्पर्धाओं की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी और इन दोनों खेलस्टेडियमों में बनाए जाने वाले बड़े हॉल में कई-कई खेल प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की जा सकेगी। ऐसा होने पर ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को अपने घर-गांव में ही खेल की सुविधा मिलने पर जहां खेलों को बढ़ावा मिलेगा, वही खेलों को भी ज्यादा प्रोत्साहन मिलेगा। सोहना ब्लॉक के आदर्श गांव भौंड़सी में भाजपा जिला कार्यकारिणी मैंबर और भारत रक्षा मंच के प्रांतमंत्री रामकिशन राघव के कार्यालय पर शुक्रवार को आयोजित की गई कार्यकर्ता बैठक में मौजूद कार्यकर्ताओं के बीच मुख्य वक्ता रूप में बोलते हुए उन्होने बताया कि उनका प्रयास है कि बास्केटबाल का मैदान सिंथेटिक तैयार किया जाए। उन्होने बताया कि इन दोनों खेलस्टेडियमों का निर्माण हरियाणा कृषि विपणन बोर्ड करवाएगा। भाजपा विधायक चौधरी तेजपाल सिंह तंवर ने बताया कि गांव सरमथला व टीकली में बनने वाले इन खेलस्टेडियमों के निर्माण पर 16 करोड़ की धनराशि खर्च होगी। उन्होने बताया कि खेलस्टेडियमों में स्वीमिंगपूल के साथ-साथ एथलेटिक्स, बास्केटबाल, टेबलटेनिस, बैडमिंटन और बालीबाल खेलों की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही 50 मीटर लम्बा स्वीमिंगपूल बनाया जाएगा, जिसमें तैराकी का प्रशिक्षण देने के लिए कम से कम 10 लेन होगी। उन्होने बताया कि इन दोनों खेलस्टेडियमों में एक-एक बड़े हॉल का निर्माण होगा, जिसमें कुश्ती, जूड़ो-कराटे वुशू, मुक्केबाजी जैसे इंडोर खेल स्पर्धाओं की तैयारी व आयोजन हो सकेंगे। भाजपा विधायक चौधरी तेजपाल सिंह तंवर ने बताया कि गांव टीकली और ताऊ देवीलाल स्टेडियम की दूरी करीब 12 से 13 किलोमीटर है तो वही गांव सरमथला से ताऊ देवीलाल स्टेडियम के बीच की दूरी करीब 38 किलोमीटर है। सोहना ब्लॉक के इन दोनों आदर्श गांवों में आधुनिक तर्ज पर खेलस्टेडियमों का निर्माण होने पर आसपास लगते काफी गांवों की छुपी हुई खेल प्रतिभाओं को खेल सुविधाएं मिलने पर आगे आने का मौका मिलेगा और टेबलटेनिस, तैराकी, बास्केटबाल तथा बैडमिंटन आदि खेलस्पर्धाओं में प्रशिक्षण लेने के लिए उन्हे जिला मुख्यालय स्थित ताऊ देवीलाल खेलस्टेडियम में आने-जाने की बजाय अपने ही गांव में बने खेलस्टेडियमों में यह सुविधाएं मिलने पर समय व पैसे दोनों की बचत होगी। इस मौके पर सोहना मार्किटकमेटी चेयरमैन चौधरी दयाराम लोहिया, भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक व सोहना मार्किटकमेटी मैंबर डाक्टर रामवीर गोस्वामी, भाजपा किसान मोर्चा में जिलाउपाध्यक्ष व सराय ग्रामपंचायत के पूर्व सरपंच चौधरी समयपाल भड़ाना, धर्मेन्द्र तंवर रामगढ़, भाजपा के जिलाप्रवक्ता व शिक्षाविद नरेन्द्र अधाना सिरसका, सोहना नगरपरिषद चेयरपर्सन प्रीति बागड़ी, भाजपा नेता राजेन्द्र सिंह बागड़ी, सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक के डायरेक्टर चौधरी धर्मबीर डागर अलीपुरिया, भाजपा किसान मोर्चा में भौंड़सी मंडल अध्यक्ष सरपंच सुरज्ञान सिंह, जिला योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष रहे चौधरी हरबीर अधाना, भारत रक्षा मंच के प्रांतमंत्री और भाजपा नेता रामकिशन राघव भौंड़सिया, भाजपा नेता योगेश तंवर, सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन चौधरी मामराज डागर अलीपुर, निर्मला चोपड़ा घामडोज, सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन मुकेश सैनी सोहनाढाणी, रंजीत सिंह राठौर, विधायक के निजी सहायक कर्मबीर अंबावता, धीरू नागर, भाजपा युवा मोर्चा के वरिष्ठ नेता विजय तंवर, भाजपा नेता महेंद्र डागर, नगरपालिका के पूर्व उपाध्यक्ष लेखराज विशेष रूप से मौजूद रहे।

डीजे का कानफोडू शोर लोगों की नींद में डाल रहा खलल-रोगी व बुजुर्ग परेशान

ओपन सर्च/ वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता

सोहना। विवाह-शादियों का सीजन चल रहा है। ऐसे में सडक़ों व आयोजन स्थलों के आसपास देर रात तक कानफोडू आवाज में बजने वाले डीजे से सभी परेशान है। डीजे का कानफोडू शोर रात में लोगों की नींद में खलल डाल रहा है तो रोगियों व बुजुर्गों को डीजे के शोर में ज्यादा परेशानियां झेलनी पड़ रही है। देखने वाली बात यह है कि रात 10 बजे के बाद डीजे बजाने पर रोक के आदेशों के बावजूद सोहना शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में यह आदेश पुलिस प्रशासन की लापरवाही और बरती जा रही अनदेखी के चलते हवा में उड़ते नजर आ रहे है। पुलिस की पीसीआर व राइडर भी डीजे के कानफोडू शोर को सुनने के बावजूद इन्हे बंद कराने की बजाय अनदेखी बरत रही है। देखने में आ रहा है कि विवाह-शादियों के सीजन में जगह-जगह शादी, लगन समेत विभिन्न तरह के कार्यक्रम आयोजित हो रहे है और खुशी के नाम पर आयोजित हो रहे यह तमाम समारोह शाम करीब 7 बजे से देर रात एक-डेढ़ बजे तक चलते है। प्रशासन की तरफ से डीजे बजाने का समय रात में 10 बजे तक का निर्धारित है लेकिन कार्यक्रम आधी-आधी रात तक चल रहे है तो डीजे भी औसतन 12-एक बजे तक बेरोकटोक तेज आवाज में बज रहे है। इसके अलावा आयोजन स्थल से कुछ दूर पहले रूकी बारात डीजे व ढोल-बैंड के साथ आयोजन स्थल तक जाती है, जिसमें करीब एक से 2 घंटे तक डीजे लगातार कानफोडू आवाज के साथ बजता रहता है। बारात स्थल पर बारात पहुंचने के बाद भी डीजे की धमक कम होने की बजाय ज्यादा बढ़ जाती है और इस दौरान लगातार बज रहे डीजे के शोर से आसपास एरिया में रहने वाले लोगों विशेषकर रोगियों व बुजुर्गों को दिक्कतें होती है और देर रात तक डीजे बजने से आसपास रहने वाले लोगों व परिवारों का सो पाना मुश्किल हो जाता है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार का कहना है कि इस तरह की शिकायतें बढ़ गई है। जहां से भी पुलिस कंट्रोल रूम अथवा सोशल मीडिया, टिवटर, पुलिस थानों में शिकायतें आती है। हर शिकायत पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच कर कार्रवाई कर रही है। आम तौर पर भी उस एरिया में गश्त कर रही टीम देर रात 10 बजे के बाद बजने वाले डीजे को देखकर खुद वहां जाकर बंद कराती है। सोहना जोन के सहायक पुलिस आयुक्त मुकेश कुमार ने बताया कि आगामी आदेशों तक के लिए प्रशासन ने रात 10 बजे के बाद डीजे व लाउडस्पीकर बजाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। निर्धारित नियमों की पालना ना करने और रात 10 बजे के बाद डीजे अथवा लाउडस्पीकर चलाते पकड़ में आने वालों के खिलाफ पुलिस में मुकदमे दर्ज किए जाएंगे। उन्होने बताया कि निर्धारित नियमों की पालना ना करने पर 5 वर्ष तक की कैद व एक लाख रुपए की जुर्माने की सजा का प्रावधान है। उन्होने आम जनमानस से भी आग्रह किया है कि वह जागरूक बने और किसी भी गांव, बाजार, वार्ड, गली, मोहल्ले अथवा किसी भी आयोजन स्थल पर रात 10 बजे के बाद डीजे अथवा लाउडस्पीकर चलता मिले तो तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम में 100 नंबर पर सूचना दी जाए ताकि पुलिस मौके पर पहुंच कर आरोपियों को पकड़ कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सके।

शारीरिक कमजोरी दूर करने में मददगार रहता है खजूर : डाक्टर प्रवीण यादव

ओपन सर्च/ वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता



सोहना। यहां पर शहर में खेलस्टेडियम मैदान के सामने स्थित वरदान अस्पताल व ट्रामासेंटर निर्देशक डाक्टर प्रवीण यादव ने खजूर को औषधीय गुणों से भरपूर बताते हुए कहा है कि सर्दियों में खजूर मधुर, शीतल, पौष्टिक और तुरंत शक्ति, स्फूर्ति देने वाला फल है, जो मानव को स्वस्थ रखने में बहुत ही लाभदायक है। उन्होने बताया कि खजूर खाने से हृदय व मस्तिष्क को शक्ति मिलती है। वात, पित्त और कफ इन तीनों दोषों का शामक है और हृदय रोग में भी बहुत ही लाभकारी माना जाता है। वरदान अस्पताल व ट्रामासेंटर निर्देशक डाक्टर प्रवीण यादव ने बताया कि 50 ग्राम छुहारे को गुठली समेत 250 मिलीलीटर पानी में रात को भिगो दे और अगली सुबह इन छुहारों को पीसकर पेस्ट बनाकर उसी बचे हुए पानी में घोल ले। इसे प्रात: खाली पेट पीने से कुछ ही दिनों में हृदय रोग को पर्याप्त सफलता मिलती है और रात को खजूर भिगोकर सुबह दूध के साथ खाने से मस्तिष्क व हृदय को ताकत मिलती है। रक्त की कमी के कारण होने वाली हृदय की धडक़न व एकाग्रता की कमी में यह प्रयोग लाभदायी है। वरदान अस्पताल व ट्रामासेंटर निर्देशक डाक्टर प्रवीण यादव ने बताया कि बच्चों को रोज दूध में खजूर उबालकर देने से उन्हे शारीरिक-मानसिक पोषण मिलता है। शरीर मजबूत बनता है और खजूर में कार्बोहाईड्रेटस, प्रोटीन, कैल्शियम, पोटेशियम, मैग्नीशियम, लोहे आदि तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते है।

ट्रक में 371 किलो गांजे के साथ सोहना में एसटीएफ ने किया दो युवकों को गिरफ्तार

ओपन सर्च/ वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता



सोहना। सोहना ब्लॉक के आदर्श गांव साचौली में एसटीएफ ने आज मुखबिर से मिली एक सूचना के आधार पर एक ट्रक में भरा 371 किलो गांजे समेत ट्रक चालक और उसके साथी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवकों की पहचान सज्जन तथा राम सिंह, जनपद चुरू, राजस्थान के रूप में हुई है। आरोपी ओडिशा से इस गांजे को ट्रक के भीतर प्लास्टिक के कटटों में भरकर ला रहा था। तलाशी के वक्त यह गांजा ट्रक के भीतर 19 कटटों में भरा मिला है। इस गांजे को वह ओडिशा से 2 हजार रुपए प्रति किलो में खरीद कर लाते थे और आसपास क्षेत्र में कई गुणा दामों पर 20 हजार रुपए प्रति किलोग्राम के हिसाब से गांजा पत्ती बेचते थे। इस काम को वह कई महीनों से कर रहे थे। इससे 15 से 20 हजार रुपए किलो गांजा खरीदने के बाद गांजा खरीदने वाले युवक आगे इस गांजे को खोखों, झुग्गी-झोपडिय़ों व चोरी-छिपे वाहन चालकों को गांजे की पुडिय़ा बेचकर मोटी कमाई कर रहे थे। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि स्पेशल टास्क फोर्स को मुखबिर खास से सूचना हाथ लगी कि दो युवक ट्रक में नशीला पदार्थ लेकर निकलने वाले है। यदि फौरन छापेमारी की जाए तो आरोपी युवकों को नशीली वस्तु से भरे ट्रक के साथ रंगे हाथों पकड़ा जा सकता है। सूचना को सही मान एसटीएफ पुलिस बताए गए स्थान पर पहुंच गई और सोहना ब्लॉक के आदर्श गांव साचौली में पुलिस नाका लगाकर वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी। इसी बीच जैसे ही वहां ट्रक आया, मौजूद पुलिस टीम ने ट्रक चालक को रूकने का संकेत किया। सामने पुलिस टीम होने को भांप ट्रक चालक व उसका थी ट्रक को सडक़ किनारे छोड़ भागने लगे लेकिन पुलिस ने घेराबंदी डाल आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस ने जब ट्रक की तलाशी ली तो उसमें प्लास्टिक के 19 कटटों में नशीला पदार्थ भरा मिला। तौल कराए जाने पर जिसका वजन 371 किलो पाया गया। जिस पर पुलिस ने पकड़ में आए गांजे व ट्रक समेत आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब पकड़ में आए आरोपियों से यह जानने का प्रयास कर रही है कि उनके साथ इस धंधे में और कौन-कौन लोग संलिप्त है और वह गांजा कहां से लाकर यहां किन-किन क्षेत्रों में सप्लाई कर रहे है ताकि पहचान में आते ही गांजा खरीदने व बेचने वालों को भी पकड़ा जा सके।

निर्धन कन्याओं का सामूहिक विवाह दस को होगा : लायन सुरजीत अरोड़ा

ओपन सर्च/ वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता

सोहना। सोहना लायंसक्लब के तत्वाधान में यहां पर शहर सोहना स्थित राघव वाटिका में निर्धन कन्याओं का सामूहिक विवाह आयोजन 10 जनवरी को होगा। लायंसक्लब के पूर्व प्रधान लायन सुरजीत अरोड़ा ने बताया कि यहां पर सोहना लायंसक्लब के तत्वाधान में जनसहयोग से 10 जनवरी को आयोजित किए जाने वाले निर्धन कन्याओं के सामूहिक विवाह समारोह में लायंसक्लब दानियों के सहयोग से इस सामूहिक विवाह में शादी करने वाले प्रत्येक जोड़े को दैनिक घरेलू उपयोग की वस्तुएं, स्वर्णाभूषण, कपड़े, बर्तन, घडिय़ां, बेड़ सहित तमाम सामान जनसहयोग से प्रदत करेगा। उन्होने बताया कि सामूहिक विवाह समारोह में अपनी कन्याओं का विवाह कराने के इच्छुक अभिभावक लायन सुभाष गुप्ता, लायन राकेश संदूजा, लायन सरदार अवतार सिंह, लायन राकेश अरोड़ा के पास से निशुल्क रूप में आवेदन प्राप्त कर जरूरी औपचारिकताओं को पूरा कर वही पर जमा करा सकते है। उन्होने बताया कि सामूहिक विवाह समारोह आयोजन को लेकर क्लब सदस्यों व शहरवासियों, हलके के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। उन्होने बताया कि क्लब द्वारा समय-समय पर आंखों के मुफ्त आपेरशन शिविर, स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर, पर्यावरण सुधार कार्य, स्वर्गाश्रम सौन्दर्यकरण, शीतल पेयजल सुविधा, वस्त्र वितरण, रक्तदान शिविर, छात्र प्रोत्साहन, वरिष्ठ नागरिक सम्मान, कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ जागरूकता अभियान, सामाजिक आपदा से पीड़ितों को आवश्यक सहायता, मुफ्त जर्सी व कंबल वितरण, जल सरंक्षण, विकलांग सेवा, लावारिस व असमर्थ शवों का अंतिम संस्कार, नागरिक अस्पताल में बने पार्क का सौन्दर्यकरण तथा 50 चयनित गरीब परिवारों को माहवार रूप में मुफ्त अन्न वितरण आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसके अलावा भी क्लब सामाजिक व रचनात्मक कार्यों में अग्रसर रहता है।

उन्होने बताया कि लायंसक्लब के तत्वाधान में यह सामूहिक विवाह आयोजन 10 जनवरी को आयोजित होगा, जिसमें हिंदू धर्म में आस्था रखने वाले वर-वधू अग्नि को साक्षी मानकर फेरे लेंगे जबकि मुस्लिम धर्म में आस्था रखने वाले नवविवाहित जोड़ों का निकाह कराया जाएगा। विवाह आयोजन वाले दिन प्रात: 11 बजे चढ़त का आयोजन होगा। सभी दूल्हों की सामूहिक बारात बाजार में विभिन्न मार्गों से निकलते हुए समारोह स्थल पर पहुंचेगी, जहां बारात का स्वागत किया जाएगा। दोपहर में वरमाला व निकाह के बाद सामूहिक प्रीतिभोज का आयोजन रखा गया है।

सोहना में विवाह-शादियों के चलते सड़कों पर बार-बार कई घंटों का लग रहा है जाम

ओपन सर्च/ वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता

सोहना। सोहना क्षेत्र में विवाह-शादियों की चंहु ओर धूम मची है। विवाह-शादियों के चलते सोहना में लगभग सभी सडक़ों पर वाहनों के भारी आवागमन से बार-बार जाम लग रहा है। जिससे लोगों को खासी दिक्कतें झेलनी पड़ रही है लेकिन सडक़ों पर जगह-जगह जाम लगने के बावजूद यातायात पुलिस कही नजर नही आ रही है और ना ही लोगों को यह जानकारी दी जा रही है कि किस सडक़ मार्ग पर जाम लगा है। आप रूट कन्वर्ट कर किस सडक़ मार्ग से निकले। शहर के मुख्य सडक़ मार्गों पर जाम लगे होने से लोगों ने वैकल्पिक मार्ग का प्रयोग किया तो वहां भी वाहनों के भारी आवागमन से जाम के हालात बन गए। जब लोगों ने कॉलोनियों और गलियों का रूख किया तो स्थिति और ज्यादा खराब हो गई लेकिन ताज्जुब की बात यह है कि कॉलोनियों, गलियों और बाजारों में जगह-जगह जाम होने के बावजूद यातायात पुलिसकर्मी जाम खुलवाने के लिए कही नजर नही आए। देखने में आ रहा है कि यहां पर सोहना शहर के बाईपास क्षेत्र में गोल सर्कल पर यातायात पुलिस की जो चौकी बनी हुई है, शाम होने के बाद इस चौकी में तैनात जवान और प्रभारी समेत सभी नदारद नजर आते है। रात के वक्त यातायात पुलिस का कोई भी जवान चौकी में मौजूद नही होता। ऐसे में रात के वक्त यातायात पुलिस की गैर मौजूदगी के चलते वाहनों के आड़े-तिरछे खड़े होने और बार-बार जाम के हालात बनने पर रात में वाहन चालक परेशान हो रहे है लेकिन कही-कोई, देखने-सुनने वाला नही है। ऐसा ही नजारा शहर में देखने को मिल रहा है। दिन में बाजारों में बार-बार जाम लगने के बावजूद यातायात पुलिस भीड़ भरे बाजार में जगह-जगह



जहां-तहा चार पहिया वाहन खड़े करने वाले वाहन चालकों के वाहनों के चालान काटने की बजाय दिखाई ही नही पड़ रही है। जिस कारण शहर में शहीद भगत सिंह फौहारा चौक के साथ-साथ सीनियर सैकेंडरी गल्र्ज विद्यालय, नगरपरिषद कार्यालय के बाहर और महाराजा अग्रसेन पार्क के इर्द-गिर्द, बसअडडा रोड़ समेत विभिन्न बाजारों में सडक़ किनारे खड़ी गाडिय़ां जाम लगाने में सहायक बन रही है। बाजार में खरीददारी के लिए आए ग्राहक व दुकानदारों और राहगीरों समेत सभी परेशान हो रहे है पर कोई देखने-सुनने वाला नजर नही आ रहा है। इधर विवाह-शादियों के चलते फूल व डेकोरेशन करने वालों का धंधा भी तेजी से चमक गया है। वही बाजार में एक से एक महंगे शादी कार्ड देखने को मिल रहे है। पाया जा रहा है कि आज आधुनिक युग और आपसी प्रतिस्पर्धा के चलते शहर हो या देहात सभी लोग विवाह के कार्ड छपवाने में स्टाइलिश कार्डों को ज्यादा महत्व दे रहे है। ऐसे में ब्यूटीपार्लरों की भी मौज बन आई है। दुल्हन के साथ-साथ दुल्हनिया की सखियों और परिवार की महिलाओं को सजने-संवरने के लिए ब्यूटी पार्लरों पर आना-जाना बढ़ गया है। वही दूल्हे राजा की गाड़ी को सजाने को लेकर फूल विक्रेताओं और गाड़ी सजाने वालों के यहां एक से एक लग्जरी गाडिय़ों की लाइनें लगने लगी है। पाया जा रहा है कि अपनी जीवन साथी को ब्याह कर लाने और डोली के लिए एक से एक बेशकीमती व लग्जरी गाडिय़ों की मुंहमांगे दामों पर बुकिंग हो रही है। इसके अलावा दूल्हा-दुल्हन को एक-दूजे का बनाने वाली परिणय सूत्र में बांधने वाली वरमाला ने भी मार्डन रूप ले लिया है। पैसे की चकाचौंध के चलते अब गुलाब फूलों के साथ-साथ आर्गेट व लिली के फूलों से बनी महंगी वरमालाओं की मांग ज्यादा देखने को मिल रही है। फूल विक्रेताओं का कहना है कि आर्गेट व लिली के फूलों से बनी वर-वधूमाला की कीमत उसके वजन और सजावट के आधार पर फिलहाल 5 हजार रुपए से लेकर 20 हजार रुपए तक चल रही है। यहां पर देखने में आ रहा है कि विवाह-शादियों में वाहनों की रेलमपेल के चलते सडक़ों पर जाम लगने लगा है। किसी भी गली, रास्ते, सडक़ से निकले आपको चंहु ओर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें और सडक़ पर जाम ही जाम दिखलाई पड़ेगा। कई बार तो यह जाम यहां कई-कई घंटा लंबा लग जाने से लोग परेशान है लेकिन चाहकर भी कुछ नहीं कर पा रहे है। युवा समाजसेवी अनिल भारद्वाज कोकी, गांव रायसीना के रहने वाले इंजीनियर मोनी यादव, गांव सिरसका के रहने वाले कर्मपाल बोकन, गांव लोहटकी के नंबरदार धर्मबीर खटाना, गढ़ीमुरली गांव के रहने वाले नंबरदार गंगाराम यादव, गांव रायपुर के रहने वाले विजय सिंह डागर आदि जागरूक लोगों का कहना है कि ब्याह-शादियों के सीजन को देखते हुए पुलिस प्रशासन को सडक़ों पर यातायात सुचारू बनाने हेतु विशेष कदम उठाने चाहिए।

शारीरिक कमजोरी दूर करने में मददगार रहता है खजूर : डाक्टर राशिद खान



सोहना,(वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता): यहां पर गांव सांपकीनंगली मोड के समीप स्थित लाइफ केयर स्वास्थ्य केन्द्र निर्देशक डाक्टर राशिद खान ने खजूर को औषधीय गुणों से भरपूर बताते हुए कहा है कि सर्दियों में खजूर मधुर, शीतल, पौष्टिक और तुरंत शक्ति, स्फूर्ति देने वाला फल है, जो मानव को स्वस्थ रखने में बहुत ही लाभदायक है। उन्होने बताया कि खजूर खाने से हृदय व मस्तिष्क को शक्ति मिलती है। वात, पित्त और कफ इन तीनों दोषों का शामक है और हृदय रोग में भी बहुत ही लाभकारी माना जाता है। लाइफ केयर स्वास्थ्य केन्द्र निर्देशक डाक्टर राशिद खान ने बताया कि 50 ग्राम छुहारे को गुठली समेत 250 मिलीलीटर पानी में रात को भिगो दे और अगली सुबह इन छुहारों को पीसकर पेस्ट बनाकर उसी बचे हुए पानी में घोल ले। इसे प्रात: खाली पेट पीने से कुछ ही दिनों में हृदय रोग को पर्याप्त सफलता मिलती है और रात को खजूर भिगोकर सुबह दूध के साथ खाने से मस्तिष्क व हृदय को ताकत मिलती है। रक्त की कमी के कारण होने वाली हृदय की धडक़न व एकाग्रता की कमी में यह प्रयोग लाभदायी है। लाइफ केयर स्वास्थ्य केन्द्र निर्देशक डाक्टर राशिद खान ने बताया कि बच्चों को रोज दूध में खजूर उबाल कर देने से उन्हे शारीरिक-मानसिक पोषण मिलता है। शरीर मजबूत बनता है और खजूर में कार्बोहाईड्रेटस, प्रोटीन, कैल्शियम, पोटेशियम, मैग्नीशियम, लोहे आदि तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते है।

सोहना में अंतिम रविवार को बाजार रहेगा बंद : व्यापारी नेता मनोज बजरंगी

सोहना,(वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता): यहां पर व्यापारमंडल संघ से जुड़ी सभी ट्रेड यूनियनों की सामूहिक बैठक शुक्रवार को व्यापारमंडल संघ के अध्यक्ष मनोज बजरंगी की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें सभी ट्रेड यूनियनों और व्यापारमंडल संघ के तमाम पदाधिकारियों और आमंत्रितों ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया। कई घंटों लंबी चली इस बैठक में विभिन्न ट्रेड यूनियनों के पदाधिकारियों ने बताया कि महीने के अंतिम रविवार यानी 29 नवम्बर को प्रत्येक दुकान पूरी तरह बंद रखी जाए। जिस पर सर्वसम्मति बनाकर एक राय से व्यापारमंडल संघ से जुड़ी सभी ट्रेड यूनियनों ने सामूहिक रूप से फैसला लिया है कि महीने के आखिरी रविवार को बाजार में सभी दुकानें बंद रखी जाएगी। रविवार वाले दिन गली-मोहल्लों में खुली रहने वाली दुकानों के साथ-साथ हाथरेहडियों, पटरियों व खोखे आदि भी बंद रहेंगे। लिए गए फैसले से व्यापारमंडल संघ द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से सभी व्यापारियों को अवगत करा दिया गया है और आग्रह किया गया है कि वह व्यापारमंडल संघ द्वारा लिए गए निर्णय को ईमानदारी से अमलीजामा पहनाए। उपरोक्त जानकारी देते हुए व्यापारमंडल संघ के प्रधान मनोज बजरंगी ने बताया कि व्यापारमंडल संघ के तमाम पदाधिकारी दुकान-दुकान जाकर प्रत्येक व्यापारी को जागरूक बना रहे है। सोहना व्यापारमंडल संघ ने एक राय बनाकर सर्वसम्मति से फैसला लिया है कि सोहना का प्रत्येक व्यापारी महीने के आखिरी रविवार को अपनी दुकानें स्वेच्छापूर्वक बंद रखेगा। उन्होने तमाम व्यापारी समाज से आग्रह किया है कि सभी व्यापारी यहां तक कि हाथ रेहड़ी, ठेली, पटरी पर सामान बेचने वाले दुकानदार भाईयों समेत सभी खुदरा व थोक व्यापारी महीने के आखिरी रविवार को सभी अपने-अपने प्रतिष्ठानों को पूर्णतया बंद रखकर अपना अहम योगदान दे।

रीना यादव दोबारा से बनी भाजपा महिला की जिलाध्यक्ष-पार्टी कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

सोहना,(वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता): सोहना ब्लॉक के आदर्श गांव सिरसका में रहने वाले भाजपा गुरूग्राम महानगर में जिलाप्रवक्ता व शिक्षाविद नरेन्द्र अधाना तथा भाजपा गुरूग्राम महानगर में जिलाउपाध्यक्ष चौधरी जगदीश अंबावता बैरमपुर ने शुक्रवार को यहां पर जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय जनता पार्टी की प्रदेशाध्यक्ष डाक्टर अर्चना गुप्ता के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में गुरुग्राम महानगर महिला मोर्चा की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती रीना यादव को महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर भाजपा गुरुग्राम महानगर के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह यादव के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों ने प्रदेशाध्यक्ष डाक्टर अर्चना गुप्ता से भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया। उन्होने बताया कि इस मौके पर भाजपा गुरूग्राम महानगर के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह यादव ने रीना यादव को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि रीना यादव अपनी संगठनात्मक क्षमता, अनुभव और समर्पण के साथ महिला मोर्चा को और अधिक मजबूत करेंगी तथा संगठन की नीतियों एवं सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को महिलाओं तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इधर सोहना विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की वरिष्ठ नेत्री व शिक्षाविद डाक्टर पलक वर्मा, भाजपा नेत्री व नगरनिगम पार्षद भारती मनीष हरसाना, गांव भौंड़सी में रहने वाली भाजपा की जिलासचिव पूजा राघव समेत पार्टी के विभिन्न पदाधिकारियों ने रीना यादव के उज्ज्वल कार्यकाल की कामना करते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में महिला मोर्चा संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति देगा और गुरुग्राम महानगर में महिलाओं की भागीदारी को और अधिक सशक्त करेगा।

संविधान के प्रति जागरूक रहकर लोकतंत्र को बनाए मजबूत : व्यापारी नेता गौरव सिंगला



सोहना,(वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता): यहां पर संविधान दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में आमंत्रितों ने जातपात और पार्टीबाजी जैसे संकीर्ण विचारों से ऊपर उठकर हिस्सा लिया। बर्तन विक्रेता व्यापारी एसोसिएशन के प्रधान देविन्द्र अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित किए गए संविधान दिवस जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य वक्ता रूप में बर्तन विक्रेता व्यापारी एसोसिएशन से जुड़े युवा समाजसेवी और लायंसक्लब सोहना सिटी में मैंबरशिप चेयरपर्सन गौरव सिंगला मौजूद रहे। इस मौके पर उपस्थितों के बीच मुख्य वक्ता रूप में बोलते हुए बर्तन विक्रेता व्यापारी एसोसिएशन से जुड़े युवा समाजसेवी और लायंसक्लब सोहना सिटी में मैंबरशिप चेयरपर्सन गौरव सिंगला ने मौजूद लोगों को संविधान से अवगत कराया और बताया कि लोकतांत्रिक देश भारत में संवैधानिक प्रणाली किस तरह काम करती है तथा सभी को समानता का अधिकार देती है। उन्होने ग्रामीणों को संविधान की जरूरत, इसे बनाने में योगदान और संविधान की शक्तियों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि देश के लिए तैयार किए गए संविधान को 26 नवंबर, 1949 को भारतीय संविधान सभा द्वारा अपनाया गया। इसके बाद 26 नवंबर, 1950 को इसे लोकतांत्रिक प्रणाली के साथ लागू किया।

स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय चौधरी रणबीर हुडडा के जीवन से प्रेरणा ले : कांग्रेस नेता मनीष खटाना

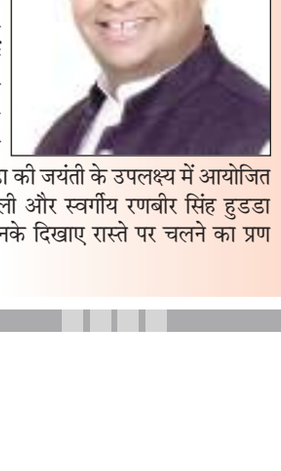

सोहना,(वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता): स्वतंत्रता सेनानी चौधरी रणबीर सिंह हुडडा जयंती के उपलक्ष्य में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की हलका स्तरीय बैठक गांव दमदमा में आयोजित हुई। बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं के बीच मुख्य वक्ता रूप में बोलते हुए सोहना विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता व हरियाणा कांग्रेस के राज्य प्रवक्ता मनीष खटाना ने स्वतंत्रता सेनानी एवं राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री के पिता स्वर्गीय चौधरी रणबीर सिंह हुडडा की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किए गए हवन-यज्ञ में आहुतियां डाली और स्वर्गीय रणबीर सिंह हुडडा के जीवन चरित्र से प्रेरणा लेते हुए उनके दिखाए रास्ते पर चलने का प्रण भी सामूहिक रूप से लिया है।

भाजपा गुरुग्राम के छह मोर्चों के जिलाध्यक्ष नियुक्त-संगठन को मिलेगी नई ऊर्जा और मजबूती : भाजपा नेता धर्मबीर डागर

ओपन सर्च/ वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता



सोहना। भाजपा के वरिष्ठ क्षेत्रीय नेता तथा सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक के डायरेक्टर चौधरी धर्मबीर डागर अलीपुरिया ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी हरियाणा की प्रदेशाध्यक्ष डाक्टर अर्चना गुप्ता के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में भाजपा गुरुग्राम के छह मोर्चों के जिलाध्यक्षों की नियुक्तियां की गई हैं। इन नियुक्तियों के अंतर्गत युवा मोर्चा का जिलाध्यक्ष प्रदीप यादव, ओबीसी मोर्चा का जिलाध्यक्ष पीयूष सैनी, महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष विशिका जैन, किसान मोर्चा का जिलाध्यक्ष मुकेश जैलदार, अनुसूचित जाति मोर्चा का जिलाध्यक्ष नरेश नीमवाल, अल्पसंख्यक मोर्चा का जिलाध्यक्ष हर्ष जैन को नियुक्त किया गया है। भाजपा के वरिष्ठ क्षेत्रीय नेता तथा सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक के डायरेक्टर चौधरी धर्मबीर डागर अलीपुरिया ने सभी नवनियुक्त मोर्चा जिलाध्यक्षों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व, संगठनात्मक कौशल, निष्ठा एवं समर्पण से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी तथा जमीनी स्तर पर संगठन और अधिक सुदृढ़ होगा। उन्होने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र प्रथम, अंत्योदय और जनसेवा के सिद्धांतों पर आधारित विचारधारा एवं कार्यकर्ता प्रधान संगठन है। भाजपा में पद प्रतिष्ठा का नहीं, बल्कि सेवा और जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सभी नवनियुक्त पदाधिकारी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद एवं अंत्योदय के दर्शन को आत्मसात करते हुए संगठन की विचारधारा, रीति-नीति तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। उन्होने कहा कि भाजपा के सभी मोर्चे संगठन की मजबूत आधारशिला होने के साथ-साथ समाज और संगठन के बीच महत्वपूर्ण सेतु हैं। संगठन विस्तार, कार्यकर्ता निर्माण, बूथ सशक्तिकरण एवं जनसेवा को प्राथमिकता देते हुए सभी पदाधिकारी अपने दायित्वों का पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करे। उन्होने कहा कि नवनियुक्त मोर्चा जिलाध्यक्षों की नियुक्ति संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भाजपा की वास्तविक शक्ति उसके कर्मठ, समर्पित एवं विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध कार्यकर्ता हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी नवनियुक्त मोर्चा जिलाध्यक्ष अपने नेतृत्व एवं कार्यकुशलता से संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति प्रदान करेंगे और जनसेवा के संकल्प को और अधिक मजबूत बनाएंगे। उन्होंने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों के सफल, सक्रिय एवं उपलब्धिपूर्ण कार्यकाल की मंगलकामनाएं की।

सोहना में पिकअप में लगी आग-कार चालक बाल-बाल बचा





ओपन सर्च/ वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता

सोहना। यहां पर शहर में आज यूनियन बैंक के समीप एक पिकअप में अचानक आग लग गई। गनीमत यह रही कि पिकअप से आग की लपटे उठती देख पिकअप चालक फुर्ती से पिकअप से कूद गया। जिससे उसकी जान बच गई। पिकअप में सीएनजी किट लगी थी। पिकअप में आग लगने की जानकारी पाकर सोहना दमकल उपकेन्द्र से अग्निशमन गाड़ी और पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गई। दमकल अधिकारी जयबीर भड़ाना ने बताया कि पेट्रोल आधारित इस पिकअप में सीएनजी किट लगी सामने आई है। पुलिस हादसे की जांच में जुटी है। उन्होने बताया कि पिकअप चालक से जानकारी लेने पर सामने आया कि यह गाड़ी अमेजान में लगी थी और इसमें डेढ़ लाख रुपए के करीब सामान भरा हुआ था। गाड़ी में अचानक आगे की तरफ से धुआ उठते देख उसने गाड़ी को सडक़ किनारे लगा दिया। इसी बीच इंजन ने तेजी से आग पकड़ ली और पूरी गाड़ी आग की चपेट में आकर आग का शोला बन गई।

भ्रष्टाचार के विरुद्ध हरियाणा एसवी एंड एसीबी की बड़ी कार्रवाई-वर्ष-2026 में अब तक 239 मामले दर्ज-200 ट्रैप कार्रवाई और 375 चालान दाखिल

ओपन सर्च/ वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता

सोहना। हरियाणा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसवी एंड एसीबी) द्वारा भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत वर्ष-2026 में लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। ब्यूरो ना केवल रिश्वतखोरी के मामलों में त्वरित कार्रवाई कर रहा है, बल्कि दर्ज मामलों की जांच पूरी करने और दोषियों के विरुद्ध न्यायालयों में प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करने पर भी विशेष ध्यान दे रहा है। 23 नवंबर, 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार, ब्यूरो ने इस वर्ष कुल 239 मामले दर्ज किए हैं, जबकि रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकडऩे के लिए 200 ट्रैप मामले दर्ज किए गए हैं। इस अवधि में 212 मुख्य चालान और 163 सप्लीमेंट्री चालान न्यायालयों में दाखिल किए जा चुके हैं। इस बारे में जानकारी देते हुए ब्यूरो प्रमुख एएस चावला ने बताया कि ब्यूरो द्वारा एक जनवरी से 23 नवंबर, 2026 तक कुल 200 ट्रैप मामले दर्ज किए गए, जिनमें 171 इन ट्रैप और 29 आउट ट्रैप मामले शामिल हैं। जिला स्तर पर गुरुग्राम में सर्वाधिक 41 ट्रैप मामले दर्ज किए गए। इसके अतिरिक्त हिसार में 39, रोहतक में 37, फरीदाबाद में 28, करनाल में 30, अंबाला में 18 और पंचकूला में 7 ट्रैप मामले दर्ज किए गए। उन्होंने कहा कि इन कार्रवाइयों के माध्यम से ब्यूरो ने भ्रष्टाचार में संलिप्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए स्पष्ट संदेश दिया है कि रिश्वतखोरी के मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि ब्यूरो ने इस वर्ष दर्ज किए गए सभी 239 मामलों की एफआईआर 'हरसमय' पोर्टल पर अपलोड की हैं। जिला स्तर पर गुरुग्राम और हिसार में 50-50 मामले दर्ज किए गए, जबकि रोहतक में 39, करनाल में 32, फरीदाबाद में 30, अंबाला में 21 और पंचकूला में 17 मामले दर्ज किए गए। इससे मामलों के पंजीकरण और संबंधित जानकारी को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने की दिशा में ब्यूरो की कार्यप्रणाली का पता चलता है। उन्होंने बताया कि भ्रष्टाचार के मामलों में ब्यूरो की कार्रवाई केवल आरोपियों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक मामले की गहन एवं निष्पक्ष जांच पूरी कर उसे प्रभावी कानूनी कार्रवाई तक पहुंचाना भी प्राथमिकता है। जांच के दौरान साक्ष्यों का संकलन, तथ्यों का सत्यापन और कानूनी पहलुओं का बारीकी से परीक्षण सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने वाले चालान मजबूत और तथ्यात्मक आधार पर तैयार हों। उन्होंने कहा कि समयबद्ध जांच और न्यायालय में प्रभावी पैरवी से ही भ्रष्टाचार के मामलों में जवाबदेही सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने बताया कि 23 नवंबर, 2026 तक ब्यूरो द्वारा कुल 212 मुख्य चालान तथा 163 सप्लीमेंट्री चालान न्यायालयों में दाखिल किए जा चुके हैं। इस प्रकार वर्ष के दौरान अब तक कुल 375 मुख्य एवं सप्लीमेंट्री चालान प्रस्तुत किए गए हैं। यह ब्यूरो द्वारा दर्ज मामलों की जांच को आगे बढ़ाने और उन्हें न्यायिक प्रक्रिया तक पहुंचाने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जांच में अनावश्यक देरी ना हो तथा प्रत्येक मामले में निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए समय पर चालान दाखिल किया जाए, ताकि भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों का प्रभावी ढंग से निस्तारण हो सके। एसवी एंड एसीबी प्रमुख डाक्टर ए.एस. चावला ने कहा कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के लिए केवल शिकायत प्राप्त होने पर ट्रैप करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रत्येक मामले की निष्पक्ष, गहन और साक्ष्य आधारित जांच सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शिकायतों पर तत्परता से कार्रवाई की जाए, जांच के दौरान सभी आवश्यक साक्ष्य एकत्रित किए जाएं तथा मामलों में समयबद्ध तरीके से चालान दाखिल किए जाए। उन्होंने कहा कि लंबित मामलों की नियमित समीक्षा कर उनके शीघ्र निस्तारण के लिए ठोस प्रयास किए जाने चाहिए। भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा और आमजन को पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन उपलब्ध कराने के लिए ब्यूरो पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है। हरियाणा एसवी एंड एसीबी ने आमजन से आग्रह किया है कि यदि कोई सरकारी अधिकारी या कर्मचारी किसी सरकारी कार्य के बदले रिश्वत की मांग करता है, तो इसकी शिकायत तुरंत ब्यूरो के टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1064 अथवा 1800-180-2022 पर करें। इसके अतिरिक्त, व्हाटसऐप नंबर 94178-91064 पर भी सूचना दी जा सकती है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सरकार करेगी उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित : भाजपा नेता दिनेश शर्मा

ओपन सर्च/ वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता



सोहना। हरियाणा वेयरहाउस कार्पोरेशन चेयरमैन रहे व भाजपा के वरिष्ठ नेता पंडित दिनेश शर्मा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को 8 मार्च, 2027 को सम्मानित किया जाएगा। इस संबंध में महिला एवं बाल विकास विभाग, हरियाणा की ओर से राज्य स्तरीय पुरस्कारों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इन पुरस्कारों का उद्देश्य समाज में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को प्रोत्साहित करना तथा अन्य महिलाओं को भी उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित करना है। हरियाणा वेयरहाउस कार्पोरेशन चेयरमैन रहे व भाजपा के वरिष्ठ नेता पंडित दिनेश शर्मा ने बताया कि विभिन्न श्रेणियों में दिए जाने वाले पुरस्कारों में सुषमा स्वराज पुरस्कार के तहत 5 लाख रुपये, इंदिरा गांधी महिला शक्ति पुरस्कार के तहत 1.50 लाख रुपये, कल्पना चावला शौर्य पुरस्कार के तहत एक लाख रुपये तथा बहन शन्नो देवी पंचायती राज पुरस्कार के तहत एक लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार के तहत 51 हजार रुपये, सरकारी कर्मचारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं महिला उद्यमियों को 21-21 हजार रुपये की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया जाएगा। सरकारी कर्मचारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की श्रेणी में 4-4 तथा महिला उद्यमियों की श्रेणी में 2 पुरस्कार दिए जाएंगे। हरियाणा वेयरहाउस कार्पोरेशन चेयरमैन रहे व भाजपा के वरिष्ठ नेता पंडित दिनेश शर्मा ने बताया कि इच्छुक एवं पात्र महिलाएं विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं।

क्रांतिकारी धन सिंह कोतवाल के जीवन से प्रेरणा ले देशवासी : भाजपा नेता हरीश नंदा

ओपन सर्च/ वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता

सोहना। भाजपा किसान मोर्चा में जिलाउपाध्यक्ष व नगरपार्षद हरीश नंदा राजू ने सर्व समाज से आग्रह किया है कि वह क्रांतिकारी धन सिंह कोतवाल के जीवन से प्रेरणा ले, जिन्होने मां भारती को गुलामी की बेडिय़ों से मुक्त कराने के लिए हंसते-हंसते अपने प्राणों को देश पर न्यौछावर कर दिया। उनकी दी गई शहादत को आज पूरा देश नमन कर रहा है। उन्होने कहा कि अमर शहीद क्रांतिकारी कोतवाल धन सिंह गुर्जर की जीवनी को शिक्षा पाठयक्रम में शामिल किया जाना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ी को उनके क्रांतिकारी जीवन से प्रेरणा मिले। भाजपा नेता हरीश नंदा राजू ने कहा कि क्रांतिकारी धन सिंह गुर्जर का बलिदान हर भारतीय को देशभक्ति व साहस की प्रेरणा देता है। उन्होने बताया कि क्रांतिकारी धन सिंह गुर्जर ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में मेरठ के कोतवाल रहते हुए मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अद्वितीय साहस, त्याग व बलिदान देकर अपना नाम भारतीय इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखवा लिया। मातृभूमि के प्रति उनका समर्पण और राष्ट्र को स्वतंत्र कराने के लिए दिया गया उनका सर्वोच्च बलिदान सदैव आने वाली पीढिय़ों को प्रेरणा देता रहेगा। भाजपा नेता हरीश नंदा राजू ने कहा कि क्रांतिकारी धन सिंह गुर्जर को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि प्रत्येक नागरिक अपने निजी स्वार्थों को दरकिनार कर सदैव राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखे और अनेकता में एकता-भारत की विशेषता का उदघोष लगाते हुए सकल हिंदू समाज को एकजुट कर देश को और ऊंचाई पर पहुंचाने में अपना योगदान दे।

शादियों में बॉलीवुड-टॉलीवुड की एंट्री-डिजिटल हुआ शादी का निमंत्रण

ओपन सर्च/ वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता

सोहना। शादियों का सीजन शुरू होते ही विवाह-शादियों में बॉलीवुड-टॉलीवुड की एंट्री हो गई है। इस बार शादी के इस सीजन में जहां डिजिटल शादी कार्ड की मांग तेजी से बढ़ी है और लोग अब शुभ सहालग के दौरान पारम्पारिक छपे हुए कार्ड की बजाय मोबाइल पर डिजिटल कार्ड वाटसअप के जरिए रिश्तेदारों, दोस्तों, जानकारों को भेज रहे है तो आधुनिकता भरे इस युग में विवाह समारोह में नाई अथवा परिजनों और यार-दोस्तों के साथ मिलकर दुकान-दुकान, घर-घर जाकर जानकारों और रिश्तेदारियों में शादी के कार्ड बांटने की प्रथा कम नजर आ रही है जबकि पहले हल्दी और पीले चावल तथा बारात के लिए सुपारी और शादी का कार्ड देकर लोगों को विवाह-शादी में आने और बारात में चलने के लिए मनुहार की जाती थी लेकिन अब शादी के डिजिटल निमंत्रण से समय और पैसे दोनों की बचत हो रही हैं। मौजूदा वक्त में दूल्हा और दुल्हन की ज्वाइंट फोटो वाला पर्सनलाइज्ड कार्ड सबसे अधिक पसंद किया जा रहा है। इसके बाद ऐनिमेटेड और वीडियो आधरित निमंत्रण भेजने वाला तरीका भी तेजी से बढ़ रहा है। यहां पर शहर में पुराने बसअडडा स्थित प्रिंटिंग प्रैस चलाने वाले मुकेश भटेजा ने बताया कि वह कई दशकों से प्रिंटिंग प्रैस चला रहे है। अब तक कई लाखों परिवारों ने उनके यहां से छपे शादी कार्ड इस्तेमाल किए लेकिन कोरोनाकाल और उसके बाद से ही डिजिटल शादी कार्ड और डिजिटल वीडियो वाले निमंत्रण का रूझान ज्यादा बढ़ गया है। जिससे प्रिंटिंग प्रैसों का काम प्रभावित हो रहा है। यहां पर श्री सनातन धर्मसभा से जुड़े समाजसेवी डाक्टर सतीश जुनेजा ने बताया कि उन्होने अपने पुत्र के विवाह का निमंत्रण कार्ड डिजिटल रूप से तैयार कराकर सभी रिश्तेदारों और जानकारों को वाटसअप पर भेजा है। ऐसा करने से कागज की बचत होगी तो पेड़ कटान रोकने में मदद मिलेगी, वही विवाह-शादी का निमंत्रण देने के नाम पर होने वाली समय की बर्बादी और पैसे की भी बचत होगी। उन्होने बताया कि वाटसअप पर डिजिटल रूप से शादी का निमंत्रण भेजने के बाद उन्होने अपने रिश्तेदारों व परिचितों को मोबाइल पर सम्पर्क कर सपरिवार विवाह में आने का आग्रह किया है।

वही सोहना गांव के नम्बरदार तेजपाल सैनी, अग्रवालसभा के प्रधान सेठ रोहित गर्ग, बुजुर्ग

वीर जवानों के बलिदान से प्रेरणा ले : डाक्टर रतनपाल खटाना



सोहना,(वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता): आईएमटी सोहना चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रधान तथा एमएफआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डाक्टर रतनपाल खटाना ने मुम्बई में हुए आतंकी हमले की बरसी के उपलक्ष्य में जाबांज जवानों और इस आतंकी हमले में मारे गये लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्होने उपस्थितों को आतंकवाद के विरूद्ध लडऩे की शपथ दिलाते हुए कहा कि देश की एकता, अखंडता को बनाये रखने और आतंकवाद के खिलाफ हम सबको एकजुट रहना होगा। तभी हम दुश्मनों के इरादों को नेस्तनाबूद कर पाएंगे। कार्यक्रम में आसपास लगते करीब दर्जन भर गांवों से आये लोगों ने केन्द्र सरकार से मुम्बई आतंकी हमले से सबक लेने और देश में पुन: पोटा कानून लागू किए जाने की मांग की ताकि आतंकवाद व उग्रवाद के खिलाफ पोटा जैसे सख्त कानून के जरिए आतंकवादियों को सबक सिखाया जा सके। वही आतंकी हमले के शहीदों की आत्मा को शांति मिल सके और देशवासी भी अपनी जान को न्यौछावर कर देश के लिये शहादत देने वाले वीर जवानों के बलिदान से प्रेरणा ले सके।

संविधान के प्रति जागरूक रहे : समाजसेवी रामकिशन राघव

सोहना,(वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता): यहां पर संविधान दिवस के उपलक्ष्य में गांव भौंड़सी में भाजपा कार्यालय पर एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में आसपास लगते कई गांवों से आए आमंत्रितों ने जातपात और पार्टीबाजी जैसे संकीर्ण विचारों से ऊपर उठकर हिस्सा लिया। इस मौके पर उपस्थितों के बीच मुख्य वक्ता रूप में बोलते हुए भारत रक्षा मंच के प्रांतमंत्री और भाजपा जिला कार्यकारिणी मैम्बर रामकिशन राघव ने मौजूद लोगों को संविधान से अवगत कराया और बताया कि लोकतांत्रिक देश भारत में संवैधानिक प्रणाली किस तरह काम करती है तथा सभी को समानता का अधिकार देती है। इस मौके पर शिक्षाविद श्याम राघव, युवा समाजसेवी अमरदीप राघव, पंडित लोकेश वशिष्ठ, सूबेदार रमेश सिंह आदि प्रमुखजनों समेत विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार रखे।

संविधान की रक्षा के लिए लोगों को जागरूक बना रही कांग्रेस : कांग्रेस नेता सतबीर पहलवान

सोहना,(वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता): स्वतंत्रता सेनानी चौधरी रणबीर सिंह हुडडा जयंती के उपलक्ष्य में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की हलका स्तरीय बैठक शहर में दमदमा रोड़ स्थित युवा कांग्रेस कार्यालय में आयोजित हुई। युवा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनदीप खटाना दमदमिया ने बताया कि इस बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं के बीच मुख्य वक्ता रूप में बोलते हुए सोहना विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता व किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष पहलवान सतबीर खटाना ने स्वतंत्रता सेनानी एवं राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री के पिता स्वर्गीय चौधरी रणबीर सिंह हुडडा की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किए गए हवन-यज्ञ में आहुतियां डाली और स्वर्गीय रणबीर सिंह हुडडा के जीवन चरित्र से प्रेरणा लेते हुए उनके दिखाए रास्ते पर चलने का प्रण भी सामूहिक रूप से लिया है।

संविधान के प्रति जागरूक रहकर लोकतंत्र को बनाए मजबूत : पूर्व नगरपार्षद रोहताश जैन



सोहना,(वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता): यहां पर संविधान दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में आमंत्रितों ने जातपात और पार्टीबाजी जैसे संकीर्ण विचारों से ऊपर उठकर हिस्सा लिया। आयोजित किए गए संविधान दिवस जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य वक्ता रूप में पूर्व नगरपार्षद रोहताश जैन मौजूद रहे। इस मौके पर उपस्थितों के बीच मुख्य वक्ता रूप में बोलते हुए पूर्व नगरपार्षद रोहताश जैन ने मौजूद लोगों को संविधान से अवगत कराया और बताया कि लोकतांत्रिक देश भारत में संवैधानिक प्रणाली किस तरह काम करती है तथा सभी को समानता का अधिकार देती है। उन्होने लोगों को संविधान की जरूरत, इसे बनाने में योगदान और संविधान की शक्तियों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि देश के लिए तैयार किए गए संविधान को 26 नवंबर, 1949 को भारतीय संविधान सभा द्वारा अपनाया गया।

बुद्धा इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ी गई संविधान की प्रस्तावना : बलराज भड़ाना

सोहना,(वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता): यहां पर नयागांव स्थित बुद्धा इंटरनेशनल स्कूल प्रांगण में विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष बलराज भड़ाना ने मौजूद शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को संविधान की प्रस्तावना पढक़र सुनाई और बताया कि देश के संविधान की रचना बाबा साहिब भीमराव अंबेडकर की अध्यक्षता में गठित कमेटी द्वारा की गई थी, जिसमें देशवासियों ने भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए सभी नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त करवाने व देश की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए संविधान को अंगीकृत किया।

शहीदों के परिवार को अपने ही परिवार का अंग समझे हर भारतीय : धर्मबीर डागर



सोहना,(वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता): भाजपा के वरिष्ठ क्षेत्रीय नेता तथा सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक के डायरेक्टर चौधरी धर्मबीर डागर अलीपुरिया ने मुंबई आतंकी हमले की बरसी के उपलक्ष्य में आतंकी हमले में शहीद हुए लोगों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि देकर उनकी शहादत को नमन किया और कहा कि हम उन परिवारों के साथ शोकाकुल है, जिनके अपने इस आतंकी हमले में हमेशा के लिए बिछुड़ गए। उन्होने कहा कि मैं उन सुरक्षाकर्मियों की भी शहादत को सलाम करता हूं, जिन्होने हैवानियत से लड़ते हुए अपनी जान कुर्बान कर दी।

अमर शहीदों की शहादत को शत-शत नमन : व्यापारी नेता जितेन्द्र मित्तल

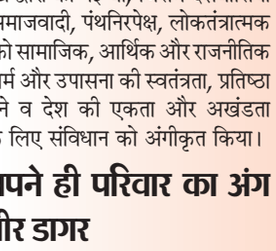

सोहना,(वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता): यहां पर किरयाणा व्यापारी यूनियन के पूर्व प्रधान जितेन्द्र मित्तल उर्फ सोनू मित्तल ने मुंबई आतंकी हमले की बरसी के उपलक्ष्य में आतंकी हमले में शहीद हुए लोगों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि देकर उनकी शहादत को नमन किया और कहा कि हम उन परिवारों के साथ शोकाकुल है, जिनके अपने इस आतंकी हमले में हमेशा के लिए बिछुड़ गए। उन्होने कहा कि मैं उन सुरक्षाकर्मियों की भी शहादत को सलाम करता हूं, जिन्होने हैवानियत से लड़ते हुए अपनी जान कुर्बान कर दी।

गुर्जर समाज सेवा समिति ने दी मुंबई हमले के शहीदों को दी श्रद्धांजलि : प्रताप खटाना रिठौजिया

सोहना,(वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता): यहां पर गुर्जर समाज सेवा समिति के प्रधान कामरेड प्रताप खटाना रिठौजिया ने मुंबई आतंकी हमले की बरसी के उपलक्ष्य में आतंकी हमले में शहीद हुए लोगों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि देकर उनकी शहादत को नमन किया और कहा कि हम उन परिवारों के साथ शोकाकुल है, जिनके अपने इस आतंकी हमले में हमेशा के लिए बिछुड़ गए।

फैमिली आईडी से जुड़े 54 बिंदुओं पर नागरिकों को हिंदी में भेजे जा रहे संदेश : डाक्टर सतीश खोला

ओपन सर्च/ वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता

सोहना। हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार नागरिकों को पारदर्शी, जवाबदेह और सुविधाजनक प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए लगातार नई पहल कर रही है। इसी दिशा में परिवार पहचान प्राधिकरण (एचपीपीए) द्वारा फैमिली आईडी से संबंधित 54 महत्वपूर्ण बिंदुओं पर नागरिकों को मोबाइल पर संदेश भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इस व्यवस्था के माध्यम से अब नागरिकों को फैमिली आईडी में किए गए विभिन्न आवेदनों, सुधारों, सत्यापन, स्वीकृति, अस्वीकृति तथा आवश्यक कार्रवाई की जानकारी सीधे उनके मोबाइल फोन पर उपलब्ध करवाई जा रही है। परिवार पहचान प्राधिकरण, हरियाणा सरकार के स्टेट कोऑर्डिनेटर डॉ. सतीश खोला ने शुक्रवार को सोहना पत्रकार संघ के अध्यक्ष उमेश गुप्ता को एक विशेष भेट में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सोच है कि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक बिना किसी परेशानी के पहुंचे और सरकारी कार्यालयों में नागरिकों को अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें। इसी सोच को धरातल पर उतारने के लिए प्रदेश सरकार तकनीक का अधिक से अधिक उपयोग कर रही है। डाक्टर सतीश खोला ने बताया कि फैमिली आईडी से संबंधित 54 महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भेजे जा रहे मोबाइल संदेशों का उद्देश्य नागरिकों को उनके आवेदन की प्रत्येक महत्वपूर्ण प्रक्रिया से अवगत करवाना है। पहले कई बार नागरिकों को अपने आवेदन की स्थिति जानने के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब मोबाइल पर ही संबंधित जानकारी उपलब्ध होने से उन्हें काफी सुविधा मिलेगी। इससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी और नागरिकों तथा विभाग के बीच संवाद भी मजबूत होगा। उन्होंने बताया कि इन 54 बिंदुओं में परिवार पहचान पत्र के पते में सुधार, बैंक खाते की आईएफएससी संख्या में संशोधन, परिवार के मुखिया में बदलाव, जन्मतिथि में सुधार, माता-पिता के नाम में संशोधन, लिंग परिवर्तन, प्रदेश के भीतर तथा दूसरे राज्य में प्रवास, दिव्यांगता संबंधी जानकारी, विवाह से संबंधित बदलाव, मोबाइल नंबर में सुधार, नाम और शैक्षणिक योग्यता में संशोधन जैसे अनेक महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। इसके अतिरिक्त पति-पत्नी के नाम में सुधार, परिवार के सदस्यों को जोडऩे, हटाने अथवा एक परिवार पहचान पत्र में समायोजित करने, किसी व्यक्ति को जीवित अथवा मृत दर्शाने, परिवार के संरक्षक में बदलाव, विधवा से संबंधित संशोधन तथा अन्य आवश्यक बदलावों के आवेदनों की स्थिति की जानकारी भी नागरिकों को मोबाइल



संदेश के माध्यम से दी जा रही है। डॉ. सतीश खोला ने कहा कि नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए संदेशों के माध्यम से उन्हें आवश्यक जानकारी और निर्देश उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। हिंदी में जानकारी मिलने से आम नागरिकों को अपने आवेदन की स्थिति समझने और विभाग द्वारा मांगे गए दस्तावेजों एवं आवश्यक कार्रवाई के बारे में जानने में आसानी होगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि विभाग की ओर से मोबाइल पर प्राप्त होने वाले संदेशों को गंभीरता से पढ़ें तथा उनमें दिए गए निर्देशों के अनुसार आवश्यक दस्तावेज और जानकारी समय पर उपलब्ध करवाए। डाक्टर सतीश खोला ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार केवल योजनाएं बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए भी लगातार काम कर रही है कि योजनाओं का लाभ सही व्यक्ति तक पहुंचे। परिवार पहचान पत्र व्यवस्था को मजबूत बनाने, नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करने और सरकारी सेवाओं को तकनीक से जोडऩे के लिए निरंतर सुधार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की स्पष्ट सोच है कि आम नागरिक को सरकारी सुविधाओं के लिए परेशान न होना पड़े। सरकार की प्रत्येक पहल का केंद्र आम आदमी है। फैमिली आईडी से संबंधित 54 बिंदुओं पर मोबाइल संदेश भेजने की व्यवस्था भी इसी जनहितकारी सोच का परिणाम है। इससे नागरिकों को जानकारी के अभाव में होने वाली परेशानी से राहत मिलेगी और विभागीय कार्यों में जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने फैमिली आईडी में विभिन्न प्रकार के सुधार, परिवार के सदस्यों से संबंधित बदलाव, सत्यापन तथा सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में आ रही समस्याएं डाक्टर सतीश खोला के समक्ष रखीं। उन्होंने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पात्र परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। जिन नागरिकों के दस्तावेजों या जानकारी में सुधार की आवश्यकता है, उन्हें उचित मार्गदर्शन दिया जाए, ताकि उनके आवेदन समय पर पूरे हो सके। डाक्टर सतीश खोला ने कहा कि हरियाणा सरकार का उद्देश्य प्रशासन को नागरिकों के और करीब लाना है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में प्रदेश में डिजिटल सुशासन, पारदर्शिता और जनसेवा को नई गति मिल रही है। फैमिली आईडी से संबंधित मोबाइल संदेशों की व्यवस्था इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दालों के भावों में आया जबरदस्त उछाल-दालों के दाम एक पखवाड़े में 30 से 40 रुपए बढ़े

ओपन सर्च/ वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता

सोहना। अच्छे दिनों का वादा करने वाली भाजपा सरकार में विवाह-शादियों का सीजन शुरू होते ही दिनोंदिन उछाल खा रहे दालों व मिर्च-मसालों के साथ-साथ सरसो तेल के तेजी से बढ़ रहे भावों ने आम आदमी को रूलाना शुरू कर दिया है। दाल तो दाल अब चीनी, गोला, लाल मिर्च, जीरा, गर्म मसाला आदि के भाव भी उछाल खाने लगे है। दालों व सरसो तेल के दामों में एक ही पखवाड़े के भीतर भारी बढ़ोतरी हो गई है। अरहर व उड़द के बाद अब चना की दाल भी एकदम बीस फीसदी ज्यादा महंगी हो गई तो गेहूं, चावल व प्याज के दाम भी आसमान छू रहे है। रूस व यूक्रेन के बीच युद्ध से इन सामानों की कीमतों में ज्यादा इजाफा हो रहा है क्योकि यूक्रेन से सोया तेल की आने वाली सप्लाई युद्ध के चलते बंद हो गई है। यही कारण है कि इसका असर बाजार में दिखाई दे रहा है। सोया तेल से लेकर सरसो तेल के दामों में 25 से 30 रुपए लीटर की वृद्धि हुई है। कूरड ऑयल की कीमतों में भी बढ़ोतरी होने से महंगाई बढ़ी है। छोटे दुकानदारों का कहना है कि जिस रेट में वह पहले सामान बेचा करते थे, आज उस रेट में वह थोक में सामान खरीद कर ला रहे है। महंगाई का सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ रहा है। ऐसे में गेंहू की ग्लोबल सप्लाई भी खतरे में पड़ सकती है क्योकि रूस दुनिया में गेंहू का एक्सपोर्टर है। वही यूक्रेन इस मामले में चौथे स्थान पर बना हुआ है। एक थोक परचून व्यापारी का कहना है कि जो चीनी पहले थोक में 30 रुपए प्रति किलो थी, वह अब 42 रुपए प्रति किलो पहुंच गई है। इसी प्रकार अरहर, उड़द, मसूर व चना की दालों की कीमतों में भी जबरदस्त उछाल आ गया है। अरहर की दाल 125 रुपए से बढक़र 170 रुपए प्रति किलो बिक रही है तो सरसो का तेल 130 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। रिफाइंड 145 रुपए लीटर बिक रहा है। आटा-चावल से लेकर सब्जियों के दाम भी तेजी से बढ़ गए है। गृहणियों ने बताया कि दालों की कीमतें बीस फीसदी से ज्यादा और सरसो के तेल के भाव एकदम महंगे हो गए है। इसके अलावा कई नामी-गिरामी कंपनियों का डिब्बा बंद देशी घी जो एक पखवाड़े तक 260 रुपए प्रति किलो आ रहा था, वह अब एकदम 40 से 45 रुपए प्रति किलो महंगा होने पर 550 से 600 रुपए प्रति किलो दुकानदार को मिल रहा है जबकि जीरा 900 रुपए किलो, साबुत लाल मिर्च 450 रुपए किलो, हल्दी 250 से 300 रुपए किलो, गर्म मसाला एक हजार से 1200 रुपए किलो, सौंफ 400 रुपए किलो, अजवायन 400 रुपए किलो, बड़ी इलायची 1300 रुपए किलो, छोटी इलायची 3 हजार रुपए प्रति किलो, राई 300 रुपए किलो, गोला 175 से 180 रुपए किलो, चना 50 रुपए से बढक़र एकदम 80 रुपए किलो हो गया। ऐसे में कयास यही लगाए जा रहे है कि दालों और सरसो तेल के साथ-साथ यहां पर भाजपा विरोधी दलों के नेता मास्टर खूबीराम, सुंदर सिंह राजपूत, सोहनाढाणी में रहने वाली नंबरदारनी कविता सैनी, रायसीना में रहने वाली निर्मला देवी आदि का कहना है कि दालों, सरसो के तेल, सब्जी, चीनी आदि रोजमर्रा काम में आने वाली वस्तुओं के दामों में तेजी से हो रही बढ़ोतरी के लिए मोदी सरकार को दोषी ठहराते हुए व्यंग्य कसने से नही चूक रहे है कि लोगों के अच्छे दिन आ गए है। इन अच्छे दिनों में बेरोजगारी बढ़ी है। भ्रष्टाचार बढ़ा है। मंदी के चलते कामधंधे पिट गए है। ऐसे में यदि कोई परिवार दाल-रोटी से गुजारा करना चाहे तो दालों के भाव आसमान पर है। चटनी से रोटी खाना चाहे तो सब्जीमंडी में लहसून और प्याज के दाम भी तेज है। भाजपा राज में बढ़ रही महंगाई ने लोगों को नानी याद करा दी है। गरीबों की हितैषी होने का दम भरने वाली भाजपा के राज में पूंजीपतियों की मौज बन आई है। सोहना में आलू, प्याज और टमाटर का भाव एकाएक उछाला खा गया है। सब्जीमंडी में सब्जी विक्रेताओं की दुकान पर कई-कई झल्लियों में भरा रहने वाला टमाटर, प्याज और आलू महंगाई की मार के आगे अब शनै: शनै: गायब होने लगा है। टमाटर महंगा होने के कारण दुकानदार एकाध क्रेट ही टमाटर की खरीद रहे है।

व्यापारी ने रची 54 लाख लूट की झूठी कहानी-बदमाश कार के आगे लेटा-बैग छीन ले गया-पुलिस ने 3 पॉइंट्स से पकड़ा झूठ



पन सर्च/ वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता

सोहना। भिवानी जिले के सिवानी में व्यापारी जय मोहन से 54 लाख रुपए की लूट की कहानी झूठी निकली। पुलिस जांच में सामने आया कि व्यापारी ने खुद ही लूट की कहानी गढ़ी थी। उसने पुलिस को सूचना दी थी कि वह कार से घर लौट रहा था। रास्ते में एक युवक उसकी कार के आगे लेट गया। उसने कार रोकी तो युवक उठकर उसके पास आ गया। इसी दौरान उसका दूसरा साथी भी वहां पहुंच गया। दोनों ने उसे डरा-धमकाकर नकदी से भरा बैग लूट लिया और फरार हो गए। मामला 54 लाख रुपए की लूट का था। इसलिए पुलिस तुरंत सक्रिय हो गई। क्राइम ब्रांच के अलावा दो अन्य टीमों को बदमाशों की तलाश में लगाया गया लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने व्यापारी से तीन पॉइंट्स पर पूछताछ की। हर बार उसने अलग-अलग बातें बताईं। आखिरकार पुलिस की सख्ती के आगे वह टूट गया और लूट की झूठी कहानी गढऩे की वजह का खुलासा कर दिया। इसके बाद पुलिस ने व्यापारी के खिलाफ गुमराह करने का केस दर्ज करने की तैयारी कर ली है।

भाजपा संविधान को केवल पुस्तक नही बल्कि देश की आत्मा, लोकतंत्र और नागरिकों के अधिकारों का आधार मानती है : डाक्टर सतीश खोला

ओपन सर्च/ वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता

सोहना। संविधान दिवस के अवसर पर रोहतक स्थित संविधान स्थल को लेकर हरियाणा कांग्रेस की भूमिका पर सवाल उठाते हुए भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष डाक्टर सतीश खोला ने कहा कि संविधान का सम्मान करने का दावा करने वाली कांग्रेस को पहले अपने शासनकाल में किए गए कार्यों का जवाब देना चाहिए। संविधान सभा में योगदान देने वाले हरियाणा के अनेक महान स्वतंत्रता सेनानियों और नेताओं की उपेक्षा करके केवल चौधरी रणबीर सिंह हुडडा की प्रतिमा स्थापित करना ऐतिहासिक योगदान के साथ न्याय नहीं है। संविधान किसी एक परिवार, व्यक्ति या राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं, बल्कि देश के करोड़ों नागरिकों की सामूहिक विरासत है। डाक्टर सतीश खोला ने कहा कि भारतीय संविधान का निर्माण किसी एक व्यक्ति के प्रयासों से नहीं हुआ, बल्कि संविधान सभा के सैकड़ों सदस्यों ने लंबे विचार-विमर्श, बहस और व्यापक लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से इसे तैयार किया। बाबा साहेब डाक्टर भीमराव अंबेडकर सहित संविधान सभा के सभी सदस्यों का योगदान देश के इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। हरियाणा की धरती ने भी देश की आजादी और संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले अनेक महान व्यक्तित्व दिए हैं। इसलिए प्रदेश के इतिहास और संविधान निर्माण में योगदान देने वाले सभी महान नेताओं को समान सम्मान मिलना चाहिए। डाक्टर सतीश खोला ने कहा कि उपलब्ध ऐतिहासिक जानकारी के अनुसार चौधरी रणबीर सिंह हुडडा, पंडित ठाकुरदास भार्गव, लाला अचिंत राम, चौधरी सूरजमल और लाला देशबंधु गुप्ता जैसे प्रमुख व्यक्तित्व संविधान सभा के सदस्य रहे। इसके अतिरिक्त पंडित श्रीराम शर्मा, मास्टर नन्दलाल, चौधरी



निहाल सिंह तक्षक और डाक्टर गोपीचंद भार्गव जैसे महान नेताओं के नाम भी हरियाणा क्षेत्र के संविधान सभा से जुड़े योगदान के संदर्भ में सामने आते हैं। रणबीर सिंह हुडडा का स्वतंत्रता संग्राम और संविधान सभा में योगदान निश्चित रूप से सम्माननीय है लेकिन उनके सम्मान के नाम पर दूसरे महान व्यक्तित्वों को भुला देना उचित नहीं है। पंडित ठाकुरदास भार्गव, लाला अचिंत राम, चौधरी सूरजमल और लाला देशबंधु गुप्ता जैसे व्यक्तित्वों के योगदान को भी सम्मानपूर्वक स्थान मिलना चाहिए। इसके अतिरिक्त हरियाणा क्षेत्र के स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निर्माण से जुड़े अन्य प्रमाणित व्यक्तित्वों का इतिहास भी नई पीढ़ी के सामने लाया जाना चाहिए। डाक्टर सतीश खोला ने अपने बयान में कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी देश भर में संविधान की प्रति लेकर घूमते हैं और संविधान की रक्षा करने की बातें करते है लेकिन संविधान की रक्षा केवल हाथ में संविधान की पुस्तक लेकर चलने से नहीं होती, बल्कि संविधान की मूल भावना को अपने आचरण और कार्यों में उतारने से होती है। कांग्रेस को बताना चाहिए कि यदि संविधान सभा का योगदान सामूहिक था तो रोहतक के संविधान स्थल पर सभी सदस्यों के योगदान को समान रूप से प्रदर्शित करने की व्यवस्था क्यों नहीं की गई? क्या संविधान का सम्मान केवल राजनीतिक परिवारों से जुड़े व्यक्तित्वों तक सीमित रहना चाहिए? संविधान में समानता का अधिकार है। इसलिए इतिहास में योगदान देने वाले सभी महान व्यक्तित्वों के सम्मान में भी समानता दिखाई देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा में संविधान, लोकतंत्र, राष्ट्रीय एकता और नागरिकों के अधिकारों का विशेष महत्व है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने संविधान दिवस को व्यापक जनभागीदारी से जोडऩे, संविधान की प्रस्तावना के प्रति जागरूकता बढ़ाने और नागरिकों को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों से परिचित करवाने के लिए अनेक पहल की हैं। भाजपा का मानना है कि संविधान का सम्मान किसी राजनीतिक नारे का विषय नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक और प्रत्येक संवैधानिक संस्था की जिम्मेदारी है। डाक्टर सतीश खोला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में विशेष महत्व देते हुए देशवासियों को संविधान के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का स्मरण करवाने की परंपरा को मजबूत किया है। संसद और विभिन्न सार्वजनिक संस्थानों में संविधान की प्रस्तावना के सामूहिक वाचन, संविधान के प्रति जागरूकता कार्यक्रमों और नागरिक कर्तव्यों के प्रचार-प्रसार के माध्यम से संवैधानिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के कार्यकाल में संविधान के माध्यम से सामाजिक न्याय और समान अवसरों को मजबूत करने से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए हैं। आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का संवैधानिक प्रावधान, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने तथा महिलाओं को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एक-तिहाई आरक्षण का प्रावधान करने वाला नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

शिवनगरी सोहना में सांसद धर्मबीर सिंह के जन्मदिन के उपलक्ष्य में हुए कार्यक्रम : राजेश राघव

ओपन सर्च/ वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता

सोहना। सोहना के पूर्व विधायक व मौजूदा भाजपा सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह का जन्मदिन सांसद समर्थकों ने उनके सोहना आवास पर सादगी से मनाया। भाजपा सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सुबह यहां पर उन्हे बधाइयां देने वालों का तांता लगा रहा। सोहना में भाजपा सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह के जन्मदिवस पर विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रमों की धूम देखने को मिली। स्थानीय पंचायत समिति उपचेयरमैन रहे राजेश राघव भौंड़सिया, व्यापारी नेता अशोक सिंगला नगीनिया, पूर्व नगरपार्षद मदन चौहान व जेवरात सर्राफा व्यापारी एसोसिएशन से जुड़े संजीव गुप्ता, व्यापारमंडल संघ के उपाध्यक्ष तथा श्री अग्रवालसभा के प्रधान सेठ रोहित गर्ग ने बताया कि भाजपा सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह के स्थानीय आवास पर जन्मदिन के उपलक्ष्य में प्रात: समय आयोजित हवन-यज्ञ में उपस्थित कार्यकर्ताओं, समर्थकों ने आहूतियां डालते वक्त धर्मबीर सिंह की दीर्घायु की मंगलकामनाएं मांगी और उनके संघर्षमय जीवन से प्रेरणा लेते हुए हर कदम पर उनका साथ देने का प्रण भी उपस्थितों ने सामूहिक रूप से लिया। इस अवसर पर प्रमुख लोगों में रमेश सैनी, सोहना व्यापारमंडल संघ के चीफ एडवाईजर व अग्रवालसभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश अग्रवाल, सोहना ब्लाक समिति में पूर्व उपचेयरमैन राजेश राघव भौंड़सिया, पूर्व नगरपार्षद मदन सिंह चौहान, भारत रक्षा मंच के प्रांतमंत्री रामकिशन राघव आदि प्रमुख लोगों के अलावा पंचायतीराज संस्था से जुड़े जन प्रतिनिधि, पार्षद, समर्थक और पार्टी कार्यकर्ता भी खासी तादाद में मौजूद रहे। इस अवसर पर उपस्थितों के बीच बोलते हुए स्थानीय पंचायत समिति उपचेयरमैन रहे राजेश राघव भौंड़सिया, व्यापारी नेता अशोक सिंगला नगीनिया, पूर्व नगरपार्षद मदन चौहान, सोहना व्यापारमंडल संघ के चीफ एडवाईजर व अग्रवालसभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश अग्रवाल ने चौधरी धर्मबीर सिंह को हरदिल अजीज बताते हुए कहा कि चौधरी धर्मबीर सिंह की अपनी विशेष जनप्रिय कार्यशैली, स्पष्टवादिता और विकास कार्यों के प्रति उनकी ललक के आगे उनके धुर विरोधी भी नतमस्तक हो जाते है। उन्होंने भाजपा सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह की स्पष्टवादिता, दूरदर्शिता, सजगता, जागरूकता व त्वरित निर्णय क्षमता युक्त कार्यशैली की सराहना करते हुए सामूहिक रूप से उनके आदर्शों पर चलने की शपथ ली।

परिसीमन बिल पर बड़ा उलटफेर-22 सांसदों वाली डीएमके कर सकती है एनडीए का समर्थन-कांग्रेस ने बताया 'पीठ में छुरा घोंपने' वाला

ओपन सर्च/ वरिष्ठ संवाददाता उमेश गुप्ता

सोहना। संसद के आगामी सत्र से पहले दिल्ली में बड़ा सियासी धमाका हो गया है। परिसीमन बिल पर सरकार को दो-तिहाई बहुमत जुटाने के लिए जिस पार्टी की सबसे ज्यादा जरूरत थी, वही पार्टी अब पाला बदलती नजर आ रही है। चर्चा है कि लोकसभा में 22 सांसदों वाली डीएमके यानी द्रविड़ मुनेत्र कडग़म एनडीए सरकार का समर्थन कर सकती है। इस खबर के सामने आते ही कांग्रेस भडक़ गई है। कांग्रेस नेताओं ने डीएमके को इंडिया गठबंधन की पीठ में छुरा घोंपने वाला यानी 'गद्दार' तक बता दिया है। कांग्रेस का कहना है कि डीएमके ने विपक्षी एकता को धोखा दिया है। लोकसभा में संविधान संशोधन के लिए सरकार को 360 वोट चाहिए। अभी एनडीए के पास करीब 319-320 सांसदों का समर्थन बताया जा रहा है। इसमें टीएमसी से अलग हुए 20 सांसद और अकाली दल का एक सांसद भी शामिल है। अगर डीएमके के 22, एनसीपी (शरद पवार) के 8 और वाईएसआर कांग्रेस के 4 सांसद भी समर्थन दे देते हैं, तो आंकड़ा 353-354 तक पहुंच जाएगा। इसके बाद कुछ छोटे दलों और निर्दलीयों के समर्थन या विपक्ष के कुछ सांसदों के अनुपस्थित रहने से सरकार का काम बन सकता है। डीएमके के नेताओं ने संकेत दिया है कि अगर परिसीमन के बाद तमिलनाडु की लोकसभा सीटों में उनकी करीब 7.2 प्रतिशत हिस्सेदारी सुरक्षित रहती है, तो पार्टी बिल का समर्थन करने पर विचार कर सकती है। डीएमके की सबसे बड़ी चिंता यही है कि दक्षिण के राज्यों को जनसंख्या नियंत्रण की सजा न मिले। वहीं डीएमके सांसद कनिमोझी ने कहा है कि पार्टी निष्पक्ष परिसीमन चाहती है और बिल की कॉपी देखने के बाद ही अंतिम फैसला लेगी। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने पहले ही आरोप लगाया था कि भाजपा किसी भी तरह, हुक या कुक से बिल पास कराना चाहती है। उन्होंने कहा था कि भाजपा ने पहले टीएमसी के 20 सांसद तोड़े, अब डीएमके को साध रही है। कांग्रेस की मांग है कि महिला आरक्षण को मौजूदा 543 सीटों पर ही लागू किया जाए, उसे परिसीमन से न जोड़ा जाए। कांग्रेस का कहना है कि परिसीमन से लोकतं